रांची का तापमान
कांके: अधिक. 28.8° न्यून. 22.0°
रांची: अधिक. 29.0° न्यून. 23.0°
रांची, शनिवार
02 अगस्त 2025
वर्ष-26, अंक-181, पृष्ठ-12

श्रावण शुक्ल पक्ष 08, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास
राष्ट्रीय नवीन मेल
सत्यमेव जयते
₹2.00
हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

'ऑपरेशन सिंदूर' से थर्रा गया भारत का दुश्मन

राष्ट्रीय नवीन मेल

शशि प्रकाश सिन्हा 'सेवी'

भारत को शांतिप्रिय देश मान बैठे दरिंदों ने भारतीयों पर लुकछिप कर पिछले सत्तर सालों में अनेकों घटनाओं को अंजाम दिया, जो हमने बर्दाश्त किया। हमने जंगलों में छिपे केवल उन्हीं खास जिहादियों पर पलटवार किया, जो हमारे देश की सीमा के अंदर घुसपैठ कर जिहादी गतिविधियों में संलग्न थे। परंतु, 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम की घटना बर्दाश्त से एकदम बाहर थी, जहां छब्बीस निरपराध पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर, कुरान की आयतें बोलने की परीक्षा लेकर और पैंट खोलकर निरीक्षण करने का दुस्साहस करने के बाद कतार में खड़ा करउनके तड़पते प्रियजनों के सामने ही गोली मार दी थी। इनके मौत पर अट्टहास करते हुए कहा, स्त्रियों तुम्हें जानबूझ कर बिलखता छोड़ रहा हूं कि तुम जाकर अपने मोदी से घटना के बारे में खुल कर बता देना। शेष पेज 11 पर

मारपीट के मामले में 5 वर्ष कारावास की सजा

मेदिनीनगर। पलामू के जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-02 ने एसटी संख्या- 259/2017, सदर (शहर) थाना कांड संख्या- 409/2015, दिनांक- 04.07.2015, धारा- 147, 148, 149, 341, 323, 326, 304, 506 भादवि में विचार करने के बाद अभियुक्त प्रदीप यादव, (पिता- स्व. दुखी यादव, सा.- बारालोटरा, जीएलए कॉलेज गेट, थाना- शहर, जिला- पलामू) को दोषी पाते हुए शुक्रवार को भारतीय दंड शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है। आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं। संपर्क/व्हाट्सएप **82925 53444** विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क **+91 82923 73444** कार्यकारी संपादक।

रांची में नवनिर्मित विधायक आवासीय परिसर में शुक्रवार को 76वें वन महोत्सव में सीएम हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर व अन्य।

71वां नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स

शाहरुख व विक्रांत मैसी को मिला बेस्ट एक्टर का अवार्ड

नई दिल्ली (आईएएनएस)

- रानी मुखर्जी बेस्ट एक्ट्रेस घोषित

71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड की शुक्रवार को घोषणा कर दी गई। फिल्म 'जवान' के लिए शाहरुख खान और 'फिल्म 12वीं फेल' के लिए विक्रांत मैसी को बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला। वहीं, फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए रानी मुखर्जी को बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला। दिल्ली के नेशनल मीडिया सेंटर में जूरी चेयरमैन और मशहूर फिल्म निमार्ता आशुतोष गोवारिकर ने इसकी घोषणा की। ये अवॉर्ड 2023 में रिलीज हुई फिल्मों के लिए दिया गया है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी की फिल्मों और कलाकारों को अवॉर्ड से नवाजा गया है। शेष पेज 11 पर

विधानसभा का मानसून सत्र शुरू

सदन को स्वस्थ बहस, रचनात्मक आलोचना का मंच बनाएं : स्पीकर

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सदन को संबोधित करते हुए लोकतंत्र की आदर्श परंपराओं के निर्वहन, सदन में रचनात्मक संवाद और सहभागिता की अहमियत पर बल दिया। विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने कहा, आम जन की आकांक्षाओं की पूर्ति ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। लोकतंत्र तभी सफल होता है, जब हम सभी अपने दायित्वों शेष पेज 11 पर

कहा, आम जन की आकांक्षाओं की पूर्ति हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हो

4 अगस्त को पहला अनुपूरक बजट पेश होगा

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सत्र के कार्यक्रम की आधिकारिक सूचना सदस्यों के साथ साझा की। उन्होंने बताया कि सत्र 7 अगस्त 2025 तक चलेगा। इसमें कुल पांच कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। 4 अगस्त को वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। 5 अगस्त को प्रश्नकाल के बाद अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी। शेष पेज 11 पर

सत्र के लिए सभापतियों के नामों की घोषणा हुई

विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने सत्र के लिए सभापतियों के नामों की घोषणा की। इनमें स्टीफन मरांडी, सीपी सिंह, निरल पूर्ति, रामचंद्र सिंह और नीरा यादव शामिल हैं। कार्यमंत्रणा समिति की भी घोषणा की गई, जिसमें अध्यक्ष स्वयं स्पीकर होंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राधाकृष्ण किशोर, बाबूलाल मरांडी, सरयू राय, निरल पूर्ति और अरूप चटर्जी को सदस्य बनाया गया है। वहीं, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में दीपक बिरुआ, मथुरा महतो, सीपी सिंह, स्टीफन मरांडी, प्रदीप यादव, सुरेश पासवान, नवीन जायसवाल, जर्नादन पासवान, बसंत सोरेन, नीरा यादव, कल्पना सोरेन मुर्मू, निर्मल महतो और जयराम महतो को शामिल किया गया है।

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के दीक्षांत समारोह में बोलीं राष्ट्रपति

2047 के विकसित भारत के लक्ष्य में सहभागी बनें युवा

उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए 94 विद्यार्थियों को मिला गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज मेडल

नवीन मेल डेस्क

धनबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आईआईटी-आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह में शुक्रवार को युवाओं से आह्वान किया कि वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में रचनात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि युवा अपने ज्ञान, नैतिकता व नवाचार के माध्यम से राष्ट्र की आकांक्षाओं को साकार करें। कहा कि शिक्षा केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसका उद्देश्य संवेदनशील और नैतिक व्यक्तित्व का निर्माण भी होना चाहिए।

धनबाद स्थित आईआईटी-आईएसएम के दीक्षांत समारोह में कुल 1880 छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिग्री प्रदान की गई। उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन के लिए 94 विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज मेडल से नवाजा गया।

राष्ट्रपति ने डिग्री हासिल करने वाले छात्रों से कहा कि 100 वर्षों के गौरवपूर्ण इतिहास वाले आईआईटी-आईएसएम जैसे विश्वस्तरीय संस्थान से शिक्षा प्राप्त करना गर्व का विषय है। यह दीक्षांत केवल शिक्षा की पूर्णता नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है, जो नौकरी, उच्च शिक्षा या नवाचार की दिशा में हो सकती है। शेष पेज 11 पर

राष्ट्रपति की उपस्थिति से प्रेरणादायक बना यह दीक्षांत समारोह : राज्यपाल

आईआईटी आईएसएम, धनबाद के 45वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति की उपस्थिति से यह दीक्षांत समारोह अत्यंत प्रेरणादायक और ऐतिहासिक बन गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का झारखंड से विशेष आत्मीय संबंध रहा है। अपने राज्यपाल कार्यकाल में उन्होंने शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य और जनकल्याण जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और जनभावनाओं के प्रति समर्पण ने झारखंडवासियों के हृदय में विशेष स्थान बनाया है। राज्यपाल गंगवार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के जीवन संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से निकलकर आपने जिस प्रकार विषम परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और अपने गांव की पहली कॉलेज जाने वाली बेटी बनीं, वह संपूर्ण देश के लिए प्रेरणा का विषय है। राज्यपाल ने आईआईटी आईएसएम, धनबाद की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान खनन, ऊर्जा, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में राष्ट्र को दिशा देता आया है। वर्ष 1926 में स्थापित यह संस्थान आज वैश्विक स्तर पर अपनी सशक्त पहचान बना चुका है।

राज्यपाल संतोष गंगवार ने इस अवसर पर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज और राष्ट्र के कल्याण में करें। अपने संबोधन में राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था, 'डिजिटल इंडिया' अभियान, तकनीकी नवाचार तथा ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जैसे विषयों का उल्लेख करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए आह्वान किया। शेष पेज 11 पर

रॉयल्टी बकाया मामले में पैनम कोल माइंस की संपत्ति कुर्क होगी

- कोर्ट ने आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया
- अदालत ने मामले में अगली सुनवाई 11 अगस्त निर्धारित की

नवीन मेल डेस्क

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने शुक्रवार को रॉयल्टी बकाया रखने के मामले में पैनम कोल माइंस के खिलाफ कुर्की-जब्ती के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस संबंध में दायर एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करते हुए निर्देश दिया कि संपत्ति कुर्क करने में बंगाल के वर्धमान जिले के एसपी भी झारखंड पुलिस को सहयोग करें। कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई 11 अगस्त निर्धारित की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि पैनम कोल माइंस पर कोयला खनन के एवज में 118 करोड़ रुपए की रॉयल्टी बकाया है। झारखंड के दुमका जिले के अफसर ने इस मामले में कंपनी के खिलाफ शेष पेज 11 पर

मोहन भागवत को गिरफ्तार करने के लिए कहा गया था

मालेगांव मामले पर बोले पूर्व एटीएस अधिकारी महबूब मुजावर

नई दिल्ली। महाराष्ट्र एटीएस के एक पूर्व अधिकारी, जो वर्ष 2008 के मालेगांव बम धमाके की जांच करने वाली टीम का हिस्सा थे, ने शुक्रवार को एक चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। शेष पेज 11 पर

इंडिया

पकिस्तान से डील तो बहाना है, बलूचिस्तान निशाना है

अपने को विश्व का स्वघोषित चौधरी समझने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप 26 बार भारत पाक सहित अन्य के युद्ध विराम का विवादास्पद दावा कर चुके हैं पर इस बार उन्होंने एक नया धमाका किया है कि पाकिस्तान और अमेरिका के बीच तेल डील हो चुका है पर इससे सबसे ज्यादा बलूचिस्तान के लोग भड़के हैं। इस कथित डील का का राजनैतिक मकसद तो जो है वह है ही पर पाकिस्तान के अंदर मौजूद आपार प्राकृतिक संसाधनों खासकर तेल, गैस और दुर्लभ खनिज का दोहन करना है और वो सारा कुछ बलूचिस्तान में है। ये संसाधन वास्तव में पाकिस्तान के उस बलूचिस्तान के हैं जो दशकों से अपनी आजादी की लड़ाई के लिए लड़ाई लड़ रहा है और भारत से सहयोग भी चाहता है । लड़ाके बलूचों ने घोषणा की है कि बलूचिस्तान की भूमि बिकाऊ नहीं है। भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान करने वाले डोनाल्ड ट्रंप पर पूरा बलूचिस्तान टूट पड़ा है। बलूचिस्तान डोनाल्ड ट्रंप को वैसे ही धमका रहा है जैसे वो शहबाज शरीफ को धमकाता रहा है। कह सकते हैं कि बलूचिस्तान ने भारत का साथ देते हुए डोनाल्ड ट्रंप को खुली चुनौती दी है। बलूच एक्टिविस्ट मीर यार बलोच ने कहा कि तेल और खनिज भंडारों के मामले में ट्रंप की जानकारी बिल्कुल सही है पर ट्रंप शायद यह नहीं जानते कि ये तेल और प्राकृतिक संसाधन पाकिस्तान के नहीं बल्कि बलूचिस्तान के हैं और बलूचिस्तान पाकिस्तान का नहीं है। तेल, नैचुरल गैस, कॉपर, लिथियम, अल्युम्युनियम और रेयर अर्थ मेटल पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नहीं बल्कि रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान में है और अपना ये खजाना हम डोनाल्ड ट्रंप को तो कतई नहीं लेने देंगे। बलूच नेता ने कहा कि हम अमेरिका, पाकिस्तान और चीन जैसे किसी भी देश को बलूचिस्तान में घुसने नहीं देंगे। जिस तरह से चीन और पाकिस्तान पिट रहे हैं उसी तरह से अमेरिका भी पिटेगा। जबकि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का आभार जताते हुए कहा कि यह ढील दोनों देशों की साझेदारी को नए मुकाम तक ले जाएगी। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर कहा कि पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को मिलकर विकसित करेंगे और कौन जाने शायद एक दिन वे भारत को तेल बेचें। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि ये भंडार कहां स्थित है? विशेषज्ञों के अनुसार पाकिस्तान लंबे समय से अपने समुद्री तटों पर तेल और गैस संसाधनों की बात करता रहा है, लेकिन व्यावहारिक दोहन में अब तक कोई बड़ी सफलता नहीं मिली।

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

मातृत्व को सशक्त बनाने का प्रयास है 'विश्व स्तनपान सप्ताह': अन्नपूर्णा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

महिला एवं बाल विकास मंत्री और कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने विश्व स्तनपान सप्ताह (1-7 अगस्त) को मां और शिशु के बीच जीवनदायी रिश्ते को मजबूत करने का संकल्प बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, यह केवल स्वास्थ्य अभियान नहीं, बल्कि मातृत्व को सशक्त बनाने का प्रयास है। इस साल की थीम 'स्तनपान को प्राथमिकता दें : स्थायी सहायता प्रणालियां बनाएं' माताओं और शिशुओं के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'विश्व स्तनपान सप्ताह' केवल एक स्वास्थ्य अभियान नहीं शेष पेज 11 पर

केंद्रीय मंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, स्तनपान को बढ़ावा देना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है

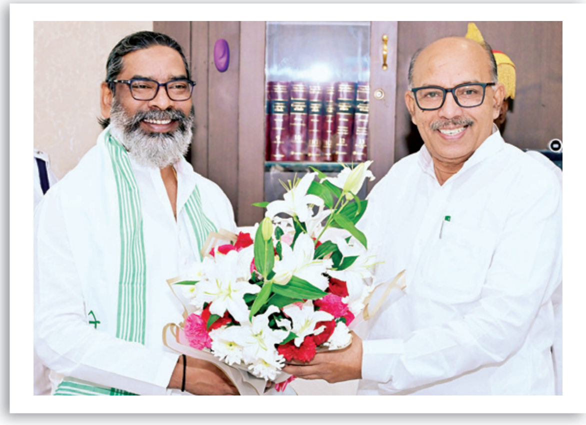

षष्ठम विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले दिन स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो का स्वागत करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

झारखंड विस में मुख्यमंत्री हेमंत का स्वागत करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी एवं मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल।

एसआईआर के समर्थन और विरोध के स्वर से गूंजी विधानसभा की लॉबी

मतदाता गहन पुनरीक्षण सर्वेक्षण पर बंटे विधायक

काजल मेहता

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र का शुक्रवार से प्रारंभ हो गया। सत्र के पहले दिन शोक प्रस्ताव के बाद सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, सदन के बाहर मतदाता गहन पुनरीक्षण सर्वेक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर जमकर बयानबाजी हूई। सत्र के दौरान एसआईआर, जाति जनगणना, सरना कोड और एससी/एसटी आरक्षण जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। सत्र शुरू होने से पहले ही सदन के बाहर एसआईआर को लेकर सत्तापक्ष आक्रामक दिखा। सत्तारूढ़ झामुमो ने 4 अगस्त को सदन के भीतर और बाहर विरोध करने का ऐलान किया है।

इंडिया गठबंधन एसआईआर का विरोध बेवजह कर रही : सतेंद्र

भाजपा विधायक सतेंद्र तिवारी ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन का एसआईआर का विरोध बेवजह है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विपक्ष को चुनाव से पहले ही हार का डर सताने लगा है, इसलिए इस तरह का विरोध किया जा रहा है।

एसआईआर से अल्पसंख्यक मतदाताओं को सूची से निकालने की साजिश : डॉ इरफान

स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने एसआईआर पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि इसके माध्यम से अल्पसंख्यक मतदाताओं में शामिल मुस्लिम, आदिवासी और दलित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार हमारा है और भाजपा जानती है कि ये समुदाय उसका वोट बैंक नहीं है, इसलिए उन्हें सूची से हटाने की कोशिश हो रही है, जिसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदन में विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ राज्यपाल को ज्ञापन भी सौपेंगे। उन्होंने कहा कि एसआईआर किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे।

सरयू राय ने एसआईआर का किया समर्थन

जदयू विधायक सरयू राय ने कहा कि एसआईआर का विरोध बेमानी और बेतुका है। चुनाव आयोग का अधिकार है वह मतदाता सूची के पुनरीक्षण कर सकता है। उन्होंने राय दिया कि राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट नियुक्त कर प्रक्रिया पर नजर रखनी चाहिए और यदि कोई परेशानी हो तो ड्राफ्ट के बाद सुधार भी किया जा सकेगा। उन्होंने विपक्ष के विरोध को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा कि सभी दलों को चुनाव आयोग के इस कोशिश में सहयोग करना चाहिए, ताकि मतदाता सूची अधिक पारदर्शी हो सके।

अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलना राजनीतिक गुंडागर्दी : बाबूलाल मरांडी

भाजपा नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राज्य में चल रहे अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदल कर मदर टेरेसा के नाम पर करने को सरकार की राजनीतिक गुंडागर्दी बताया। उन्होंने कहा कि यह तुष्टिकरण की चरम सीमा है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेता जो झारखंड के निर्माता थे उनके नाम पर चल रही एक छोटी योजना को भी राज्य की सरकार बर्दाश्त नहीं कर सकी।

कांग्रेस बांग्लादेशी और रोहंगिया वोटर के लिए एसआईआर का मुद्दा उठा रही : नवीन

एसआईआर का झारखंड में भी कांग्रेस द्वारा विरोध के फैसले पर हटिया विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस अपने बांग्लादेशी घुसपैठियों और रोहंगिया मुसलमान वोटरों के लिए एसआईआर का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में एसआईआर के बाद भी चुनाव आयोग ने एक महीने का समय दिया है कि जिनका नाम छूट गया है वह अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकते हैं।

एसआईआर को सफल नहीं होने देंगे : दीपिका पांडे सिंह

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने एसआईआर की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को विपक्ष की बात सुननी चाहिए। उन्होंने कहा अब तक राहुल गांधी ने जो कुछ भी कहा सब सच हुआ है। फिर भी केंद्र सरकार बार-बार यू-टर्न ले रही है। उन्होंने एसआईआर को 'वोट रोकने की कोशिश' करार दिया और कहा कि इसे सफल नहीं होने दिया जाएगा।

एसआईआर होना ही चाहिए : चंपाई सोरेन

भाजपा विधायक चंपाई सोरेन ने सघन मतदाता पुनरीक्षण को सही बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण होना ही चाहिए। उन्होंने कहा कि अटल मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलने का सरकार का फैसला सही नहीं है, इस मुद्दे को भाजपा सदन में उठाएगी।

लोस चुनाव से पहले एसआईआर होता तो नहीं होता हंगामा : जय राम महतो

डुमरी विधायक जय राम महतो ने कहा कि यदि एसआईआर को लाना था तो लोकसभा चुनाव से पहले लाना चाहिए था। यदि लोकसभा चुनाव से पहले ही सघन मतदाता पुनरीक्षण किया जाता तो शायद आज इस तरह से हंगामा नहीं होता।

चुनाव आयोग एसआईआर लागू कर भाजपा को पहुंचा रही फायदा : राजेश कच्छप

कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप ने चुनाव आयोग व भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आयोग जबरन एसआईआर लागू कर भाजपा को फायदा पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड को वोटर कार्ड से लिंक कर देना चाहिए, क्योंकि आधार सबसे विश्वसनीय पहचान पत्र है, लेकिन आयोग उसे मान्यता नहीं दे रही।

राष्ट्रपति से प्रबुद्धजनों ने की शिष्टाचार भेंट

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड प्रवास के दौरान राजभवन में शहर के विभिन्न समाज और व्यापारिक संगठन के प्रबुद्धजनों ने झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष एवं समाजसेवी कुणाल अजमानी के नेतृत्व में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष के अलावा जैन, सीए, पटेल, मारवाड़ी, पंजाबी, गुजराती, साहू समाज सहित व्यापार एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए। राष्ट्रपति ने समाजिक विकास में समाज के विभिन्न वर्गों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सबकुछ सरकार नहीं कर सकती, समाज की सक्रिय भूमिका से ही व्यापक बदलाव संभव है। उन्होंने समाज द्वारा चलाए जा रहे अस्पताल, स्कूल, धर्मशालाओं जैसे कार्यों का विशेष उल्लेख किया और सुझाया कि उद्यमी और व्यापारी मिलकर एक गांव गोद लेकर उसे मॉडल गांव के रूप में विकसित करें। आवश्यकता पड़ने पर वे स्वयं इस पहल का उद्घाटन करने अवश्य आएंगी। राष्ट्रपति ने व्यापारी-उद्यमी समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि उद्यमी समाज रोजगार देने में बड़ी भूमिका निभाते हैं। एक व्यक्ति को रोजगार मिलने से आनेवाली कई पीढ़ियां अच्छे जीवनशैली से जुड़ती हैं। प्रतिनिधिमंडल में शामिल ब्लड मैन अतुल गेरा ने ब्लड डोनेशन के लिए स्पेशल एक्ट बनाने की आवश्यकता बताई, और कहा कि जनहित में कानून का प्रभावी किया जाना आवश्यक है जिसपर महामहिम ने उनके प्रयासों की सराहना की।

षष्ठम झारखंड विस के मॉनसून सत्र के पहले दिन झारखंड विधानसभा में विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो की अध्यक्षता में आयोजित कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में भाग लेते मुख्यमंत्री व अन्य।

नवजात के मौत पर बोले मंत्री इरफान अंसारी

मामला सत्य पाया गया तो होगी कठोर कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता

रांची। निजी अस्पातल में नवजात के मौत पर मामले में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर यह मामला सत्य पाया गया तो उस निजी अस्पताल संचालक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि हॉस्पिटल नॉम्स के अनुसार इलाज के लिए किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम में भर्ती मरीजों से मुलाकात के लिए हर दिन सुबह-शाम का समय निर्धारित है। अगर परिजनों को मरीज से मिलने नहीं दिया जा रहा था तो इसकी शिकायत हम से करनी चाहिए थी।

मामले में की जा रही जांच : सिटी एसपी

मामले पर सिटी एसपी ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज किया जा चूका है। जांच की जा रही है। वहीं सिटी एसपी ने कहा कि निजी अस्पतालों के संचालकों के साथ एक बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा होगी।

सरकार को विकास से कुछ भी लेना-देना नहीं : नवीन जायसवाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में शुक्रवार को भाजपा विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रवींद्र कुमार राय, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, पूर्व सीएम चंपाई सोरेन, विधायक एवं मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, सचेतक नागेंद्र महतो, विधायक नीरा यादव, मनोज यादव, सत्येंद्र तिवारी, आलोक चौरसिया, देवेंद्र कुंवर, अमित यादव, रोशनलाल चौधरी, उज्ज्वल दास, प्रदीप प्रसाद, पूर्णिमा दास साहू, मंजू कुमारी उपस्थित थे। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा के मुख्य सचेतक जायसवाल ने कहा कि पार्टी के विधायक दल की बैठक में राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सरकार को विकास से कुछ भी लेना-देना नहीं है। यह सरकार केवल नाम बदलने में विश्वास करती है। सत्ता मद में इतनी चूर है कि देश की एकता और अखंडता के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले महापुरुष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और राज्य के निमार्ता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर चल रही योजनाओं आदि का नाम बदलकर उन्हें अपमानित कर रही है। उन्होंने कहा कि यह उन महापुरुषों का अपमान नहीं, बल्कि देश और राज्य का अपमान है। नवीन जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार मदर टेरेसा के नाम पर कोई अन्य योजना शुरू कर सकती थी, लेकिन ये सरकार तुष्टीकरण में आकंठ डूबी है। इस सरकार की विकास यात्रा की कहानी मदरसा से टेरेसा तक जारी है। उन्होंने कहा कि इस माध्यम से सरकार गांव-देहात में चंगाई सभा के साथ मदर टेरेसा क्लीनिक के माध्यम से धर्मांतरण को बढ़ावा देना चाहती है। जायसवाल ने कहा कि इसके अलावा रिम्स 2 के बहाने यह सरकार किसानों पर कहर ढाना चाहती है। आज किसान अति वृष्टि से परेशान हैं। फसलें-सब्जी बर्बाद हो रही हैं, भदाई फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, पर सरकार निश्चिंत बैठी है। उनहोंने कहा कि सीआईडी जांच के बहाने सीजीएल परीक्षा के भ्रष्टाचार को छुपाने की कोशिश हो रही है।

कार्यक्रम

विश्व स्तनपान दिवस पर स्तनपान सप्ताह शुरू, बोले अभियान निदेशक

मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम व ईश्वरीय वरदान है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार है। मां का दूध ईश्वरीय वरदान है। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान के प्रेक्षागृह में शुक्रवार को कहीं। मौका था विश्व स्तनपान दिवस के अवसर पर राज्यस्तरीय स्तनपान सप्ताह कार्यक्रम के शुभारंभ की। श्री झा ने कहा की दुनिया के तमाम भोजन में पाए जाने वाले पोषक तत्व मां की दूध में है, इसलिए मां के दूध की तुलना किसी अन्य भोजन से नहीं किया जा सकता है।

निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएं डॉ सिद्धार्थ सान्याल ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता गर्भावस्था के दौरान ही महिलाओं को स्तनपान के फायदों से महिलाओं को अवगत कराएं। स्तनपान कराने से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा कम हो जाता है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी सर्दी-खासी और जुकाम जैसी समस्या होने पर माताएं स्तनपान कराना बंद कर देती है, जो गलत है।

रांची सदर अस्पताल के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ आर के जायसवाल ने कहा कि मां के दूध का कोई विकल्प नहीं है। शिशु के जन्म से छह माह तक सिर्फ और सिर्फ मां का दूध ही दिया जाना चाहिए। इसके अलावा छह माह तक पानी, घुट्टी या मधु देना गलत परम्परा है, जिसका पुरजोर तरीके से विरोध होना चाहिए।

मातृत्व कोषांग की राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ पुष्पा ने कहा कि स्तनपान शिशु का अधिकार है। माँ के दूध से शिशु में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होता है। उन्होंने कहा कि डब्बा बंद दूध से बच्चों में कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि माँ के साथ-साथ परिवार और समाज की भी जिम्मेदारी है कि माता को स्तनपान कराने के लिए अनुकुल वातावरण उपलब्ध कराए, जिससे वह निःसंकोच अपने वात्सल्य का प्रदर्शन कर सके।

शिशु स्वास्थ्य कोषांग के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ एल आर पाठक ने बताया कि एक से सात अगस्त 2025 तक स्तनपान सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिशु को छः माह तक स्तनपान करायें जाने की परंपरा में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन जन्म के एक घण्टे के अन्दर गाढ़ा पीला दूध पिलाने की परम्परा घट कर 21 प्रतिशत हो गया है, जो चिन्ता का विषय है।

जीवीआई अधीक्षक डॉ जेसीना ने कहा कि स्तनपान से शिशु और माँ के बीच भावनात्मक लगाव बढ़ता है। स्तनपान माता के मानसिक तनाव को कम करता है।

आईईसी के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ लाल माझी ने कहा कि स्तनपान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस वर्ष का थीम स्तनपान में निवेश-स्वस्थ राष्ट्र का संदेश है। श्री माझी ने स्तनपान कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए प्रचार प्रसार की भूमिका पर भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में डॉ कमलेश, डॉ अश्विनी, डॉ प्रदीप सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने अपने विचार रखें। कार्यक्रम का संचालन शिशु एवं पोषण परामर्शी रजनी ने किया। कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा स्तनपान विषय पर क्षेत्रीय भाषा नागपुरी में एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। कार्यक्रम मे कांके और नामकुम की सहिया ने स्तनपान जागरूकता में आने वाली परेशानियों, प्रश्नों और सुझावों के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकय मिंज, प्रशिक्षण परामार्शी सहित काफी संख्या में एनएचएम के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

न्यूज बॉक्स

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को रांची से प्रस्थान के पूर्व बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर स्मृति चिह्न प्रदान करते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार।

आईआईटी आईएसएम के शताब्दी वर्ष पर 'माई स्टैंप' का लोकार्पण

रांची/धनबाद। आईआईटी आईएसएम, धनबाद के 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा और 45वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर शुक्रवार को कस्टमाइज्ड 'माई स्टैंप' और विशेष डाक आवरण (स्पेशल कवर) का भव्य लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उनके साथ इस विशेष अवसर पर झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, संस्थान के चेयरमैन प्रो प्रेम भरत, निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा, पोस्टमास्टर जनरल (मेल्स एवं बिजनेस डवलपमेंट), पश्चिम बंगाल सुप्रियो घोष, निदेशक डाक सेवाएं, झारखंड आरवी चौधरी, डीडीएम (पीएलआई) अमित कुमार, तथा सहायक निदेशक (फिलैटली), डाक निदेशालय नई दिल्ली मनीष श्रीवास्तव उपस्थित थे। इस भव्य आयोजन में लगभग 2000 अधिकारी, संकाय सदस्य, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं अभिभावक शामिल हुए। इस अवसर पर जारी डाक टिकट एवं विशेष आवरण न केवल संस्थान की सौ वर्षों की गौरवगाथा को अभिव्यक्त करते हैं, बल्कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में इसके अद्वितीय योगदान को जनमानस तक पहुंचाते हैं। यह पहल डाक विभाग की ओर से न केवल एक फिलैटेलिक सम्मान है, बल्कि यह शिक्षा व नवाचार की विरासत को सुरक्षित रखने का एक ऐतिहासिक प्रयास भी है। यह सामग्री अब देशभर के डाक संग्रहकर्ताओं एवं नागरिकों के लिए उपलब्ध रहेगी।

कमल किशोर भगत ने झारखंड आंदोलन में निभाई अहम भूमिका : प्रवीण प्रभाकर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में झारखंड आंदोलनकारी एवं पूर्व विधायक स्व. कमल किशोर भगत की 57 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता महानगर वरीय उपाध्यक्ष बंटी यादव ने की। आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि स्व. कमल किशोर भगत ने झारखंड आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी और जनता में बेहद लोकप्रिय थे। उन्होंने कहा कि हमने हर मोर्चे पर साथ मिलकर संघर्ष किया। जब 1995 के बाद आजसू में बिखराव आया तो संगठन को स्व भगत ने थामे रखा। श्री प्रभाकर ने कहा कि 1999 में तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के साथ वार्ता में स्व. भगत भी शामिल थे। आज कमल किशोर भगत हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका संघर्ष और सपना हमारे दिलों में जीवित है। आजसू पार्टी कोई साधारण संगठन नहीं, बल्कि एक विशाल वटवृक्ष है, जिसकी जड़ें आंदोलनों की गहराई में हैं। श्री प्रभाकर ने कहा कि हम सभी संकल्प लेते हैं कि कमल किशोर भगत के विचारों और संघर्ष को कभी मरने नहीं देंगे। सभा की शुरुआत में स्व. कमल किशोर भगत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण किया गया। केंद्रीय महासचिव संजय मेहता ने कहा कि स्व. कमल किशोर भगत ने झारखंड गठन में भूमिका निभाई और लोहरदगा के विधायक के रूप में लगातार संघर्षरत रहे। बंटी यादव ने कहा कि वह स्व भगत के प्रेरणादायी नेतृत्व से प्रभावित होकर आजसू में आए थे। कार्यक्रम में हरीश कुमार, बबलू महतो, रमेश गुप्ता, आशीष पाठक, पूतुल यादव, मनोज ठाकुर, संजय वर्मा, अभिषेक नायक, सौरव समीर, रवि कुमार आदि उपस्थित थे।

नियोजन नीति को लेकर सरकार वादा खिलाफी कर रही है : राजेंद्र प्रसाद

रांची। झारखंड आंदोलनकारी व मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि बिहार के छात्रों की मांग जायज है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि उनकी सरकार बनेगी तो वे स्थानीय और नियोजन नीति को 1932 के आधार पर खतियान आधारित स्थानीयता व नियोजन नीति बनाएंगे, लेकिन अब तक नियोजन नीति और स्थानीय नीति नहीं बनाकर वादा खिलाफी कर रही है। प्रसाद ने यह भी कहा कि 1932 का खतियान व्यावहारिक नहीं है, क्योंकि अंतिम सर्वे 1964 में हुआ है, इसलिए सरकार 1964 के आधार पर खतियान आधारित नीयोजन नीति यथाशीघ्र बनाए। प्रसाद ने बताया कि जब 1932 के आधार पर स्थानीय नीति बनाने की मांग को लेकर मूलवासी सदान और आदिवासी आंदोलित थे, तब वैसे जिलों से उन्हें फोन आते थे यह कहकर कि 1932 में उनके जिलों में सर्वे नहीं हो पाया है। इसके बाद ही आदिवासी और मूलवासी सदानों के बुद्धिजीवियों के साथ बैठक कर अंतिम सर्वे 1964 के आधार पर नियोजन नीति और स्थानीय नीति को बनाने पर सहमति बनी थी। प्रसाद ने कहा कि बिहार के छात्रों ने आज 90-95 प्रतिशत बिहार के अभ्यर्थियों को ही नौकरी देने की मांग को लेकर आज पटना में प्रदर्शन किया है, जिसका उन्होंने समर्थन किया है। तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नौकरी राज्य के लोगों को मिलनी ही चाहिए। प्रसाद ने कहा कि हम झारखंड में इसी मांग को लेकर 25 वर्षों से आंदोलन कर रहे हैं, जिससे कुछ लोगों को पेट में दर्द हो रहा था। लेकिन, आज बिहार में भी नियोजन नीति को लेकर छात्र पटना के सड़कों पर हैं। अध्यक्ष ने कहा कि झारखंड सरकार अंतिम सर्वे 1964 के आधार पर स्थानीय नीति और नियोजन नीति तुरंत बनाए।

आदिवासी महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव ने की बैठक

झारखंड की समृद्ध गरिमा व तकनीक से सजेगा मंच

नवीन मेल संवाददाता। रांची

- **9 से 11 अगस्त तक होगा आदिवासी महोत्सव**
- **महोत्सव में झारखंड की संस्कृति, परंपरा को दर्शाया जाएगा**
- **महोत्सव में आदिवासी अस्मिता और आधुनिक झारखंड की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत की जाएगी**

राजधानी रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन के मुख्य सचिव सभागार में आज 9 से 11 अगस्त तक होने वाले आदिवासी महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य सचिव अलका तिवारी ने की। बैठक में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के विशेष सचिव राजीव लोचन बख्शी ने महोत्सव की तैयारियों की विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में बताया गया कि राजधानी रांची सहित अन्य जिलों में आकर्षक 'सेल्फी प्वाइंट' बनाए जाएंगे, जो युवाओं और पर्यटकों के बीच महोत्सव की लोकप्रियता को और बढ़ाएंगे। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी महोत्सव के दौरान लगाए जाएंगे, जिससे लोगों को सीधे लाभ मिलेगा।

महोत्सव के तहत फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें झारखंड के स्थानीय कलाकारों द्वारा निर्मित फिल्मों का प्रदर्शन होगा। साथ ही, फूड डिस्ट्रीब्यूशन की व्यवस्था को भी सुदृढ़ और सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सभी आगंतुकों को बेहतर सुविधा मिल सके।

महोत्सव स्थल तक आने वाले पाथवे को आदिवासी संस्कृति की झलकियों से सजाया जाएगा, जिससे आगंतुकों को झारखंड की समृद्ध विरासत का अनुभव हो सके। इसके अतिरिक्त, मीडिया सेंटर की स्थापना, झारखंडी व्यंजन स्टॉल, ड्रोन शो, लेजर शो और आदिवासी परिधान शो सहित कई नवाचारों को महोत्सव का हिस्सा बनाया जाएगा। इस वर्ष महोत्सव की एक विशेष उपलब्धि यह होगी कि पहली बार भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास, संपत सरल सहित अन्य राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय कवि शामिल होने की संभावना है।

भव्यता पूर्ण होगा रीझ-रंग रसिका

32 जनजातीय कलाकारों द्वारा रीझ रंग रसिका का आयोजन भव्यता पूर्ण तरीके से किया जाएगा। झांकी के माध्यम से झारखंड की समृद्ध आदिवासी कला संस्कृति को प्रदर्शित करते हुए रीझ रंग रसिका का प्रदर्शन विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए कार्यक्रम स्थल तक संपन्न होगा। बैठक में सुरक्षा और पार्किंग की व्यवस्था पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने सभी विभागों को समन्वय स्थापित कर कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री, पुलिस उपमहानिरीक्षक सह वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, नगर निगम आयुक्त सुशांत गौरव, उप विकास आयुक्त सौरभ भुवानिया, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, कला संस्कृति विभाग, टीआरआई सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

रांची में मंईयां सम्मान योजना में जून माह की राशि का हुआ भुगतान

» शेष सुयोग्य लाभुकों को भौतिक सत्यापन के बाद शीघ्र मिलेगा लाभ » स्वीकृत आवेदन वालों को बैंक खाते से आधार सीडिंग कराना अनिवार्य

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत रांची जिले के कुल 3,85,751 लाभुकों को जून माह की सम्मान राशि (2500 रुपए प्रति लाभुक) का सीधे उनके बैंक खातों में आधार-बेस्ड भुगतान कर दिया गया है। इस संबंध में छियानबे करोड़ तैंतालीस लाख सतहत्तर हजार पांच सौ रुपए की राशि अंतरण की गई है। साथ ही, योजना अंतर्गत जिले के लाभुकों को मई महीने के दूसरे चरण की सम्मान राशि का भी भुगतान किया गया है। द्वितीय चरण में 74 हजार 534 लाभुकों के खाते में 18 करोड़ 63 लाख 35 हजार का भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी और सम्मानित जीवन देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसके अंतर्गत लाभुक महिलाओं को हर माह 2500 रुपए की सम्मान राशि प्रदान की जाती है।

जिन लाभुकों का आवेदन स्वीकृत हो चुका है लेकिन उनके बैंक खाते आधार से लिंक नहीं हैं, वैसे लाभुकों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी लंबित लाभुकों से शीघ्र आधार सीडिंग कराने की अपील की है, ताकि उन्हें यथाशीघ्र योजना का लाभ मिल सके। वर्तमान में जिला स्तर पर लाभुकों का भौतिक सत्यापन कार्य भी तीव्र गति से जारी है। सत्यापन उपरांत योग्य पाए गए लाभुकों को भी योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा। जिन लाभुकों का भौतिक सत्यापन अब तक नहीं हो पाया है, वे आंगनबाड़ी सेविका से संपर्क कर सत्यापन प्रपत्र प्राप्त करें और आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें योजना का लाभ मिल पाएगा।

मंईयां सम्मान योजना के अंतर्गत मई महीने के द्वितीय चरण में लाभुकों की संख्या

1. अनगड़ा	2817
2. अरगोड़ा शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	2307
3. बड़गाईं शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	1767
4. बेड़ो	4300
5. बुंडू	1732
6. बुंडू नगर पंचायत	693
7. बुढ़मू	3188
8. चान्हो	3656
9. हेहल शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	3296
10. इटकी	2057
11. कांके	4945
12. कांके शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	348
13. खलारी	2103
14. लापुंग	2629
15. मांडर	4276
16. नगड़ी	3633
17. नगड़ी शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	1363
18. नामकुम	3532
19. नामकुम शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	2385
20. ओरमांझी	3149
21. राहे	1722
22. रातू	3734
23. सिल्ली	4381
24. सोनाहातू	2077
25. तमाड़	3778
26. सदर शहरी क्षेत्र (नगर निगम)	4666

प्रखंड एवं शहरी क्षेत्र के लाभुकों की संख्या (जून 2025 माह के लिए)

1. अनगड़ा	16,437
2. अरगोड़ा (नगर निगम)	11,878
3. बड़गाईं (नगर निगम)	8,901
4. बेड़ो	20,564
5. बुंडू	8,469
6. बुंडू नगर पंचायत	3,416
7. बुढ़मू	17,599
8. चान्हो	19,676
9. हेहल (नगर निगम)	15,117
10. इटकी	10,446
11. कांके	31,460
12. कांके (नगर निगम)	1,289
13. खलारी	9,653
14. लापुंग	11,201
15. मांडर	23,249
16. नगड़ी	17,632
17. नगड़ी (नगर निगम)	7,428
18. नामकुम	17,646
19. नामकुम (नगर निगम)	8,342
20. ओरमांझी	18,121
21. राहे	9,513
22. रातू	18,424
23. सिल्ली	21,164
24. सोनाहातू	12,793
25. तमाड़	18,452
26. सदर (नगर निगम)	26,881

निजी अस्पताल में नवजात की मौत पर उपायुक्त ने दिए जांच के आदेश

नवीन मेल संवाददाता। रांची

- **जांच समिति गठित, लापरवाही या दोष सिद्ध होने पर नियमसंगत कठोर कार्रवाई होगी**
- **अरगोड़ा के निजी अस्पताल में बच्चे की मौत के बाद भी वेंटिलेटर पर रखने का मामला**

राजधानी रांची के अरगोड़ा स्थित निजी अस्पताल में नवजात की मृत्यु के बाद भी वेंटिलेटर पर रखने के परिजनों के आरोप को जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। समाचार माध्यमों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, नवजात को कथित रूप से उसकी मृत्यु के बाद भी वेंटिलेटर पर रखा गया था।

इस मामले को संज्ञान में लेते हुए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रांची मंजूनाथ भजंत्री ने विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। उनके आदेश पर एक जांच समिति का गठन किया गया है, जिसमें कार्यपालक दंडाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम शामिल है।यह जांच समिति विभिन्न बिंदुओं पर जांच करेगी। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच के उपरांत अस्पताल प्रबंधन या संबंधित किसी भी व्यक्ति की लापरवाही या दोष सिद्ध होता है, तो उनके विरुद्ध नियमसंगत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

श्री श्याम भवन के द्वितीय तल का उद्घाटन कल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा निर्मित हरमू रोड के श्री श्याम उपासना भवन (श्री श्याम मंदिर) के द्वितीय तल का उद्घाटन रविवार को दिन में 10:45 बजे होगा। इसके पूर्व, प्रातः 08:45 बजे से द्वितीय तल पर श्री शालिग्राम पूजन व श्री सत्यनारायण कथा का आयोजन होगा। मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया कथा अनुष्ठान के यजमानश्री रहेंगे। कथा के बाद दिन में 10:45 बजे द्वितीय तल का उद्घाटन मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी एवं महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया करेंगे। सभी कार्यक्रम द्वितीय तल पर किया जाएगा। इस अवसर पर मंदिर में विराजमान सभी देवी-देवता का विशेष श्रृंगार करके द्वितीय तल को भी फूलों से सजाया जाएगा। उद्घाटन समारोह की तैयारी चल रही है। आज श्री श्याम भंडारा : शनिवार को सांय 5:00 बजे से श्री श्याम मित्र मंडल में 165वां श्री श्याम भंडारा होगा। मनीषा अग्रवाल एवं मनोज अग्रवाल अपने परिजनों के साथ भंडारे की सेवा निवेदित करेंगे।

- **श्री शालिग्राम पूजन व श्री सत्यनारायण कथा का भी होगा आयोजन**

कल होगी श्री श्याम मित्र मंडल की आम सभा

श्री श्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि रविवार (03 अगस्त) को दिन में 11:00 बजे से श्री श्याम उपासना भवन (श्री श्याम मंदिर) के प्रथम तल्ले पर स्थित मंडल के सभागार में मंडल के सभी सदस्यों की बैठक होगी। इसमें सत्र 2025-27 के लिए निर्विरोध निर्वाचित होने वाले नए पदाधिकारियो व कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के नामों की घोषणा की जाएगी। महामंत्री सह चुनाव पदाधिकारी विश्वनाथ नारसरिया ने सभी सदस्यों से बैठक में आने का आग्रह किया है।

कार्तिक उरांव फ्लाईओवर में बत्ती गुल

पूजा पंडालों के लिए आर्थिक सहायता की मांग

रांची। महावीर मंडल के पूर्व मंत्री शंकर प्रसाद ने सरकार से दुर्गा पूजा के दौरान अल्पसंख्यक हिंदू क्षेत्र में बनने वाले पूजा पंडालों के लिए आर्थिक सहायता की मांग की है। साथ ही पूजा पंडालों की सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। बताया कि झारखंड सरकार ने सभी पूजा पंडालों में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया है, जिनमें कृत्रिम प्रकाश, अग्निशामक यंत्र और जेनरेटर शामिल हैं।

गिरीश अग्रवाल सावन किंग एवं नताशा साहू सावन क्वीन बनीं

- **रोटरी क्लब ऑफ रांची के 'सावन हंगामा' में जमकर हुई मस्ती**

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रोटरी क्लब ऑफ रांची के तत्वावधान में आरकेएन शाहदेव रोटरी हॉल में शुक्रवार को 'सावन हंगामा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब ऑफ रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने की। गिरीश अग्रवाल सावन किंग एवं नताशा साहू सावन क्वीन चुनी गईं। हरियाली के इस मौसम में मस्ती, संगीत और मिलन की अनोखी छटा बिखरी, जहां क्लब के सदस्यों व परिवारजनों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का थीम ग्रीन और पिंक रखा गया था और सभी ने एथनिक परिधान में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में महिलाओं की ओर से धमाकेदार ग्रुप डांस, बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम, सदस्यों द्वारा मनोरंजक रील शो, हंसी-ठिठोली से भरे कपल गेम्स, शानदार रैंप वॉक शो थे। इस अवसर पर अजय एवं पूनम छाबड़ा, जोगेश एवं मंजू गंभीर, राजीव एवं कांता मोदी, मुकेश एवं भावना तनेजा, नरेंद्र एवं शशि मखीजा, गौरव एवं नेहा प्रशांत, जगदीप एवं ऋचा, गिरीश एवं श्वेता तथा अमित एवं रश्मि अग्रवाल ने रैंप वाक कर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में पुरुषों को अपनी पत्नी के हाथों में मेहंदी लगाने की प्रतिस्पर्धा में अनुराग गुप्ता एवं शिखा गुप्ता विजेता रहे।

डेढ़ महीने से स्ट्रीट लाइट है खराब

मनोज मिश्रा

रांची। राजधानी में प्रतिदिन लाखों लोगों का आवागमन होता है, कई लोगों का रूट मेकॉन चौक से सिरम टोली का रहता है। सिरम टोली से मेकॉन चौक लोगों को घूम कर जाना पड़ता था और ट्रैफिक जाम की बाधा को पार करना होता था। राज्य सरकार ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लिया और कार्तिक उरांव फ्लाईओवर का निर्माण किया जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्वयं किया । 355.76 करोड़ रुपए की लागत से बने 2.34 किलोमीटर लंबे सिरम टोली और मेकॉन चौक के बीच की दूरी 4 से 5 मिनट की हो गई जिससे लोगों को काफी सहूलियत हुई और सरकार की इस योजना को सराहा गया।

लगभग डेढ़ महीने पहले शुरू हुए कार्तिक उरांव फ्लाईओवर में पिछले कई हफ्तों से बत्ती गुल है। सिरम टोली चौक से निवारणपुर तक फ्लाईओवर की स्ट्रीट लाइट और सर्विस रोड की स्ट्रीट लाइट दोनों बंद पड़े हैं, वहीं मेकॉन चौक से आधे सिरम टोली फ्लाईओवर तक और सर्विस रोड में स्ट्रीट लाइट बंद होना चर्चा का विषय बना हुआ है। लोगों का कहना है कि महीनों से स्ट्रीट लाइट बंद पड़े हैं जिससे दुर्घटना की संभावना बनती है वहीं आपराधिक घटना होने की संभावना प्रबल होती है। एक महीने में ही इतने बड़े प्रोजेक्ट का हाल बेहाल हो जाएगा ऐसा किसी ने सोचा नहीं था। वहीं अन्य लोगों का मानना है कि राज्य सरकार तक बात पहुंचेगी तो समस्या का शीघ्र समाधान होगा और स्ट्रीट लाइट जल उठेंगे।

47 साल पुराने जर्जर भवन में पढ़ाई कर रहे हैं रामवि डकरा के 215 बच्चे

● छह कमरों में संचालित हो रही है आठ कक्षाओं की पढ़ाई

नवीन मेल संवाददाता

खलारी। रांची जिले के खलारी प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय डकरा (जीएमएस डकरा) के 215 बच्चे पिछले 47 वर्षों से जर्जर भवन में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। वर्ष 1978 में सीसीएल द्वारा निर्मित इस विद्यालय भवन को 1982 में तत्कालीन बिहार सरकार को हस्तांतरित कर दिया गया था। तब से अब तक भवन की स्थिति लगातार खराब होती गई, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हो सकी। विद्यालय में कुल 23 कमरे हैं, लेकिन जर्जर हालत के कारण इनमें से महज छह कमरों में ही पढ़ाई संभव हो पा रही है। शेष कमरे इतने खस्ताहाल हैं कि उनमें बैठना भी जोखिम से खाली नहीं है। वर्ष 2021-22 में मरम्मत किए गए इन छह कमरों में ही कक्षा एक से आठ तक की पढ़ाई चल रही है। सीमित कक्षाओं के कारण कक्षा एक से चार तक के दो-दो वर्ग एक ही कमरे में पढ़ाए जाते हैं।

करीब दस साल पूर्व सर्व शिक्षा अभियान के तहत दो नए कमरों का निर्माण कराया गया था, जिनमें सीसीएल सीएसआर के माध्यम से प्रदत्त एक दर्जन कंप्यूटर लगाए गए हैं। इन्हीं कमरों में लाइब्रेरी, मुस्कान टीवी, संपर्क टीवी और प्रधानाध्यापक कार्यालय भी संचालित हो रहा है। विद्यालय की चाहरदीवारी भी पूरी नहीं बनी है। भवन की दीवारें ही चारों ओर की घेराबंदी का काम कर रही हैं। केवल प्रवेश द्वार की ओर सीमित दीवार बनी है। पश्चिम दिशा में स्थित डकरा स्टेडियम की ऊंचाई इतनी है कि अवकाश के बाद असामाजिक तत्व विद्यालय परिसर में प्रवेश कर जाते हैं। चोरी की घटनाएं भी पूर्व में हो चुकी हैं। सुरक्षा दृष्टिकोण से विद्यालय को पूर्ण चाहरदीवारी की सख्त जरूरत है।

प्रस्ताव भेजा गया, लेकिन स्वीकृति अब तक लंबित

विद्यालय खलारी प्रखंड के चूरी मध्य पंचायत में अवस्थित है। पंचायत की मुखिया सुनीता देवी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित कर डीएमएफटी (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट) मद से कक्षा निर्माण की योजना जिला कार्यालय को भेजी गई थी, परंतु अभी तक योजना स्वीकृत नहीं हो पाई है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक आदर्श वाजपेयी ने बताया कि नए भवन निर्माण के लिए पंचायत, सीसीएल एनके एरिया के महाप्रबंधक और संबंधित विभागों को कई बार पत्राचार किया गया है, लेकिन कहीं से कोई ठोस पहल नहीं हुई।

ग्राम सभा के अधिकार व जिम्मेदारी पर कार्यशाला

चान्हो। प्रखंड में पंचायती राज विभाग द्वारा प्रखंड स्तरीय अनुसूचित क्षेत्र में ग्राम सभा के अधिकार एवं जिम्मेदारी विषय पर शुक्रवार को दो दिवसीय कार्यशाला का शुरुआत किया गया। इस कार्यशाला में अनुसूचित क्षेत्र में ग्राम सभा के अधिकार एवं जिम्मेदारी पर विशेष जानकारी पंचायत के जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया जा रहा है, ताकि अपने पेसा क्षेत्र में पेसा के नियम के तहत ग्राम सभा को सशक्त बनाया जा सके। साथ ही ग्राम सभा के अधिकारों के तहत ग्राम प्रधान को भी अपने अधिकारों से अवगत कराया जा सके। कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड प्रमुख होलिका देवी के द्वारा किया गया।

मांडर में तीन सड़क दुर्घटनाएं, छह युवक घायल

मांडर। थाना क्षेत्र में शुक्रवार को तीन अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें छह युवक घायल हो गए। घायलों को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है। पहली दुर्घटना ब्राम्बे के निकट दो बाइक की टक्कर में दो युवक घायल हो गए। दूसरी दुर्घटना मुड़मा चौक के निकट बाइक और स्कूटी की टक्कर में तीन युवक घायल हो गए।

डीपीएस में दो दिवसीय ह्यूमैनिटीज़ फेस्ट 'द-आरोहण' का आयोजन

ऐसा मंच समकालीन मुद्दों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देता है : डीआईजी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल ने शुक्रवार व को दो दिवसीय ह्यूमैनिटीज़ फेस्ट 'द-आरोहण' का भव्य आयोजन किया है जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को उजागर करना है। इस आयोजन में छात्रों ने समाज, शासन, मीडिया और इतिहास की गहरी समझ को सृजनात्मक रूप से प्रस्तुत किया। इस प्रतियोगिता में 20 विद्यालयों के 350 से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई।

समारोह के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि डीआईजी (पी) सुरेंद्र कुमार झा थे। मौके पर उन्होंने कहा कि डीपीएस के छात्रों की ऊर्जा और बौद्धिक चमक को देखकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। 'द-आरोहण' केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जो विश्लेषणात्मक सोच, उत्तरदायित्वपूर्ण नागरिकता और समकालीन मुद्दों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देता है। आज के दौर में जब शिक्षा बहुविषयक होती जा रही है, ऐसे मंच छात्रों को संवेदनशील, जागरूक और सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। 'द-आरोहण' की व्यापकता, व्यावसायिकता और पूर्णतः छात्र-नेतृत्व वाली कार्यप्रणाली ने मुझे अत्यंत प्रभावित किया है। यह प्रतियोगिता यह सिद्ध करता है कि ह्यूमैनिटीज़ की शिक्षा कैसे रचनात्मक, संवेदनशील और अभिव्यक्तिपूर्ण युवाओं को गढ़ सकती है। मैं विद्यालय के प्रयास की सराहना करता हूं।

2 अगस्त 2025 को समापन समारोह के दौरान सभी विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा, जिससे यह उत्सव प्रेरणा और गौरव के साथ संपन्न होगा।

प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन विभिन्न क्षेत्रों से आए विशेषज्ञों की एक विशिष्ट निर्णायक मंडली द्वारा किया गया। इस पैनल में डॉ. राणा प्रियंशु राज (रिम्स, रांची), डॉ. सायंतनी बनर्जी, डॉ. दीक्षा वर्मा और अदिति सिंह शर्मा (एमिटी यूनिवर्सिटी, झारखंड), ओम शरण सिंह (डिज़ाइन कंसल्टेंट), नयन शौर्य (फाइन आर्ट्स फ़ोटोग्राफ़र) और अशुतोष (सॉफ्ट स्किल्स ट्रेनर, डीपीएस रांची) शामिल थे। साथ ही, डीपीएस रांची की पूर्व छात्रा अनीशा अरोड़ा, पूर्व छात्र अंशुमन पांडे और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से सार्थक कुमार ने भी निर्णायक के रूप में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मानविकी शिक्षा समग्र विकास की आत्मा है : डॉ जया

विद्यालय प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा कि डीपीएस में हम मानते हैं कि मानविकी शिक्षा समग्र विकास की आत्मा है। 'द-आरोहणस हमारे उन विषयों को समर्पित है जो हमें समाज, शासन, मीडिया और संस्कृति की गहराई से समझ देते हैं। सबसे विशेष बात यह है कि इस पूरे आयोजन की रूपरेखा, संचालन, मीडिया, फोटोग्राफी – सब कुछ हमारे छात्रों द्वारा किया गया है। यह अनुभव न केवल उनमें आत्मविश्वास पैदा करता है, बल्कि उन्हें वास्तविक जीवन के लिए भी तैयार करता है। मैं हर छात्र पर गर्व करती हूँ और हमारे सम्माननीय अतिथि व मार्गदर्शकों का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं।" 'द-आरोहण' की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसका सम्पूर्ण संचालन छात्रों द्वारा किया गया। योजना से लेकर लॉजिस्टिक्स, मीडिया कवरेज, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और कंटेंट निर्माण तक – हर जिम्मेदारी को डीपीएस रांची के छात्रों ने कुशलता से निभाया। इस अनुभव ने उनकी नेतृत्व क्षमता, टीम वर्क, संवाद कौशल और समस्या समाधान की योग्यता को निखारा।

बीआरपी शाहीन अख्तर को डीएसई ने किया सम्मानित

सेवानिवृत्ति के बाद सेवाकाल के अनुभवों को शेयर करना चाहिए : डीएसई

खबर का असर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में बेड़ो प्रखंड संसाधन केंद्र की सेवानिवृत्त बीआरपी शाहीन अख्तर को उनकी सेवानिवृत्ति पर उन्हें सम्मानित किया। बीआरपी शाहीन अख्तर को रांची के जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो, बुके और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अपने बीस वर्षों के बेहतर कार्य एवं दायित्व को नजदीकी विद्यालयों के बीच शेयर करें और सेवानिवृत्ति के बाद भी अपने अनुभवों से शिक्षा जगत को लाभ प्रदान करें। इससे स्कूल के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं प्रेरित होंगे और बेहतर कार्य करेंगे। बीआरपी शाहीन अख्तर को दिए गए सम्मान की रांची जिले के सभी बीआरपी-सीआरपी ने भूरी भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि डीएसई सर ने हम सभी का मान बढ़ाया है। रांची जिले के बीआरपी सीआरपी ने कहा कि ऐसी ही परिपाटी बननी चाहिए और जो बीआरपी सीआरपी सेवा निवृत्त हों उन्हें डीएसई सर के द्वारा निरंतर सम्मानित किया जाना चाहिए। ताकि बीआरपी सीआरपी भी गर्व महसूस कर सकें। उल्लेखनीय है कि शाहीन अख्तर 6 सितंबर 2005 से 31 जुलाई 2025 तक 20 सालो तक बेडो. क्षेत्र के शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार में अपना अपेक्षित सहयोग दिया। इस मौके पर बीपीओ विकास भूषण, लाल सच्चिदानन्द शाहदेव सहित कई लोग मौके पर मौजूद थे।

पिक्टोरियल फोटोग्राफी में नरेश अग्रवाल को पुरस्कार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। नरेश अग्रवाल उभरते हुए छायाकर हैं जो ग्रामीण क्षेत्र के जनजीवन एवं वहां की खूबसूरती को कैमरे से कैद कर दुनिया के सामने लाते हैं। उनकी तस्वीरें भारत ही नहीं विदेशों में भी पसंद की जाती हैं । हाल ही में इंदौर के मालवा इंटरनेशनल सेलून में जिसमें कि 35 देश के प्रतिभागियों ने भाग लिया था, उनकी दो तस्वीरें प्रदर्शनी के लिए स्वीकृत की गई हैं । एक दूसरे भारतीय स्तर के सेलून आर्टिस्टिक नेशनल सेलून 2025 में रंगीन तस्वीरों के ग्रुप में पहला स्थान प्राप्त हुआ तथा अन्य दो तस्वीरें प्रदर्शनी के लिए भी स्वीकृत की गईं।

विख्यात फेसबुक ग्रुप विजुअल स्ट्रीट फोटोग्राफी की एडमिन वेलेंटाइन डीमातो ने इन्हें "फोटोग्राफर ऑफ दी मंथ" घोषित किया है। ये ग्रामीण जीवन की दिनचर्या, उनके रहन-सहन, काम करने के तरीके, खेती-बाड़ी आदि के सौंदर्य को जीते जागते स्वरूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करते हैं। इन्होंने सबर जाति जो कि बेहद पुरानी आदिम जनजाति कही जाती हैं पर विशेष काम किया है। उनकी तस्वीरों के, लुभाने वाले स्वरूप को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है ।

इनके पास ग्रामीण जीवन की असंख्य तस्वीरें संग्रहित हैं जिन्हें पुस्तक का आकार देने के इच्छुक हैं ।इनका कार्य क्षेत्र झारखंड के अलावा बंगाल और उड़ीसा की पृष्ठभूमि से है। स्ट्रीट फोटोग्राफी में भी इनको महारत हासिल है। उनके काम को देखते हुए आगे भी ऐसे ही अनेकों पुरस्कार मिलने की संभावना बनी हुई है।

बारिश से कच्चा घर गिरा एक महिला घायल

बेड़ो। बेड़ो बस्ती में जीतन देवी पति धौवा महली का कच्चा घर शुक्रवार को दिन के 11:30 अचानक भरभराकर गिर गया। जिससे घर में मौजूद 30 वर्षीया महिला जीतन देवी घायल हो गई। उसे तत्काल पंचायत समिति सदस्य राखी भगत एवं शशी टाईगर की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। उसके घर में उसके चार छोटे छोटे बच्चे हैं जिनमें मनकुंवर, राजकुंवर, धर्म कुमार, कर्मा कुमार शामिल हैं। घटना के दौरान चारों बच्चे घर से बाहर थे जिसके कारण उनकी जान बच गई। लगातार हो रही बारिश के कारण जीतन देवी का घर गिर गया। सूचना मिलने पर राखी भगत एवं शशी टाईगर घटनास्थल पहुंचे और घायल महिला को अस्पताल भेजा।

टांगरकेला से नरसिंह मंदिर तक आज जलाभिषेक यात्रा निकाली जाएगी

लापुंग । लापुंग प्रखंड के टांगरकेला गांव में सनातनियों की बैठक रामचंद्र साहु की अध्यक्षता आयोजित कर आगामी चार अगस्त को आखिरी सोमवारी के मौके पर भव्य जलाभिषेक यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। जलाभिषेक यात्रा टांगरकेला बाजार टांड़ से नरसिंह मंदिर तक निकाली जाएगी। इस मौके पर निर्णय लिया गया कि जलाभिषेक यात्रा का शुभारंभ थाना प्रभारी अभिषेक कुमार द्वारा करायी जाएगी जिसे लेकर उन्हें आमंत्रित करने का फैसला लिया गया। बैठक में उपस्थित सतीश साहु, बिरेंद्र साहु, रमेश कुमार साहु, हलकु महतो, कैलाश साहु लालमोहन साहु, दिनेश साहू चमरा साहु मौजूद थे वहीं महिलाओं में वैजयन्ती देवी, नीलम देवी, आरती देवी, अनामिका देवी सुमन्ती देवी शीलवन्ती देवी, चन्दानी देवी आदि मौके पर मौजूद थे।

सावन महोत्सव भक्ति जागरण आज

खलारी। खलारी के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर परिसर में आज की शाम 'सावन महोत्सव भक्ति जागरण' का भव्य आयोजन किया जाएगा। भक्ति जागरण के लिए धनबाद की प्रसिद्ध 'पांडेय जागरण मंडली' खलारी पहुंच रही है। इस मंडली के साथ महुआ चैनल के लोकप्रिय गायक धीरज पांडेय और गायिका स्वीटी बंसल अपनी प्रस्तुतियां देंगी। राजू हलचल द्वारा विशेष धार्मिक झांकी की प्रस्तुति भी कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र रहेगी। कार्यक्रम शनिवार की शाम 6 बजे से शुरू होकर देर रात तक चलेगा। श्रद्धालुओं के लिए वाटरप्रूफ पंडाल और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है।

स्वामी सदानंद जी महाराज का 81वां जन्मोत्सव मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग में ट्रस्ट के संस्थापक परमहंस श्री श्री 108 स्वामी सदानंद महाराज जी का 81वां जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। स्वामी जी के 81वें अवतरण दिवस की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति स्वरूप 81 दीपों का आयोजन किया गया, जिसे श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में एक साथ प्रज्ज्वलित किया। दीपमालिका की रोशनी ने पूरे मंदिर क्षेत्र को भक्तिमय प्रकाश से आलोकित कर दिया।कार्यक्रम की शुरुआत ध्वनि वंदन एवं मंगलाचरण से हुई, जिसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ। इस अवसर पर ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी एवं सज्जन पाड़िया ने कई मधुर और मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने कहा कि स्वामी सदानंद महाराज जी का जीवन त्याग, सेवा और मानव कल्याण को समर्पित रहा है। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि स्वामी जी का जन्मोत्सव का यह आयोजन भक्तों के लिए एक आध्यात्मिक ऊर्जा और मानव सेवा के संकल्प से परिपूर्ण अवसर बन गया। इस अवसर पर-डुंगरमल अग्रवाल, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,मनोज कुमार चौधरी, सज्जन पाड़िया,निर्मल छावनिका,नन्द किशोर चौधरी, शिव भगवान अग्रवाल, पूरणमल सर्राफ, सुरेश चौधरी, आशा सिंह, बिमला मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित थे।

निराश्रित बच्चों का आधार पंजीकरण करना है उद्देश्य : सादिक अली

● डालसा का बुढ़मू प्रखंड के उमेडंडा पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

रांची । डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में शुक्रवार को बुढ़मू प्रखंड के उमेडंडा पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बुढ़मू प्रखंड में कार्यरत पीएलवी सादिक अली, अनिल ठाकुर, बंधु उरांव, दीपक मुंडा, संजु कुमारी, काजल कुमारी एवं अन्य उपस्थित थे। जागरूकता कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए पीएलवी सादिक अली ने नालसा द्वारा संचालित साथी अभियान पर फोकस किया कहा कि साथी अभियान के तहत निराश्रित बच्चों को चिन्हित कर आधार-पहचान किया जा रहा है। अनिल ठाकुर व बंधु उरांव ने डॉन अभियान के तहत नशा उन्मूलन पर फोकस किया कहा कि नशा हमारे जीवन को नष्ट कर देता है। दीपक मुंडा ने आशा व जागृति अभियान पर फोकस किया। पीएलवी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं एवं मानव तस्करी तथा नशा उन्मूलन पर प्रकाश डाला।

पीएलवी सादिक अली व काजल कुमारी ने प्री-लिटिगेशन मुकदमा दर्ज कराने, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, असंगठित मजदूरों का निबंधन, आयुष्मान भारत योजना के गोल्डन कार्ड, बाल श्रम एवं बाल अधिकार के बारे में जानकारी दी। यह भी ज्ञात हो कि डालसा, रांची के पीएलवी ने आगामी 13 सितम्बर को आयोजित होनेवाले लोक अदालत पर प्रकाशा डाला उन्होंने कहा कि वादकारी उक्त तिथि को अपने वादों का निस्तारण निःशुल्क करा सकते है। इससे समय व धन की बचत होगी।

न्यूज बॉक्स

विशेष कराटे प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

रांची। शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के तत्वावधान में डांगरा टोली स्थित कराटे सेंटर में विशेष कराटे प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें उस क्लब के कारटेकरों को शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के मुख्य कराटे प्रशिक्षक एवम् मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर हँसी मानस सिन्हा द्वारा सेल्फ डिफेंस एवम् बेसिक का प्रशिक्षण दिया गया साथ ही साथ बेल्ट ग्रेडेशन में उत्तीर्ण होने वाले कराटेकार को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर कराटे प्रशिक्षण के सेल्फ डिफेंस में शिहान संजय मिश्रा ने सहयोग किए।

1.65 करोड़ का अवैध डोडा बरामद

खंटी। जिला पुलिस ने नशे के कारोबार अपराध और पीएलएफआई नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई की है। जिसमें एक करोड़ 65 लाख मूल्य का अवैध डोडा, एक पीएलएफआई नक्सली को पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है,जबकि डकैती के एक मामले में चार डकैतों को हथियार के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की ये कार्रवाई हुई है। खूंटी पुलिस को अवैध अफीम-डोडा के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। बुधवार की रात पुलिस ने थाना क्षेत्र के सिलादोन इलाके से एक ट्रक में केमिकल युक्त पाउडर की बोरियों के बीच छुपाकर ले जा रहे करीब 11 सौ किलो डोडा बरामद किया है। बरामद डोडा का अनुमानित मूल्य करीब 1.65 करोड़ रुपए है।

नगर संकीर्तन यात्रा का हुआ आयोजन

सिल्ली। शुक्रवार को राधारमण महोत्सव के शुभारंभ से पूर्व नगर संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन सिल्ली से मुरी तक किया गया। हरिनाम संकीर्तन की मधुर ध्वनि,मृदंग की ताल और भक्तों के प्रेममय नृत्य से संपूर्ण नगर गूंज उठा। भक्तों की टोली में हरिनाम का जय घोष करते हुए नगर नवासी जनमानस को भक्ति,शांति और आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत कर दिया। यात्रा का नेतृत्व दास गदाधर प्रभु, करुणावतार प्रभु, भद्रंग प्रभु, मथुरा मोहन प्रभु, सूचिसुत प्रभु और भक्तिवेदांत विद्याभवन गुरुकुल के बच्चे भी सम्मिलित हुए। श्रद्धालु भक्तों की सहभागिता भक्ति में डूबे नगर वासियों का उत्साह और श्री कृष्ण जन्माष्टमी की मंगलभावन ने इस यात्रा को ऐतिहासिक, आध्यात्मिक एवं भावनात्मक बना दिया।

सावन सप्तमी पर देवी मां की पूजा अर्चना की गई

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के विभिन्न गांवों में खासकर देवी मंडप एवं मड़ई में सावन सप्तमी के पावन मौके पर देवी मां की विधिवत पूजा अर्चना की गई और बकरे की बलि दी गई। इसी क्रम में बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली में महतो, पाहन, पुजार एवं भंडारी और ग्रामीणों की उपस्थिति में देवी मड़ई के पास सावन सप्तमी पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर देवी मड़ई में गांव के परंपरा के अनुसार काले रंग के बकरे की बलि देकर पूजा अर्चना किया गया। इस कार्यक्रम में हरिहरपुर जामटोली एवं बैरटोली गांव के ग्रामीण उपस्थित हुए और सभी लोगों के लिए अच्छे से स्वस्थ रहने एवं अच्छी बारिश और अच्छी फसल होने का देवी माता से प्रार्थना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गांव के महतो लखो उरांव ,पाहन सोमरा उरांव, पुजार मंगू उरांव, 12 व 21 पाड़हा के पूर्व सचिव सह समाजसेवी चरवा उरांव, 12 पाड़हा राजा विशाल उरांव, सोमा उरांव गोयंदा उरांव दिलीप उरांव, बैरटोली के पाहन सुभाष उरांव,बिरसा मुंडा ,भोजा उरांव, मनीष महली,तुलसी गोप,अजय गोप,कजरू उरांव, ग्रामप्रधान रामप्रसाद लोहरा एवं दोनों टोली के गांव के सामाजिक व्यवस्था के अगुआ उपस्थित थे।

प्रेम प्रसंग में युवक ने कीटनाशक खाकर की आत्महत्या

● पुलिस कर रही मामले की जांच

बेड़ो। बेडो थाना क्षेत्र के पुरियो गांव में गुरुवार की रात्रि में एक युवक द्वारा प्रेमप्रसंग को लेकर अपने अर्धनिर्मित मकान में कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। मृतक की पहचान पुरियो गांव निवासी भोला महतो के बड़े पुत्र 25 वर्षीय गौतम प्रजापति के रूप में हुई है। इधर मृतक के भाई निरंजन कुमार ने बताया कि गुरुवार की रात गौतम ने अपने खेत के पास अर्ध निर्मित घर के अंदर में घुसकर कीटनाशक दवा सल्फास खाकर आत्महत्या कर लिया। मृतक का गौतम का गांव के ही एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। गौतम पिछले दिन गुरुवार को शाम को घर से निकला फिर रात भर वापस घर नहीं लौटा। इस पर शुक्रवार की सुबह से परिजनों ने उनका खोजबीन किया। अपने खेत पास बनी अर्ध निर्मित मकान में गौतम का शव मिट्टी से सना हुआ मिला। इधर घटना की जानकारी मिलने पर बेड़ो के थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान सशस्त्र बल के साथ पहुंचे और घटना की जानकारी ली. साथ ही पुलिस ने शव बरामद कर लिया। वहीं मृतक का मोबाइल व अन्य सामग्री को जब्त कर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वहीं घटना के बाद से मृतक की मां सरस्वती देवी, भाई निरंजन कुमार सहित परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिये रिम्स भेज दिया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर मुखिया नीरज कुजूर, विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष शशी टाईगर सहित कई लोग मौके पर पहुंचे और मृतक के परिजन को ढांढस बंधाया।

बनखेता उरबा टोला में मोबाइल नेटवर्क नहीं

लोग एक किलो मीटर दूर जाकर करते हैं कॉल

● पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो को ग्रामीणों ने सुनाई आपबीती

नवीन मेल संवाददाता

स्थानीय लोगों ने जताया आभार

गांव के बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने जनप्रतिनिधियों द्वारा दिखाई गई तत्परता और संवेदनशीलता के लिए आभार जताया और अपेक्षा की कि आगे भी इसी तरह से उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के साथ सुना और सुलझाया जाएगा।

रामगढ़ । रामगढ़ प्रखंड अंतर्गत दोहाकातू पंचायत के बनखेता उरबा टोला के ग्रामीण विगत कई दिनों से बिजली संकट झेल रहे थे। ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण पूरा टोला अंधेरे में डूबा था। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक ममता देवी को जानकारी दी। जनसमस्याओं के प्रति सजगता दिखाते हुए विधायक ने तुरंत संज्ञान लिया और संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया।

ट्रांसफार्मर का उदघाटन शुक्रवार को पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी बजरंग महतो द्वारा विधिवत रूप से फीता काटकर किया गया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। उद्घाटन के उपरांत श्री महतो ने ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी मूलभूत समस्याओं को गंभीरता से सुना।

ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण में अधिग्रहण की गई जमीन का मुआवजा अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश और आर्थिक संकट है।

बताया की शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। बताया की सबसे बड़ी समस्या मोबाइल नेटवर्क की है उरबा टोला में मोबाइल सिग्नल नहीं आने के कारण ग्रामीणों को आपात स्थिति में भी एक किलोमीटर दूर जाकर फोन करना पड़ता है। 108 एम्बुलेंस बुलाने या प्रशासनिक संपर्क के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है।

बजरंग महतो ने मौके पर मौजूद लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव की आवाज़ हमारी प्राथमिकता है। मुआवजा, पानी, बिजली और नेटवर्क जैसी समस्याओं के समाधान के लिए विधायक ममता देवी जी के नेतृत्व में हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि वह जल्द ही जिला प्रशासन से मिलकर इस क्षेत्र की समस्याओं पर विस्तृत वार्ता करेंगे और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे।

मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुनील करमाली, बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश, झलुक बेदिया, बलराम बेदिया, ब्रजेश बेदिया, सुरेश बेदिया, बंशी बेदिया, लीलामणि देवी,वीणा देवी,निर्मल बेदिया गणेश बेदिया, बलकश बेदिया, जगु बेदिया आदि उपस्थित थे।

विद्यालयों में दिया गया सीपीआर और फर्स्ट एड उपचार का प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर रामगढ़ जिला अंतर्गत 2 लाख लोगों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट देने हेतु प्रशिक्षण दिया जाना है। इसे लेकर पूर्व में जिला स्तर पर सीपीआर एवं फर्स्ट एड देने को लेकर प्रशिक्षण देकर 3229 मास्टर ट्रेनर तैयार किए गए हैं। उपायुक्त के निर्देश पर 15 अगस्त 2025 तक जिले में 1 लाख लोगों को सीपीआर एवं फर्स्ट एड प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही अब तक जिले में हजारों लोगों को आकस्मिक परिस्थितियों में सीपीआर एवं फर्स्ट ऐड संबंधित प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसी क्रम में शुक्रवार रामगढ़ जिले के उच्च विद्यालयों एवं प्लस टू उच्च विद्यालयों में सीपीआर एवं फर्स्ट एड उपचार संबंधित प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मौके पर विद्यार्थियों को आकस्मिक स्वास्थ्य परिस्थितियों में सीपीआर देने एवं फर्स्ट एड उपयोग को लेकर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

यूपीएस लागू होगा तो करेंगे विरोधः डॉ सुनील

रामगढ़। एनएमओपीएस के प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में झारखंड में भी यूपीएस लागू करने का विरोध किया गया। बैठक में कहा गया कि एनएमओपीएस के राष्ट्रीय समिति द्वारा 1 अगस्त 2025 को आहूत यूपीएस का विरोध दिवस मनाते हुए पदाधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया जो सरकार की छवि धूमिल करने तथा कर्मचारी हितों को क्षति पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं।

बैठक में बताया गया कि जिला समितियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । जिनमें

राज्य के सभी कार्यालयों/विद्यालयों में लंच आवर में सभी कर्मचारी एक जगह पर एकत्रित होकर तख्ती के साथ नारा लगाते हुए यूपीएस का विरोध किया गया।

मौके पर रामगढ़ जिला से प्रदेश उप महासचिव डॉ सुनील कुमार कश्यप ने बताया कि यह कार्यक्रम पूर्ण रूप में सफल रहा। बताया कि मध्य अवकाश में समय निकालकर झारखंड के 45 विभागों के कर्मचारियों ने एक एक सूत्र बंधते हुए हुए यूपीएस का विरोध किया। डॉ कश्यप ने कहा कि अगर हम कर्मचारियों में किसी भी तरह का मतभेद उत्पन्न करने का प्रयास किया गया तो हम एकजुटता दिखाते हुए इसका पुरजोर ढंग से विरोध करेंगे।

संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह व आकांक्षा हाट का हुआ आयोजन

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में रामगढ़ जिला का श्रेष्ठ प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। शुक्रवार को नीति आयोग अंतर्गत संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह एवं आकांक्षा हाट का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, जिला परिषद उपाध्यक्ष रीता देवी, सांसद प्रतिनिधि हजारीबाग राजीव जायसवाल, विधायक प्रतिनिधियों, जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, अधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जिला योजना पदाधिकारी संतोष भगत ने आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत वर्ष 2024 में जुलाई, अगस्त एवं सितंबर माह तक संपूर्णता अभियान का आयोजन किया गया था। जिसके तहत आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम के तहत 6 इंडिकेटरों पर कार्य किया जाना था जिसमें रामगढ़ जिला द्वारा अव्वल प्रदर्शन करते हुए आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत 6 में से 5 इंडिकेटर को 100% सैचुरेट कर दिया गया एवं प्रखंड स्तर पर 6 इंडिकेटर में 5 इंडिकेटरों को 100% सैचुरेट कर दिया गया। इसी क्रम में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों को संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह के तहत आज सम्मानित किया जा रहा है। जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी ने आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत सराहनीय कार्य करने के लिए सभी को शुभकामनाएं दी गई। साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिका आदि से भी बातचीत कर उनके माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का सफल संचालन कर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने की अपील की। उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने सर्वप्रथम आकांक्षी जिला एवं आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत सराहनीय कार्य करने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को शुभकामनाएं दी। मौके पर उन्होंने और भी प्रभावी तरीके से आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम का संचालन करने को लेकर कई महत्वपूर्ण जानकारियां सभी को दी। कार्यक्रम के दौरान उप विकास आयुक्त ने आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, सहियाओ सहित अन्य के साथ संवाद कर उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली एवं बेहतर तरीके से कार्यों का संचालन करने की बात कही।

कार्यक्रम के दौरान आकांक्षी जिला एवं प्रखंड कार्यक्रम के तहत बेहतरीन कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मियों को गोल्ड/ सिल्वर मेडल सहित प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया ।

वहीं, कार्यक्रम के दौरान टाउन हॉल रामगढ़ में नीति आयोग अंतर्गत आकांक्षा हाट के तहत जेएसएलपीएस के द्वारा वोकल फ़ॉर लोकल की तर्ज पर विभिन्न स्टॉल लगाए गए।

मुखिया ने जर्सी व बूट का किया वितरण, कहा

गांव के युवाओं में प्रतिभा की नहीं है कमी प्लेटफार्म व मार्गदर्शन आवश्यक

नवीन मेल संवाददाता

बरही। धनवार मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने अपने पंचायत के फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच बूट व जर्सी वितरित कर मनोबल बढ़ाने का काम किया। वितरण कार्यक्रम धनवार पैक्स भवन प्रांगण में आयोजित किए गए थे।

जिसमे पंचायत के कई जनप्रतिनिधि, समाजसेवी व प्रबुद्ध जन सहित कई युवा खिलाड़ी मौजूद थे। मुखिया श्री प्रसाद ने कहा कि ग्रामीण युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। इन्हे उचित प्लेटफार्म और मार्गदर्शन तथा सहयोग की आवश्यकता है। जिन्हे धनवार ग्राम पंचायत की ओर से उचित सहयोग और प्लेटफार्म देने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि उनके पंचायत के खिलाड़ियों में बहुमुखी प्रतिभा है। उनसे ग्राम पंचायत को काफी उम्मीद है। खिलाड़ियों का हौसला वर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि आप सभी बेहतर खेल प्रदर्शन करें, उनके ओर से हर संभव सहयोग दिया जायेगा। इस कार्यक्रम मे खिलाड़ी उदय कुमार, पिंटू कुमार, कुंदन कुमार, कुणाल कुमार, रविशंकर कुमार, गौतम कुमार, उमेश कुमार, अमन कुमार, सुधीर कुमार, मोहित कुमार, करण कुमार, विरेंद्र प्रसाद, अंकित कुमार और दीपक कुमार खिलाड़ी सहित समाजसेवी प्रकाश साव व पंचायत के सक्रिय सदस्य उपस्थित थे।

रक्षाबंधन नजदीक, बहनें डाकघरों से भेज रही राखियां

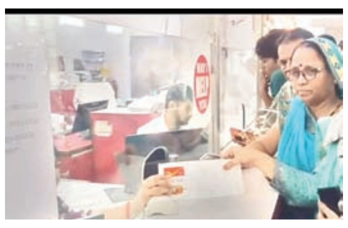

बरकट्ठा। भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का पवित्र पर्व रक्षाबंधन नजदीक आते ही क्षेत्र में उत्साह का माहौल दिखने लगा है। बहनें दूर रहने वाले अपने भाइयों के लिए डाकघर के माध्यम से राखियाँ भेज रही हैं। हर साल की तरह इस बार भी बहनों ने समय रहते अपने भाइयों को राखी भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। डाकघर में राखियों के पैकेटों की आवाजाही बढ़ गई है। बहनों का कहना है कि वे पूरे वर्ष इस पर्व का इंतजार करती हैं ताकि अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध सकें और उसके सुख-समृद्धि की कामना कर सकें। स्थानीय लोगों के अनुसार, रक्षाबंधन केवल एक रस्म नहीं बल्कि एक पवित्र बंधन है, जिसमें बहनें अपने भाई की लंबी उम्र और सफलता के लिए ईश्वर से प्रार्थना करती है। वहीं भाई अपनी बहनों की रक्षा का वचन देते हैं।आने वाले रक्षाबंधन पर्व को लेकर बाजारों में भी चहल-पहल देखी जा रही है। राखी की दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी है और अलग-अलग डिज़ाइन की राखियाँ लोगों को आकर्षित कर रही है। डाककर्मी भी राखियों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरत रहे हैं ताकि इस भावनात्मक पर्व में कोई रुकावट न आए।

झुंड से बिछड़े हाथी ने चारदीवारी को किया ध्वस्त, लोगों में भय का माहौल

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है, हाथियो का तांडव निरंतर जारी है। इस क्रम में हाथियों के झुंड से बिछड़ा एक हाथी बुधवार रात्रि करीब दस बजे मासीपीढी गांव में अचानक दस्तक दे दिया और जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथी ने मासीपीढ़ी निवासी युगेश्वर चौधरी एवं मितलाल महतो की चार दीवारी को ध्वस्त कर दिया। तत्पश्चात झुंड से बिछड़ा हाथी का कपका गांव की ओर जाने की सूचना है । विदित हो कि विगत कई माह से हाथियों की झुंड ने प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर जमकर आतंक मचा रही है । हाथियों की झुंड ने दर्जनों लोगों के मकान व चारदीवारी को ध्वस्त कर अनाज व फसलों को बर्बाद कर चुकी है। वहीं हाथियों ने करीब आधे दर्जन से अधिक लोगों को कुचलकर मौत की नींद सुला दी है।

हाथियों के बढ़ते आतंक से किसानों व आमजनो में भय का माहौल बना

स्कूली बच्चों के बीच कॉपी का वितरण

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत चेचकपी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चेचकपी में स्कूली बच्चों के बीच कॉपी का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि डेगलाल साव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस निमित विद्यालय में अध्ययनरत वर्ग प्रथम से अष्टम तक 218 विद्यार्थी के बीच शिक्षा विभाग द्वारा प्रदत्त कॉपी का वितरण किया गया। वहीं अपने संबोधन में डेगलाल साव ने कहा कि सरकार बच्चों के शिक्षण के लिए बहुत सारी सुविधाएं दे रही है। बच्चों को इसका लाभ उठाना चाहिए । उन्होंने बच्चों को हर हाल में प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रेरित किया। मौके पर वार्ड सदस्य जासो देवी, प्रधानाध्यापक बाबूलाल यादव, सहायक शिक्षक रामचंद्र साव, प्रदीप मेहता, सुखदेव हसदा, राजेंद्र प्रसाद समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

आज के बच्चे ही कल के राष्ट्रनिर्माता हैं : सुधीर

रामगढ़। दुलमी प्रखंड क्षेत्र में आयोजित खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2025-26 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रतियोगिता में प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स, ऊँची कूद, लंबी कूद, वॉलीबॉल एवं रस्साकशी जैसे विभिन्न खेलों में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 वर्ग के लड़के और लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अमित मिश्रा की गरिमामयी उपस्थिति रही। बीपीओ मिथिलेश कुमार ने आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथियों ने सभी विजयी प्रतिभागियों को कप और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश ने कहा कि खेल न केवल शरीरिक विकास का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ाता है। आज के बच्चे कल के राष्ट्रनिर्माता हैं, ऐसे आयोजनों से उनके अंदर छुपी प्रतिभा सामने आती है।

ग्रामीणों को मिली अंधेरे से निजात विधायक का जताया आभार

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम मासीपीढी के हरैयाटांड में लगभग पिछले एक सप्ताह से ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण लोग अंधकार में रहने के लिए विवश हो गये थे। इसकी सूचना वार्ड सदस्य रंजीत मंडल ने विधायक अमित कुमार यादव को दिया। विधायक ने त्वरित संज्ञान लेते हुए बिजली विभाग के अधिकारियों से बातकर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया और लोगों को अंधेरे से निजात मिली। इस कार्य के लिए युवा समाजसेवी मुन्ना प्रसाद, पंकज कुमार, सुदेश प्रसाद, विवेक कुमार, उमेश प्रसाद, शंकर प्रसाद, रामदेव प्रसाद, दीपक कुमार समेत आदि ग्रामीणों ने विधायक अमित कुमार यादव का

धनवार में 34 पेंशनधारियों का बना डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट

● फाइलेरिया मुक्त अभियान और पशुधन योजना की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

बरही । राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत धनवार पंचायत में आयोजित एकदिवसीय शिविर में 34 पेशनाधारियों का डिजिटल लाईफ सर्टिफिकेट बनाया गया। जिसमे कई वृद्ध, विधवा और दिव्यांग शामिल थे। उक्त जानकारी पंचायत मुखिया राजेंद्र प्रसाद ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर बीडीओ के निर्देश पर लगाया गया था। जिसका मुख्य उद्देश्य फर्जीवाड़ा को रोकना और पेंशनधारियों के भुगतान को सुगम बनाना था। इस दौरान पेंशनधारियों के आधार कार्ड व आवश्यक दस्तावेजों की जांच करते हुए बायोमेट्रिक लिए गए और डीएलसी जेनरेट किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी आगंतुकों को मुखिया व सचिव सरोज कुमार ने फाइलेरिया मुक्त अभियान व पशुधन योजना की जानकारी दिया। साथ हीं योजना का अधि काधिक लाभ लेने की अपील किया गया। शिविर का संचालन पंचायत सचिव ने मुखिया की अध्यक्षता में किया।

आंगनबाड़ी सेविकाओं की मासिक बैठक संपन्न

● पोषण ट्रैकर व ई-केवाईसी पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

बरही। प्रभारी सीडीपीओ सह बीडीओ ने प्रखंड के आंगनवाड़ी सेविकाओं के साथ मासिक समीक्षा बैठक किया. जिसमे लगभग 120 सेविकाओं ने भाग लिया. आंगनबाड़ी केदो की अधिकतम जानकारी लेते हुए प्रभारी सह बीडीओ ने सभी सेविकाओं को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. पोषण ट्रैकर में पॉश कैप्चर व ई केवाईसी की प्रक्रिया शत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया. जिससे लाभार्थियों के आंकड़ों को पारदर्शी बनाते हुए सरकारी सेवाओं को सही लाभुक तक पहुंचाया जा सके. उन्होंने ई-केवाईसी कार्य को भी शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया. बीडीओ ने कहा कि ई-केवाईसी से लाभार्थियों की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया सरल व सुरक्षित होंगे. जो योजनाओं के समुचित लाभ दिलाने में सहायक होगा। बैठक के अंत में सभी सेविकाओं से विभागीय दायित्वों को ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने की अपील की गई।

कीचड़ युक्त सड़क में गिरते बच्चे विद्यालय जाने को मजबूर

● नदी में पुल नहीं होने से विद्यालय जाने वाले बच्चे कपड़े खोलकर व जुता हाथ में लेकर नदी करते हैं पार

नवीन मेल संवाददाता

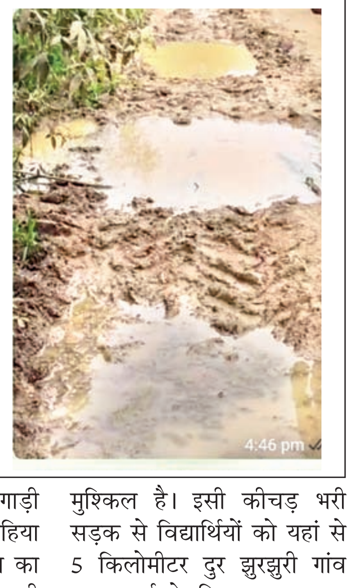

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के पंचायत कोनहारा खुर्द के ग्राम घंघरी अंतर्गत पंचधरवा टोला के वार्ड 13 मे जाने वाली रोड प्रत्येक वर्ष बरसात में जर्जर हो जाती है। स्थानीय वार्ड सदस्य गुड़िया देवी ने बताया कि इस वर्ष लगातार बारिश होने से सड़क की हालत बदतर हो गई है। कोई अतिथि इस गांव में आना पसंद नहीं करते।अनजान व्यक्ति की गाड़ी कीचड़ में फंस जाती है। दो पहिया वाहन या चार पहिया वाहन का चलना तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल है। इसी कीचड़ भरी सड़क से विद्यार्थियों को यहां से 5 किलोमीटर दुर झुरझुरी गांव तक पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है । स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ दिनों पूर्व एक व्यक्ति का किचड़ में गिरने से उसका हाथ भी टूट चुका है। कई बार स्थानीय जन प्रतिनिधियों से सड़क निर्माण के लिए आग्रह हमलोगों ने किया लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। वार्ड सदस्य प्रतिनिधि योगेंद्र कुमार ने कहा कि इस ग्राम में हम लोग 100 से अधिक परिवार निवास करते हैं और यहां वोट के समय सभी प्रतिनिधि झूठा आश्वासन देकर जाते हैं कि इस वर्ष रोड बना दिया जाएगा। लेकिन चुनाव के बाद कोई भी प्रतिनिधि हमारी समस्या को लेकर देखने नहीं आते हैं। विद्यालय में पढ़ने वाले ग्रामीण बच्चों ने बतलाया कि हम लोग विद्यालय 2 किलोमीटर कीचड़ में चलते हैं उसके बाद एक नदी में पुल नहीं होने के कारण नदी में पार करते वक्त पूरा कपड़ा खोलकर पार करते हैं। उसके बाद 3 किलोमीटर जाने के बाद विद्यालय पहुंचते हैं। जिससे हम लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। जब से हम लोगों का जन्म हुआ है तब से यह सड़क नहीं बना है । कोनहारा खुर्द पंचायत की मुखिया मुन्नी देवी ने बताया कि विकास की गति को धीमा बताते हुए कहा कि निश्चित तौर पर जन सुविधाओं को पूरा करना विधायक व सांसद और तमाम जन प्रतिनिधियों का काम होता है। परंतु मुखिया फंड में ऐसी कोई योजना नहीं होने के कारण इसे नहीं बनाया जा सकता । परंतु यह सड़क विधायक या सांसद फंड से बनाया जा सकता है। स्थानीय ग्रामीणों वार्ड सदस्य गुड़िया देवी, जमीनी देवी, रुकनी देवी, लीलावती देवी, कलावती देवी, नोमिया देवी, कालो देवी, बबिता देवी, रिंकी देवी, पूजा देवी, बसंती देवी, जानकी देवी, पिंकी देवी, पार्वती देवी, बैजू महतो, झल्लू महतो, संतोष यादव, लिलधारी प्रसाद, लेखो यादव, अर्जुन प्रसाद, राजकुमार प्रसाद, योगेंद्र यादव, शंकर प्रसाद, महेंद्र यादव,कुलदीप प्रसाद,प्रदीप प्रसाद ने शीघ्र ही सड़क निर्माण की मांग की है। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी रोशमा डुंगडुंग से संपर्क करने का प्रयास किया गया तो संपर्क नहीं हो पाया।

मांगों को लेकर रसोइया संयोजिका संघ विस के समक्ष करेगा धरना प्रदर्शन

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ के तत्वावधान में लंबित मांगों को लेकर चार दिन झारखंड विधानसभा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उक्त बातें प्रखंड अध्यक्ष तुफानी देवी ने बताई। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में झारखंड शिक्षा मंत्री को पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया है। जिसमें झारखंड राज्य के विभिन्न जिलों से रसोइया संयोजिका अध्यक्ष संघ सामुहिक अवकाश में रहकर 4 अगस्त से लेकर 7 अगस्त तक झारखंड विधानसभा के समक्ष प्रदर्शन और रांची के कुट्टे मैदान में धरना देने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि 3 अगस्त 2024 को झारखंड शिक्षा सचिव के द्वारा लंबित मांगों के साथ साथ साल में दो सेट साड़ी देने का लिखित आश्वासन मिला था। लेकिन सरकार ने चुप्पी साध ली। मानसून सत्र तक हमलोगों की मांगें पूरी नहीं हुई तो मध्याह्न भोजन बनाना बंद कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को मजबूर होंगे।

महिला सशक्तिकरण और विकास की नई पहचान

सिमडेगा में बदलाव की नायिका बनीं डीसी कंचन सिंह

● **शिक्षा क्षेत्र में सुधार:** विद्यालय निरीक्षण कर गुणवत्ता सुधार के निर्देश, छात्राओं की उपस्थिति बढ़ाने के लिए योजनाएं चलाई गईं।

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले की वर्तमान उपायुक्त कंचन सिंह अपने कुशल नेतृत्व, संवेदनशील प्रशासन और नवाचारी पहलों के लिए पूरे जिले में एक अलग पहचान बना चुकी हैं।12 महीने में उनकी कार्यशैली में जहां प्रशासनिक कठोरता है, वहीं एक मातृत्व भाव और मानवीय संवेदना भी है।यही कारण है कि उनके कार्यकाल में सिमडेगा जिले ने सामाजिक, शैक्षणिक, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में कई सकारात्मक उपलब्धियां हासिल की हैं।नारी सशक्तिकरण को लेकर उनका योगदान बेहद उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित किया है। इन समूहों को आसान शर्तों पर ऋण उपलब्ध करवाकर स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित किया गया है। इसके अलावा 'प्लास मार्ट' जैसी पहल के माध्यम से महिलाओं को अपने उत्पादों को बाज़ार में बेचने का मंच मिला है, जिससे वे आर्थिक रूप से सबल बन रही हैं। उपायुक्त जहां भी जाती हैं, वहां महिलाओं की उपस्थिति स्वतः बढ़ जाती है क्योंकि वे खुलकर महिलाओं से संवाद करती हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं।शिक्षा के क्षेत्र में भी कंचन सिंह ने उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उन्होंने कई विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के निर्देश दिए हैं। छात्राओं की उपस्थिति और उनकी पढ़ाई के प्रति रुचि को बढ़ावा देने के लिए अलग से योजनाएं संचालित की जा रही हैं।खेलकूद, विशेषकर हॉकी जैसे खेल में प्रतिभाओं को तराशने और उन्हें आवश्यक संसाधन मुहैया कराने में उपायुक्त सक्रिय रही हैं। महिला खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, पोषण और प्रतियोगिता के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ वे उनके परिजनों से भी संवाद कर उनका मनोबल बढ़ाती हैं।एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत जनता दरबार को अब समाहरणालय भवन के अंदर से हटाकर बाहर मुख्य गेट के पास आयोजित किया जा रहा है। इससे वृद्ध, दिव्यांग और असहाय लोगों को सीढ़ियां चढ़ने की समस्या से मुक्ति मिली है और उन्हें अब अधिक सुविधा पूर्वक अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिल रहा है।इसके साथ ही उपायुक्त कंचन सिंह लगातार पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर रही हैं। वे इन स्थलों के सौंदर्यीकरण और विकास की दिशा में ठोस कार्रवाई कर रही हैं ताकि सिमडेगा को पर्यटन के क्षेत्र में भी नई पहचान मिल सके।कुल मिलाकर, उपायुक्त कंचन सिंह ने प्रशासन और जनता के बीच भरोसे की मजबूत कड़ी बनाते हुए सिमडेगा जिले को विकास और जनकल्याण के पथ पर अग्रसर किया है। इधर उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि जिले में आम जनता और प्रशासन के सहयोग के बिना किसी भी कार्य को करना संभव नहीं है इसलिए जनता के साथ परस्पर संबंध स्थापित करते हुए कार्य किया जा रहे हैं ताकि सिमडेगा जिला का नाम रोशन हो सके और यहां पर जो मूलभूत सुविधा जिसके लिए लोग हकदार है उसे प्राथमिकता के आधार पर लोगों को उपलब्ध कराया जा सके।

उपायुक्त के निर्देश पर प्रखंडों में प्रत्येक मंगलवार को लगाया जा रहा है जनता दरबार

सिमडेगा। उपायुक्त कंचन सिंह के दिशा-निर्देशन में जिले के सभी प्रखंडों में प्रत्येक मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इस जनता दरबार में सुनवाई संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी करते हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड में ही सुविधा प्रदान करना है जिला मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी। उपायुक्त ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं को लेकर सीधे अपने नजदीकी प्रखंड कार्यालय में जाकर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इससे उन्हें लंबी दूरी तय करने की परेशानी का सामना ना करना पड़े, समय की बचत होगी और अतिरिक्त खर्च भी नहीं करना पड़ेगा।जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीण एवं दूरदराज़ क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी निपटारा संभव होगा। इससे प्रशासन और आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित होगा, जिससे पारदर्शिता और विश्वास बढ़ेगा। यह कदम प्रशासन को लोगों के और करीब लाने तथा उनकी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर सुलझाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सराहनीय प्रयास है। जनता दरबार से उम्मीद है कि आम लोगों की शिकायतें और मांगें शीघ्रता से पूरी की जाएंगी।

कलकत्ता चिल्ड्रेन एकेडमी में प्रथम सावधिक परीक्षा का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत लचरागढ़ स्थित कलकत्ता चिल्ड्रेन एकेडमी विद्यालय में शुक्रवार को प्रथम सावधिक परीक्षा का शुभारंभ हुआ। परीक्षा की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर पर दीप प्रज्वलन कर की गई, जो कि किनिरकेला निवासी अभिभावक दामोदर सिंह के करकमलों से संपन्न हुआ।इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव शंकर बेरा ने परीक्षा के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा देने की अपील की। उन्होंने बच्चों को परीक्षा के प्रश्नपत्र को पहले ध्यानपूर्वक पढ़ने और फिर उत्तर लिखने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार का हल्ला या अनुशासनहीनता स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने सभी बच्चों को परीक्षा के लिए शुभकामनाएं भी दीं।परीक्षा के दौरान विद्यालय के शिक्षक विल्कन डांग, देवनंदन बेरा और शिक्षिकाएं प्रमिला कुमारी, अंबिका देवी, काजल महतो, रीतू बड़ाइक तथा हेमंती कुमारी उपस्थित थीं।

बानो थाना क्षेत्र में नाबालिक का अपहरण मामला दर्ज

बानो। बानो थाना क्षेत्र में नाबालिक किशोरी के अपहरण मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की मां ने बानो थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराते हुए पुलिस से अपनी बेटी को वापस घर लाने की गुहार लगायी।पीड़िता के मां ने थाना क्षेत्र के साहूबेड़ा निवासी सुखमन लुगुन सहित अन्य के विरुद्ध थाना में लिखित आवेदन देकर अपहरण का मामला दर्ज कराते हुए बताया कि 24 जून दिन मंगलवार शाम के 5:00 बजे उनकी बेटी घर से निकली और रात तक वापस नहीं आई पता करने पर मालुम चला कि साहुबेडा एक युवक ने पीडिता का अपहरण कर लिया है। तत्पश्चात परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन किया गया पर उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। शुक्रवार सुबह परिजन थाना पहुंचे और आरोपी के विरुद्ध अपहरण का मामला दर्ज कराया।

बंदियों की समस्याएं सुनने जेल पहुंचीं जिला विधिक सेवा सचिव

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। झालसा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मरियम हेमरोम ने बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल होटवार और मंडल कारा खूंटी में भेजे गए सिमडेगा जेल के सजायाफ्ता और विचाराधीन कैदियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दोनों जेल में बंद करीब 268 बंदियों से वन टू वन उनकी समस्याएं सुनीं। सचिव ने बंदियों से उनके केस की स्थिति को जानने की कोशिश की। यह जानने की कोशिश की गई कि वे सजायाफ्ता हैं तो क्या वे ऊपरी अदालत में अपील में गए हैं या नहीं। केस लड़ने के लिए उनके पास वकील है या नहीं। साथ ही जमानत नहीं मिलने या जमानत मिलने पर जमानतदार के नहीं मिलने के कारण जेल में ही रहने के बारे जानकारी हासिल की। इस दौरान उक्त दोनों जेल में बंद अधिकतर बंदियों ने शिकायत की कि उनके परिजन उनसे मिलने नहीं आते हैं। सचिव ने नालसा की योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। कहा कि कि असहाय वर्ग के ऐसे बन्दी जो आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण अपने वादों की पैरवी हेतु वकील नही कर पा रहे हैं,वे जेल में स्थापित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से कारागार अधीक्षक द्वारा अग्रसारित कराकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए जाने पर निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकते हैं। बंदियों की समस्या सुनने के बाद सचिव मरियम हेमरोम ने सभी बंदियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान की कोशिश की जाएगी। प्राधिकार की ओर से उन्हें विधिक सहायता प्रदान किया जाएगा।

वीर शहीद थॉमस सोरेंग फुटबॉल टूर्नामेंट में बिरमित्रापुर ने चिड़िया माइंस को 1-0 से हराया

सिमडेगा। 26वां वीर शहीद थॉमस सोरेंग अंतरराज्यीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन सिमडेगा में जारी है। टूर्नामेंट के एक रोमांचक मुकाबले में बिरमित्रापुर फुटबॉल डायमंड क्लब ने चिड़िया माइंस, पश्चिमी सिंहभूम को 1-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की।मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड राज्य युवा आयोग के सदस्य एवं युवा नेता विशाल तिर्की तथा कांग्रेस नेत्री सुषमा कुजूर उपस्थित रहीं। दोनों अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष अमित डुंगडुंग, उपाध्यक्ष अजीत नवरंगी और प्रताप बाड़ा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।खेल से पूर्व अध्यक्ष अमित डुंगडुंग, आयोजक राजेश कुमार सिंह, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष पुष्पा कुल्लू, समीउल्लाह, खेल प्रभारी कंचन कबीर और शीला देवी ने खिलाड़ियों से औपचारिक परिचय प्राप्त किया। इसके बाद राष्ट्रीय गान के साथ मैच की विधिवत शुरुआत हुई।मैच के रेफरी राजकुमार पाणिग्रही , सूचित टोप्पो और राकेश किस्कु रहे। मेडिकल टीम में विवेक कुमार एवं हेमलता कुमारी का विशेष सहयोग रहा।टूर्नामेंट के अंतर्गत अगला मुकाबला 2 अगस्त 2025 को एयूएफसी सिमडेगा बनाम बिरमित्रापुर फुटबॉल डायमंड क्लब के बीच खेला जाएगा, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गई है।मंच संचालन श्यामसुंदर मिश्रा ने प्रभावी ढंग से किया।राजेश कुमार सिंह आयोजक, अमित डुंगडुंग अध्यक्ष, अजीत नवरंगी उपाध्यक्ष, रिंकू अग्रवाल, प्रताप बाड़ा, कमल शर्मा, विकास बेसरा, अभिषेक कुमार, शम्भू केशरी, शम्मीउल्लाह, संदीप मिंज, कुलदीप किंडो कोषाध्यक्ष, विकास साहू उपसचिव, कंचन कबीर खेल प्रभारी, डेनियल मिंज, निषित टोप्पो, मुख्तार खलीफा, सिंहासन डुंगडुंग, कृष्णा बड़ाईक और मीडिया प्रभारी सुबास महतो शामिल हैं।

कमीशन भुगतान की मांग को लेकर पीडीएस डीलरों का कार्यालय पर धरना

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नगर परिषद कार्यालय के निकट फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के तत्वावधान में जिले के पीडीएस दुकानदारों ने अपनी मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद ने की। धरना प्रदर्शन में काफी संख्या में पीडीएस दुकानदार व एसएचजी समूह की महिलाओं ने भाग लिया।धरना को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद ने कहा कि सरकार द्वारा डीलरों को नौ माह से कमीशन राशि का भुगतान नहीं किया गया है, जो काफी चिंता की बात है। कमीशन नहीं मिलने से डीलरों की स्थिति दयनीय हो गई है। डीलर भूखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। सरकार को दुकानदारों की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में वितरित खाद्यान्न का बकाया भी अभी तक लंबित है। सरकार को एकमुश्त बकाया राशि का भुगतान कराना चाहिए ताकि दुकानदारों को राहत मिल सके।एसोसिएशन के सचिव मुकेश पांडा ने कहा कि टू-जी नेटवर्क से मशीन का संचालन किया जा रहा है, जिससे दुकानदारों सहित कार्डधारकों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सभी जगह फोर-जी नेटवर्क उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रीन कार्ड के राशन वितरण का 18 माह से कमीशन की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इसके अलावा नमक व दाल का भी कमीशन बकाया है।उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वेट मशीन में रिपेयरिंग के नाम पर शोषण किया जा रहा है, जिसे बंद किया जाना चाहिए। साथ ही पेपरलेस सिस्टम को लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के संकल्प के बावजूद नॉमिनी को लाइसेंस हस्तांतरित नहीं किया जा रहा है, जिसे शीघ्र लागू किया जाना चाहिए।कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष मुर्तजा हुसैन, संरक्षक मुक्तिनाथ पाठक, श्यामलाल प्रसाद, गंगा जायसवाल, महावीर गुप्ता, फुलेश्वर प्रधान, राजू साहू, ईश्वर प्रसाद, विरसमनी देवी, नथानियेल मुंडू, श्यामलाल बड़ाइक, मनोज प्रसाद, रामदयाल प्रसाद, रजनीकांत प्रसाद, भोला साहू, महावीर प्रसाद, रवि साहू, जितेंद्र प्रसाद, मेराज आलम, सुखन तिर्की, वीणा देवी, फुलेश्वर प्रधान, लेतारेस के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

प्रखंड कार्यालय में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित, योजनाओं की प्रगति पर हुई चर्चा

बानो। बानो प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय कर्मियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी ने की।बैठक में बीपीओ, जूनियर इंजीनियर पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, जनसेवक, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी समेत अन्य प्रखंड स्तरीय कर्मी उपस्थित रहे।बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास योजना की समीक्षा की गई। बीडीओ ने मनरेगा के तहत चल रहे कूप निर्माण, बागवानी योजना, इंटरक्रॉपिंग, सफाई कार्य और H-टेका जैसे गतिविधियों की विस्तार से जानकारी ली। साथ ही नयी बागवानी योजनाओं के चयन का निर्देश भी संबंधित कर्मियों को दिया गया।बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पंचायत सचिवों व रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि वे मनरेगा योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों में तेजी लाते हुए लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवस सृजन करें। उन्होंने लंबित योजनाओं को शीघ्र पूर्ण कर संबंधित अभिलेख बंद करने के भी निर्देश दिए।बीडीओ ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत चयनित उन लाभुकों को लेकर भी नाराजगी जताई जिन्होंने अभी तक ढलाई का कार्य पूरा नहीं किया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी लाभुक 15 दिनों के भीतर ढलाई कार्य पूरा करें, अन्यथा उनपर कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, जनसेवक व अन्य प्रखंड कर्मी उपस्थित थे।

कुरडेग में पंचायती राज प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न, 5 को रांची में धरना देने का निर्णय

कुरडेग। कुरडेग प्रखंड कार्यालय सभागार में शुक्रवार को त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला परिषद उपाध्यक्ष सोनी कुमारी पैंकरा ने की।बैठक में जनप्रतिनिधियों ने पिछले दो वर्षों से विकास योजनाओं के फंड की बंदी, मानदेय नहीं मिलने तथा दूसरे राज्यों की तरह पंचायती राज प्रतिनिधियों को पूर्ण कार्य दायित्व देने की मांगों को लेकर गहरी चिंता जताई। इन मुद्दों को लेकर सभी प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से 5 अगस्त को राँची में होने वाले धरना-प्रदर्शन में भाग लेने का निर्णय लिया।बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने कहा कि पंचायत स्तर पर कार्य बाधित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति थम गई है। यदि शीघ्र समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो राज्य स्तर पर आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा।मौके पर प्रमुख सरस्वती देवी, उपप्रमुख अजय जयसवाल, मुखिया उर्मिला कुजूर, प्रतिभा कुजूर, अनासतसिया खलखो, रजनी कुजूर सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मूसलधार बारिश से दशरथ सिंह का घर धराशायी, प्रशासन से मदद की गुहार

कोलेबिरा। प्रखंड के डॉमटोली पंचायत अंतर्गत बरवाडीह पाहनटोली गांव निवासी दशरथ सिंह का कच्चा घर भारी बारिश के कारण पूरी तरह से गिर गया। बीते दिनों क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, वहीं दशरथ सिंह का घर जमींदोज हो जाने से उनका परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है।गृहस्वामी दशरथ सिंह ने बताया कि बारिश की वजह से मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं और अचानक एक रात भरभराकर गिर पड़ीं। घर गिरने से उनके सामानों को भी भारी नुकसान हुआ है। वर्तमान में वे अपने परिजनों के साथ अस्थायी रूप से पड़ोसियों के घर में शरण लिए हुए हैं।स्थानीय ग्रामीणों और प्रभावित परिवार ने प्रखंड प्रशासन से आग्रह किया है कि उन्हें अविलंब राहत और आवास निर्माण के लिए सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि वे दोबारा सुरक्षित छत के नीचे जीवन यापन कर सकें। ग्रामीणों ने बताया कि यदि समय पर मदद नहीं मिली, तो परिवार को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

शादी का झांसा देकर छह महीने से यौन शोषण, पुलिस को आरोपी की तलाश

बानो। बानो प्रखंड अंतर्गत एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर छह महीने तक यौन शोषण करने और गर्भवती कर देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ बानो थाना में शिकायत दर्ज कराई है। मामला सामने आने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है और आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है।परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, कोनाप गांव निवासी प्रदीप हेमरोम नामक युवक ने युवती को शादी का वादा कर लंबे समय से उसका शारीरिक शोषण किया। जब युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। इसी दौरान युवती गर्भवती हो गई और जब उसने प्रदीप से संपर्क साधने की कोशिश की तो उसने साफ तौर पर शादी से इनकार कर दिया।न्याय की गुहार लेकर पीड़िता बानो थाना पहुंची, जहां उसकी लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है और पीड़िता को हरसंभव न्याय दिलाया जाएगा।

शिक्षकों की लंबित प्रोन्नति को लेकर अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक

सिमडेगा।अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ, जिला इकाई सिमडेगा की एक अति आवश्यक बैठक शुक्रवार जिला अध्यक्ष प्रेम कुमार शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के महासचिव संजय कुमार ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कराई, जिसमें शिक्षकों की लंबित प्रोन्नति, संगठन द्वारा प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन, आय-व्यय का लेखा-जोखा एवं 15 अगस्त की तैयारियाँ प्रमुख रही।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि जिला शिक्षा अधीक्षक शिक्षकों की लंबित प्रोन्नति को शीघ्र निष्पादित नहीं करते हैं, तो शिक्षक संघ 5 अगस्त को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय धरने पर बैठने को बाध्य होगा।साथ ही, स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को विद्यालयों में धूमधाम से मनाने का भी निर्णय लिया गया, जिसमें शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में नौशाद परवेज, अजीत तिर्की, सुशील बेक, फुलेंदर साहू, श्रवण बड़ाइक, बसंत सिंह, विष्णु देव प्रसाद, सुबोध कुमार, अमर सिंह, आमोद रंजन, अरविंद बा, रामचंद्र नायक, सिल्वेस्टर किड़ो, हरीश मांझी, जितेंद्र प्रसाद, अजीत आईंद, संजय चौरसिया, संजय वर्मा, सतीश कुमार, फेलिक्स पॉल, धीरज कुजूर, संदीप सिंह, पबेरस टोप्पो सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित रहे।

उद्घाटन 2025-26 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का शुभारंभ

जनजातीय बच्चों के लिए शिक्षा का नया अध्याय

● अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया

नवीन मेल संवाददाता

बांसजोर। सिमडेगा जिले के कुलामारा, बांसजोर स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 का विधिवत शुभारंभ बड़े ही उत्साह और गरिमामय वातावरण में किया गया। यह विद्यालय जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के कल्याण विभाग द्वारा संचालित है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सिमडेगा की उपायुक्त कंचन सिंह एवं पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी उपस्थित रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।परियोजना निदेशक आईटीडीए सरोज तिर्की ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की महत्ता एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय जनजातीय समुदाय के बच्चों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक युग के लिए तैयार करेगा। वहीं जेएसएलपीएस की दीदियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम का माहौल और भी उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय बना दिया।अपने संबोधन में उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि एकलव्य विद्यालय जनजातीय बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे मेहनत और अनुशासन को अपना जीवन मंत्र बनाएं और शिक्षा को आत्म-विकास का साधन समझकर आगे बढ़ें। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि यह विद्यालय उनके जीवन की नई शुरुआत है और यहां से वे अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के बल पर सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। उपायुक्त ने यह भी कहा कि विद्यालय न केवल बच्चों की शैक्षणिक उन्नति के लिए है, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास का केंद्र बनेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे पढ़ाई के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर भी विशेष ध्यान दें। उपायुक्त ने बच्चों से कहा कि यह आप सभी बच्चों का प्रथम बैच है। पढ़ाई एवं बेहतर अनुशासन के साथ बेहतर शिक्षा प्राप्त करें और देश का नाम रोशन करें, ताकि इस प्रथम बैच को शिक्षक तथा विद्यालय इस बैच को हमेशा याद रखें। उपायुक्त ने शिक्षकों से कहा की बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ-साथ अनुशासन एवं खेल में भी बच्चों को बेहतर बनाएं।पुलिस अधीक्षक एम. अर्शी ने बच्चों को मेहनत और लगन के साथ शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन और समर्पण ही जीवन में सफलता की कुंजी हैं।जनप्रतिनिधियों ने भी अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए अभिभावकों से विद्यालय के साथ सक्रिय सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के निर्माण हेतु हार्दिक शुभकामनाएं दीं।अंत में उपायुक्त एवं बच्चों द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया।सत्र 2025-26 में वर्ग 6, 7, एवं वर्ग आठ में 160 बालक-बालिकाओं का नामांकन कराया गया है।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी बांसजोर इमानुएल जयवीरस लकड़ा, अंचलाधिकारी बांसजोर पंकज कुमार भगत, संसद प्रतिनिधि अमित डुंगडुंग, जिला परिषद सदस्य बांसजोर, मुखिया सहित अन्य उपस्थित थे।

फ्यूज जोड़ते समय करंट लगने से बिजली मिस्त्री घायल

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड के कराईकेला लांडुपदा गांव में ट्रांसफार्मर का फ्यूज बांधने के दौरान करंट की चपेट में आकर बिजली मिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया गया कि गांव के आदिवासी टोला के ट्रांसफार्मर का फ्यूज उड़ गया था।

कच्ची सड़क ने रोका गांव का विकास,मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता परसनवा गांव

नवीन मेल संवाददाता

तिसरी। गिरिडीह जिले के तिसरी प्रखंड के बेलवाना पंचायत अंतर्गत आने वाले परसनवा गांव आजादी के 77 साल व झारखंड अलग होने के 24 साल बीत जाने के बाद भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। इस गांव की ज्वलंत समस्या सड़क है,जिससे गांव का विकास ही रुक गया है। ग्रामीणों के गुहार के बाद भी जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधि व सरकार ने कोई सुधि नही ली है। बता दे कि परसनवा गांव में मुस्लिम समुदाय के 65 घर हैं,जिसमे सात सौ से अधिक की आबादी है। यहां के लोगो को पंचायत और मुख्यालय तक जाने के लिए उबड़ - खाबड़ कच्ची सड़क ही है जो बरसात में और भी दुर्गम हो जाता है. हाल यह होता है कि इसपर पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है।

ग्रामीण बताते हैं कि गांव में पीएचईडी विभाग द्वारा बिछाया गया पाइप लाइन चार साल से बेकार पड़ा हुआ है। पंचायत स्तर पर सोलर पानी टंकी भी हाथी का दांत बना है। आलम यह है कि लोग अब इस गांव से पलायन करने लगे हैं।

बताया गया कि गांव में सड़क हेतु श्रमदान और राशि खर्च कर आंगनबाड़ी तक जाने का सड़क बनाया गया। पंचायत भवन तक मनरेगा से कच्ची सड़क बनाया गया। लेकिन बरसात में सड़क कच्ची और ढलान रहने से मिट्टी बह जाती है। पक्की सड़क के लिए कई बार गुहार लगाई लेकिन अब तक कोई सुनवाई नही हुई। ग्रामीणों ने कहा कि यदि सड़क और पेयजल की व्यवस्था नहीं हुई तो आंदोलन ही एकमात्र विकल्प है।

मौजावार विशेष शिविर आयोजित करें : उपायुक्त

- **लोहरदगा बाईपास परियोजना में भूमि अधिग्रहण के मामलों में मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया निष्पादित करें**

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ ताराचंद की अध्यक्षता में लोहरदगा जिला अंतर्गत विभिन्न योजनाओं में भू-अर्जन संबंधित मामलों समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने भू-अर्जन पदाधिकारी को जिला के एनएच-143 ए अंतर्गत लोहरदगा बाईपास पथ निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के आलोक में नियमानुकूल मुआवजा की राशि जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि लोहरदगा बाईपास पथ के लिए भूमि-अधिग्रहण का कार्य हो चुका है। परंतु सभी प्राप्त अभिलेखों में रैयतों को मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया बहुत ही धीमी है जो बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। अभी भी काफी संख्या में रैयतों के भुगतान का मामला लंबित है जिसमें भुगतान की गति को तीव्र करते हुए निष्पादित करने की नितांत आवश्यकता है। लोहरदगा जिला के विकास के लिए बाईपास पथ की यह परियोजना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस पथ के निर्माण हो जाने के बाद शहरी क्षेत्र ट्रैफिक लोड कम हो जाएगा और जाम की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। भूमि-अधिग्रहण के उपरांत रैयतों का ससमय भुगतान नहीं होने से परियोजना और इससे जुड़े विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसलिए मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया जल्द सम्पन्न कराएं ताकि परियोजना समय पर पूर्ण हो सके। जिन रैयतों का अभिलेख सत्यापित हो चुका है उनका भुगतान करें। अगस्त माह में विशेष शिविर का आयोजन संबंधित मौजा में आयोजित किया जाए। उपायुक्त ने एनएच 75 अंतर्गत कुडू-उदयपुरा पथ परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण व भुगतान के वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा परियोजनाओं के लिए भूमि की अधियाचना की समीक्षा की गई और उक्त परियोजना के लिए भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में अपर समाहर्ता जितेंद्र मुण्डा, भू-अर्जन पदाधिकारी सुजाता कुजूर, अंचल अधिकारी किस्को अजय कुमार, अंचल अधिकारी सदर अंचल आशुतोष व अंचल के कर्मचारी उपस्थित थे।

नगर परिषद की विशेष बैठक में उपायुक्त ने दिए साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण को लेकर निर्देश, कहा

भूमि चिन्हित कर आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार करे

- **शहीद स्मारकों और अन्य महापुरुषों की मूर्तियों की मरम्मत व सौंदर्यीकरण शीघ्र कराने पर जोर दिया**

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। नगर परिषद गुमला की विशेष समीक्षात्मक बैठक शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में शहरी व्यवस्था को दुरुस्त करने, नागरिक सुविधाओं में सुधार लाने और नगर की सुंदरता को बनाए रखने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में उपायुक्त ने साफ-सफाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर परिषद क्षेत्र में नियमित रूप से फॉगिंग, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और साफ-सफाई की सघन निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने शहीद स्मारकों और अन्य महापुरुषों की मूर्तियों की मरम्मत व सौंदर्यीकरण शीघ्र कराने पर जोर दिया। शहर को प्रकाशमय बनाने हेतु उपायुक्त ने प्रमुख स्थलों पर स्ट्रीट लाइट लगाने, पुराने व जर्जर खंभों को हटाने तथा शहीद चौक और नगर भवन के सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। बस स्टैंड और ट्रैफिक व्यवस्था पर विशेष फोकस उपायुक्त ने करमडीपा क्षेत्र में प्रस्तावित नए बस स्टैंड हेतु अंचल अधिकारी को भूमि चिन्हित कर आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने को कहा। वहीं, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने को लेकर उन्होंने बिना अनुमति के खड़ी बसों पर जुर्माना लगाने और जाम की समस्या के स्थायी समाधान हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

व्यवसायिक अनुशासन और नागरिक सुविधाओं पर बल दुकानों के बाहर अतिक्रमण रोकने के लिए सख्ती बरतने की बात कही गई। इसके अलावा, व्यापारियों के लिए ट्रेड लाइसेंस नवीनीकरण हेतु विशेष कैंप और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। प्रशासनिक सुधार के संकेत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत प्रक्रिया में सुधार, राजस्व संग्रहण के लिए विशेष अभियान, और जन शिकायत निवारण दिवस को नियमित रूप से आयोजित करने की बात भी बैठक में प्रमुखता से रखी गई। बैठक में नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारी, नगर परिषद कर्मी सहित अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

चित्रों में जागरूकता

भारत विकास परिषद की पर्यावरण चित्रकला प्रतियोगिता में अंकिता प्रथम

- **विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए अतिथियों ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं**

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गुमला में भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित विद्यालय स्तरीय पर्यावरण चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं की छात्रा अंकिता कुमारी ने अपनी सृजनात्मकता और कलात्मक अभिव्यक्ति से सभी को प्रभावित करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं तृप्ति कुमारी को द्वितीय स्थान और कक्षा आठवीं की आकृति कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए अतिथियों ने उनकी प्रतिभा की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री संजीव कुमार सिंहा सहित भारत विकास परिषद के कई सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें संरक्षक निर्मल कुमार गोयल, अध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता, सचिव राकेश कुमार वर्मा, पर्यावरण संयोजक मनमोहन सिंह और सदस्य संचित कुमार सिंह शामिल थे। अतिथियों ने संयुक्त रूप से पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में रचनात्मक सोच, सामाजिक जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में सहायक होते हैं। यह प्रतियोगिता भारत विकास परिषद की उन महत्वपूर्ण गतिविधियों का हिस्सा है, जिनके माध्यम से संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा और संस्कृति के क्षेत्र में सतत योगदान दे रही है।

रांची नगर निगम ने शुरू की स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता

नवीन मेल संवाददाता

- **रांची को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने की पहल**

रांची। रांची को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने की दिशा में रांची नगर निगम ने एक शानदार पहल की शुरुआत की है। 1 अगस्त 2025 से 'स्वच्छ वार्ड प्रतियोगिता–2025' की औपचारिक शुरुआत की गई है।

इस प्रतियोगिता का मकसद है – हर वार्ड को साफ रखना और लोगों में साफ-सफाई को लेकर गर्व की भावना बढ़ाना। इस मौके पर उप नगर आयुक्त रवींद्र कुमार और गौतम प्रसाद साहू की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस प्रतियोगिता में रांची के सभी वार्ड शामिल होंगे। हर वार्ड की सफाई व्यवस्था, नागरिकों की भागीदारी, नालियों की स्थिति, कचरा प्रबंधन और सफाईकर्मियों के कामकाज के आधार पर अंक दिए जाएंगे। सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले सफाई सुपरवाइज़र और जोनल सुपरवाइजर को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र भी मिलेगा।

प्रतियोगिता के तहत हर वार्ड के एमपीएस यानी माइक्रो प्लानिंग सुपरवाइजर को अपने वार्ड की सफाई की जिम्मेदारी दी गई है। हर हफ्ते इनकी सफाई व्यवस्था की जांच की जाएगी। इस जांच के आधार पर 60% अंक फील्ड निरीक्षण से और 40% अंक मानसिक प्रदर्शन व जिम्मेदारी निभाने के आधार पर दिए जाएंगे।

नगर निगम के अधिकारियों ने यह भी साफ किया कि सड़क पर कूड़ा फैला हुआ ना मिले, और सफाईकर्मी काम के दौरान सुरक्षा के लिए जरूरी पीपीई किट (ग्लव्स, मास्क आदि) का इस्तेमाल करें।

रांची नगर निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में भागीदार बनें।

भरनो में शिक्षकों और कर्मियों ने एकजुट होकर किया यूनिफाइड पेंशन स्कीम का विरोध

भरनो (गुमला)। यूनिफाइड पेंशन स्कीम और न्यू पेंशन स्कीम के खिलाफ विरोध की आवाजें तेज होती जा रही हैं। शुक्रवार को भरनो प्रखंड के तुरिअम्बा गांव स्थित अपग्रेड प्लस टू उच्च विद्यालय में शिक्षकों और कर्मचारियों ने एकमत से यूपीएस और एनपीएस का विरोध करते हुए ओल्ड पेंशन स्कीम की बहाली की मांग की। विद्यालय परिसर में प्रदर्शन के दौरान सभी शिक्षक एवं कर्मी अपने-अपने कार्यस्थल पर बैनर लगाकर और नारेबाजी करते हुए यूपीएस-एनपीएस को कर्मचारी विरोधी बताते हुए ओपीएस को ही एकमात्र सुरक्षित पेंशन योजना घोषित करने की अपील की। प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि देश के अन्य राज्यों की तरह झारखंड में भी ओपीएस को फिर से लागू किया जाए। इस सामूहिक प्रदर्शन में प्राचार्य बलबीर तिग्गा के नेतृत्व में शिक्षक फबियानुस टोप्पो, अनिल कुमार पन्ना, कवल नवीन तिग्गा, संतोष कुमार, योगेश उरांव, कमलेश उरांव, सुनीता कुमारी, कुशमा कुमारी, सुषमा मुंडा, प्रीति सुमन पांडेय, अजीता, शिल्पा, शनिला, मिथिला, पूनम समेत अन्य सभी शिक्षक एवं कर्मी शामिल रहे।

जन समाधान व लोक सेतु पोर्टल का हुआ लोकार्पण

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। चतरा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में दो दिवसीय कृषि उद्यम मेला 2025 का भव्य उद्घाटन हुआ जिसका उद्देश्य किसानों को सीधे बाजार से जोड़ना और बिचौलियों की भूमिका को समाप्त करना है। कार्यक्रम में 40 से अधिक स्टॉल, 10 से ज्यादा कृषि विशेषज्ञ और 30 से अधिक राष्ट्रीय खरीदार कंपनियां जैसे अमूल, रिलायंस, सुविधा मार्ट, टोकरी फ्रेश आदि शामिल हुईं।

मेले के दौरान जन समाधान और लोक सेतु पोर्टल का शुभारंभ किया गया जिससे किसान और आम नागरिक अब योजनाओं का लाभ डिजिटल माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे। अपनी शिकायतों की स्थिति देख सकेंगे और समाधान भी पा सकेंगे।

उपायुक्त कीर्तिश्री ने इस आयोजन को केवल प्रदर्शनी नहीं बल्कि चतरा के किसानों के नवाचार और परिश्रम को मंच देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि यह मेला वोकल फॉर लोकल और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी पहलों को जमीन पर उतारने का प्रयास है। उन्होंने राष्ट्रीय खरीदार कंपनियों से अपील की कि वे चतरा के उत्पादों को अपने बाजार से जोड़ें और जिले को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में अपनाएं। गव्य निदेशक जिशान कमर ने चतरा की टमाटर उत्पादन परंपरा की सराहना करते हुए किसानों को तकनीक प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। जिला परिषद उपाध्यक्ष बृज किशोर तिवारी ने युवाओं से मादक पदार्थों की खेती से दूर रहकर फल फूल और सब्जियों की खेती की ओर बढ़ने की अपील की।

कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान उदय दांगी ने अपने अनुभव साझा किए और एसएचजी तथा एफपीओ की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी से महिला सशक्तिकरण को बल मिला। पलाश ब्रांड के तहत सरसों तेल अचार दाल हल्दी जैसे उत्पादों ने आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की। भूमि संरक्षण गव्य विकास मत्स्य और पशुपालन से जुड़े स्टॉलों पर किसानों को योजनाओं की जानकारी दी गई। सायल हेल्थ कार्ड व आत्मा योजना के तहत प्रशिक्षण मिट्टी परीक्षण और एक्सपोजर विजिट की सुविधा का उल्लेख किया गया। कार्यक्रम का दूसरा दिन 2 अगस्त को संवाद सत्रों और पुरस्कार वितरण के साथ आयोजित होगा।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल,
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–04/2025-26/EE/BCD/DIV-2,RANCHI.दिनांक–31.07.2025

1.	कार्य का नाम	Construction of Retiring Room Near Main Electric Panel in the Campus of Jharkhand High Court, Ranchi
2.	प्राक्कलित राशि (रू0)	राशि रू0 52,36,600.00/– (बावन लाख छत्तीस हजार छह सौ रूपये) मात्र।
3.	कार्य पूर्ण की अवधि	3 (दो) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	07.08.2025 को 11:00 बजे
5.	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	14.08.2025 को 11:00 बजे तक
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची।
7.	निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	18.08.2025 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची।
7.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	6203309676
8.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	7992430721

9. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
10. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रकिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
11. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।
- अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग,
PR 358769 Building(25-26)#D भवन प्रमण्डल संख्या–02, राँची

वन संरक्षण में अनुकरणीय योगदान के लिए अमलीया के जगजीवन सिंह को मिला राज्यस्तरीय सम्मान

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के अमलीया गांव निवासी और संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सक्रिय सदस्य जगजीवन सिंह को झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित 76वें राजकीय वन महोत्सव के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। वन संवर्द्धन एवं संरक्षण में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए जगजीवन सिंह को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो एवं उपस्थित मंत्रियों के हाथों प्रशस्ति पत्र और 21,000 का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। जगजीवन सिंह ने वन प्रबंधन समिति अमलीया पीएफ के सदस्य के रूप में जंगलों और वन्यजीवों की रक्षा में उल्लेखनीय कार्य किया है। इन्होंने वर्षों से ग्रीष्मकालीन वन अग्नि से जंगलों को बचाने के लिए ग्रामीणों के सहयोग से लगातार अभियान चलाया है।

बारिश में मिट्टी का घर गिरा, गरीब परिवार हुआ बेघर

- **माले नेता ने मुआवजा की मांग की**

नवीन मेल संवाददाता

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड के मंझने पंचायत अंतर्गत डढकोल में बीती रात तेज बारिश के कारण तीन गरीब परिवारों के कच्चे मकान धराशायी हो गए। किसनु राय (पिता स्व. द्वारिका राय), लालो राय (पिता स्व. बदरी राय) और कुलेश्वर यादव (पिता छकन यादव) के घरों की दीवारों में दरारें पड़ने के बाद मकान ढह गए, जिससे ये परिवार खुले आसमान के नीचे आ गए।

किसनु राय ने बताया कि घर गिरने के बाद उनके परिवार को रात बिताने की भी चिंता सताने लगी है। उन्होंने कहा कि अब कहां रहें और कैसे गुजारा करें, समझ नहीं आ रहा है। इस घटना पर भाकपा माले प्रखंड सचिव सकलदेव यादव ने सरकार से पीड़ित परिवारों को अविलंब मुआवजा व पुनर्वास की मांग की है। उन्होंने कहा कि ये सभी परिवार मेहनत-मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं, लेकिन अब तक इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या अबुआ आवास योजना का लाभ नहीं मिला है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन लोगों को सरकारी आवास मिला है, उन्हें भी कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा परेशान किया जा रहा है और घर बनाने से रोका जा रहा है। यादव ने प्रशासन से मांग की कि पीड़ितों की जमीन को दबंगों से मुक्त कराकर उन्हें सुरक्षित आवास की व्यवस्था दी जाए। इधर मुखिया रूपाश्री सिंह ने कहा कि 3 में दो लाभुकों का आवास स्वीकृत हो गया है। एक अन्य लाभुक को आवास दिलाने का प्रयास जारी है।

मौके पर नारायण यादव, संजय दास, बिरजू यादव, शांति देवी, मुन्नी देवी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(झारखण्ड राज्य बागवानी मिशन)

एम0आई0डी0एच0- राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजनान्तर्गत विभिन्न परियोजना आधारित कार्य अवयवों की स्थापना/क्रियान्वयन हेतु आवेदन आमंत्रण संबंधी सूचना

झारखण्ड राज्य में बागवानी विकास के कार्यों को बढावा देने के लिए एम0आई0डी0एच0- राष्ट्रीय बागवानी मिशन वित्तीय वर्ष 2025-26 योजनान्तर्गत नर्सरी, हाई-टेक प्लग टाईप नर्सरी, टीशू कल्चर इकाई, सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टीकल्चर क्रॉप्स, प्रामाणिक प्रतिमानों के अनुरूप बागान के आधारभूत संरचना को उन्नत बनाना (Upgrading nursery infrastructure to meet accreditation norms), मशरूम कार्य अवयव अन्तर्गत उत्पादन इकाई, कवक निर्माण इकाई, खाद निर्माण इकाई, फसलोपरांत समेकित प्रबंधन अंतर्गत फार्म गेट पैक हाउस, पूर्व शीतलन इकाई (Pre-Cooling Unit), मोबाईल प्री कुलिंग इकाई, शीत घर (स्टेजिंग), कोल्ड स्टोरेज, प्रशीतित परिवहन वाहन, प्राथमिक/न्यूनतम प्रसंस्करण इकाई, पक्वन कक्ष, बागवानी उत्पादन हेतु विपणन ढांचे की स्थापना अन्तर्गत खुदरा बाजार/दुकानें (पर्यावरण नियंत्रित), प्रदर्शन/अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के जरिए तकनीक का प्रचार-प्रसार इत्यादि कार्य अवयवों की स्थापना की जानी है।

इच्छुक लाभुक/कृषक/स्वयं सहायता समुह/ सहकारी समिति/महिला मंडल/किसान उत्पादक समूह (FPO) परियोजना आधारित कार्य अवयवों का लाभ प्राप्त करने हेतु विहित प्रपत्र में अपना आवेदन स्थानीय निकाय निर्वाचित प्रतिनिधि के अनुशंसा सहित आवश्यक बैंक ऋण स्वीकृति पत्र एवं विस्तृत परियोजना प्रस्ताव के साथ दिनांक 25.08.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक मुहरबंद लिफाफा में संबंधित जिला के जिला उद्यान कार्यालय में समर्पित कर सकते है। अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अल्पसंख्यक/ महिला/ दिव्यांग/ लघु एवं सीमान्त किसान/ टाना भगत को प्राथमिकता के आधार पर लाभान्वित किया जायेगा।

आवेदन जमा करने मात्र से यह नहीं समझा जाय कि परियोजना की स्वीकृति प्राप्त हो गयी है, अत: इस संबंध में कोई भी दावा स्वीकार्य नही होगा। इस संबंध में सक्षम स्तर का निर्णय अंतिम होगा। विस्तृत विज्ञापन, मार्गदर्शिका, शर्तें एवं आवेदन की प्रति वेबसाईट **www.nhmjharkhand.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

मुहरबंद लिफाफा के ऊपर सुस्पष्ट अक्षरों में परियोजना/कार्य अवयव का नाम, आवेदनकर्ता का नाम एवं पत्राचार का पता, कार्यरत मोबाईल नम्बर तथा वैध ईमेल आई0डी0 अंकित होना आवश्यक है। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वत: अस्वीकृत समझे जायेंगे। विलम्ब के लिए कोई भी कारण मान्य नही होगा। आमंत्रित आवेदन को बिना कारण बताये स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

ह0/-
निदेशक,
झारखण्ड राज्य बागवानी मिशन,
तृतीय तल्ला, कृषि भवन, कांके रोड, रांची- 834008

PR 358758 (Agriculture) 25-26 (D)

सुप्रभात

विचार प्रवाह

प्रेम, ध्यान और आत्मबोध पर केंद्रित हैं। वे जीवन को पूरी तरह से जीने, समाजिक बंधनों से मुक्त होने और वर्तमान क्षण में रहने की सीख देते हैं। उनके अनुसार, सच्चा धर्म भीतर से आता है। **-ओशो**

संपादकीय

अमेरिका से दोस्ती और टैरिफ

मित्रता का अर्थ बिना शर्त अधीनता नहीं है। फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रति अपने प्रेम का इजहार किया, जिन्होंने भारी ऋण और निवेश का वादा किया था, लेकिन जब एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने कुछ विवादित द्वीपों को मनीला को सौंप दिया, तो दोनों देश एक-दूसरे से भिड़ गए। चीन के साथ अपनी दोस्ती को पाकिस्तान पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और मधु से ज्यादा मीठा बताता रहा है, लेकिन अब वह चीन के सबसे बड़े दुश्मन अमेरिका के साथ दोस्ती के गीत गा रहा है। भारत-अमेरिका के बीच संबंध ठीक-ठाक चल रहे थे, लेकिन अपनी दूसरी बारी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आक्रामक रुख अपनाने का फैसला कर लिया। जुलाई में भारत जब अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा था, तो ट्रंप प्रशासन ने भारतीय आयातों पर 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया और रूस से तेल एवं हथियार खरीदने पर अतिरिक्त जुर्माना भी लगा दिया। अपनी मंशा स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने कहा कि ब्रिक्स समूह (जिसमें भारत एक संस्थापक सदस्य है) मूलतः अमेरिका विरोधी है और डॉलर पर हमला करना चाहता है, लेकिन वह किसी को भी डॉलर पर हमला नहीं करने देंगे। इसलिए भारत के खिलाफ उनके टैरिफ आंशिक रूप से ब्रिक्स और आंशिक रूप से व्यापार के लिए लगाए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने कई देशों के नेताओं से बात की है, और वे सभी अमेरिका को 'बेहद खुश' करना चाहते हैं। हो सकता है कि किसी ने उन्हें कहा हो कि उनका टैरिफ आतंकवाद भारत को रूस के और करीब ले जाएगा। शायद इसी कारण गुस्से में उन्होंने पोस्ट किया कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भारत रूस के साथ क्या करता है और वे 'अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ नीचे ले जा सकते हैं, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।' ट्रंप की उन लोगों के प्रति बेलगाम शत्रुता, जो उनके वफादार अनुयायी बनने से इन्कार करते हैं, उन्हें अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के लिए मजबूर करती है। भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक चुनौतियों और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के बीच अमेरिका की बढ़ती नकारात्मक छवि के कारण, 2025 में अमेरिका में पर्यटकों का आगमन आधा होने की संभावना है। एक ऐसे देश में, जिसने स्वतंत्रता प्रेमियों और मानवीय भावना को महत्व देने वालों को आकर्षित किया, ट्रंप स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के वादे को फिर से लिख रहे हैं। अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं को पर्यटकों की कमी का एहसास हो रहा है, जून 2025 में विदेशी पर्यटकों के आगमन में छह फीसदी से ज्यादा की गिरावट आने की संभावना है। एक आलोचक ने पोस्ट किया है कि अगर ट्रंप का ब्रेन स्कैन कराया जाए, तो उसमें हड़प्पा के खंडहरों जैसी बहुत ज्यादा संरचनाएं (कैल्सीफिकेशन) दिखाई देंगी! डोनाल्ड ट्रंप को पता होना चाहिए कि एशियाई लोग टैरिफ के झटके को उन अमेरिकियों की तुलना में कहीं ज्यादा आसानी से झेल सकते हैं, जो मुश्किलें बर्दाश्त नहीं कर सकते। मेक अमेरिका ग्रेट एगेन के नारों के बावजूद अमेरिका पूरी तरह से सब्सिडी पर चलने वाला बेरोजगारों का देश है। ट्रंप से दुखी होकर रूस और चीन ब्रिक्स के केंद्र के रूप में रिक यानी रूस, भारत और चीन के समूह का प्रस्ताव रख चुके हैं। लेकिन भारत इसका सदस्य नहीं बन सकता, क्योंकि वह चीन पर कभी भरोसा नहीं करेगा।

चीन के साथ अपनी दोस्ती को पाकिस्तान पहाड़ों से ऊंचा, समुद्र से गहरा और मधु से ज्यादा मीठा बताता रहा है, लेकिन अब वह चीन के सबसे बड़े दुश्मन अमेरिका के साथ दोस्ती के गीत गा रहा है।

हर मां का अधिकार, हर शिशु का जीवनाधिकार है स्तनपान

● 1 से 7 अगस्त: विश्व स्तनपान सप्ताह

आज की बात

प्रो. आरके जैन

स्तनपान केवल एक प्राकृतिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि मां और शिशु के बीच एक अटूट बंधन, स्वास्थ्य का आधार और भावनात्मक जुड़ाव का सबसे प्राकृतिक स्त्रोत है। हर साल 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाने वाला विश्व स्तनपान सप्ताह इस महत्व को रेखांकित करता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर स्तनपान के लाभों को प्रचारित करना, भ्रांतियों को दूर करना और समाज के हर वर्ग को इसके प्रति जागरूक करना है। यह सप्ताह केवल मां और शिशु तक सीमित नहीं, बल्कि परिवार, समुदाय, कार्यस्थल और नीति-निर्माताओं को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, जन्म के पहले घंटे में शिशु को मां का पहला दूध, यानी कोलोस्ट्रम, देना अनिवार्य है। यह गाढ़ा, पीला दूध शिशु की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने वाला अमृत है, जिसमें एंटीबॉडीज और पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। डब्ल्यूएचओ की सिफारिश है कि पहले छह महीने तक शिशु को केवल मां का दूध दिया जाए और फिर दो साल तक ऊपरी आहार के साथ स्तनपान जारी रखा जाए। यह शिशु के शारीरिक, मानसिक और संज्ञानात्मक विकास के लिए सर्वोत्तम माना जाता है।

स्तनपान शिशु को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है और कई जानलेवा बीमारियों से सुरक्षा देता है। शोध बताते हैं कि मां के दूध में मौजूद एंटीबॉडीज शिशु को डायरिया, निमोनिया, श्वसन संक्रमण और यहां तक कि दीर्घकालिक बीमारियों जैसे मधुमेह और मोटापे से बचाते हैं। एक अध्ययन के अनुसार, स्तनपान करने वाले बच्चों का आईक्यू औसतन 3-7 अंक अधिक होता है, जो उनके संज्ञानात्मक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार, यदि वैश्विक स्तर पर छह महीने तक विशेष स्तनपान को बढ़ावा दिया जाए, तो हर साल 8 लाख से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सकती है। इसके अलावा, स्तनपान शिशु में एलर्जी, अस्थमा और आंतों के रोगों के जोखिम को भी कम करता है।

मां के लिए भी स्तनपान अनेक लाभकारी है। यह प्रसवोत्तर रक्तस्त्राव को नियंत्रित करने और गर्भाशय को सामान्य स्थिति में लाने में मदद करता है। शोधों के अनुसार, स्तनपान करने वाली माताओं में स्तन कैंसर का जोखिम 25% तक और डिम्बग्रंथि कैंसर का जोखिम 30% तक कम हो सकता है। इसके अलावा, यह टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोगों से भी बचाव करता है। स्तनपान एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक के रूप में भी कार्य करता है, जिसे लैक्टेशनल एमेनोरिया मेथड कहा जाता है, हालांकि यह पूरी तरह विश्वसनीय नहीं है। भावनात्मक दृष्टिकोण से, स्तनपान मां और शिशु के बीच गहरा जुड़ाव बनाता है, जो मां के मानसिक स्वास्थ्य और शिशु की भावनात्मक स्थिरता को बढ़ावा देता है।

विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल एक नई थीम के साथ आता है, जो वैश्विक आवश्यकताओं और चुनौतियों को उजागर करता है। वर्ष 2025 की थीम, "स्तनपान के लिए समावेशी समाज का निर्माणः सभी के लिए समान अवसर," इस बात पर बल देती है कि स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए समाज के हर वर्ग की भागीदारी जरूरी है।

आधुनिक युग में, जहां कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, कार्यस्थलों पर स्तनपान के लिए अनुकूल वातावरण बनाना आवश्यक है। इसमें निजी और स्वच्छ स्तनपान कक्ष, दूध संग्रह की सुविधाएं, और पर्याप्त ब्रेक का प्रावधान शामिल है। भारत में मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के तहत 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश एक सकारात्मक कदम है, लेकिन असंगठित क्षेत्र की महिलाओं के लिए ऐसी सुविधाओं की कमी अभी भी एक बड़ी बाधा है। एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में केवल 30% कार्यस्थलों पर स्तनपान के लिए उपयुक्त सुविधाएं हैं, जो इस दिशा में समावेशी और समान प्रयासों की जरूरत को रेखांकित करता है।
सामाजिक दृष्टिकोण से, स्तनपान को लेकर कई भ्रांतियां और संकोच अभी भी मौजूद हैं। सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कराना कई महिलाओं के लिए असहजता और सामाजिक दबाव का कारण बनता है। कुछ समाजों में इसे अशोभनीय माना जाता है, जो एक गलत धारणा है। विश्व स्तनपान सप्ताह का एक प्रमुख उद्देश्य इन रूढ़ियों को तोड़ना और स्तनपान को एक सामान्य, गरिमामय और प्राकृतिक प्रक्रिया के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता अभियान, जैसे टीवी, रेडियो और डिजिटल मीडिया पर सूचनात्मक विज्ञापन, माताओं की प्रेरक कहानियां और सामुदायिक स्तर पर चर्चाएं महत्वपूर्ण हैं।

स्तनपान को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा और जागरूकता का प्रसार महत्वपूर्ण है। किशोरियों और युवतियों को स्कूलों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से मातृत्व और स्तनपान के बारे में जानकारी देना जरूरी है। इससे वे मातृत्व के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार हो सकती हैं। भारत में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी सेवाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। हालांकि, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता के स्तर में अभी भी असमानता है। उदाहरण के लिए, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के अनुसार, भारत में केवल 64% शिशुओं को जन्म के पहले घंटे में स्तनपान कराया जाता है, जो वैश्विक मानकों से कम है।

सरकार और गैर-सरकारी संगठनों को मिलकर स्तनपान के समर्थन में ठोस नीतियां और अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए कार्यस्थलों पर सख्त दिशानिर्देश, स्वास्थ्य केंद्रों में परामर्श सेवाएं, और सामुदायिक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आवश्यक हैं। भारत में "मां" (एमएए - मदर्स एबसोल्यूट अफेक्शन) कार्यक्रम एक सकारात्मक पहल है, जिसके तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाता है और माताओं को स्तनपान के लाभों के बारे में जागरूक किया जाता है। इसके बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शहरी क्षेत्रों में व्यस्त जीवनशैली इस प्रक्रिया में बाधा बनती है।

स्तनपान केवल एक व्यक्तिगत कर्तव्य नहीं, बल्कि एक सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। एक स्वस्थ पीढ़ी का निर्माण तभी संभव है, जब मां और शिशु को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक समर्थन मिले। विश्व स्तनपान सप्ताह हमें याद दिलाता है कि हर मां को सम्मान के साथ, बिना किसी संकोच या भय के, कहीं भी और कभी भी स्तनपान कराने का अधिकार है। यह केवल एक सप्ताह का आयोजन नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें नीति, शिक्षा, व्यवहार और सहानुभूति का समावेश होना चाहिए। यदि हम सभी मिलकर स्तनपान के अनुकूल वातावरण बनाएं, तो यह न केवल शिशुओं के बेहतर स्वास्थ्य की गारंटी देगा, बल्कि एक मजबूत और स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। यह सप्ताह हमें प्रेरित करता है कि हम इस दिशा में छोटे-छोटे कदम उठाएं, जो भविष्य में बड़े बदलाव ला सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

बेटी को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी, पर स्त्रीत्व का भाव भी न भूलें

अलग बात

रीना सिंह

आज की तेज़ रफ्तार दुनिया में हम बेटियों को आत्मनिर्भर, शिक्षित और सक्षम बनाने की दिशा में लगातार प्रयासरत हैं, लेकिन क्या हमने कभी यह सोचने की कोशिश की कि इस प्रक्रिया में कहीं हम उसकी "नारी सुलभ कोमलता", भावनात्मक जुड़ाव और पारिवारिक संस्कार तो नहीं खो बैठे? समाजशास्त्री, योगाचार्य और ज्योतिषाचार्य सुचिता सिंह रघुवंशी के अनुभवों के अनुसार, उनके पास आए दिन ऐसे माता-पिता आते हैं जो कहते हैं-"हमारी बेटी अब हमारी बात नहीं मानती", "उसकी ज़िंदगी में अब हमारे लिए कोई स्थान नहीं है", या "वह अब शादी के लिए तैयार ही नहीं है।" ऐसी समस्याओं की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ रही है, और यह एक गहरी सामाजिक चिंता का विषय बन चुकी है। दरअसल, जब बेटियों को केवल करियर और आत्मनिर्भरता की राह पर प्रेरित किया जाता है, तो अनजाने में उनके मन-मस्तिष्क में यह बात बैठा दी जाती है कि "तुम्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना है, तुम्हें खुद सब कुछ करना है।" यही वह बिंदु है जहां मूलभूत गलती होती है। आत्मनिर्भरता ज़रूरी है, लेकिन यह मान लेना कि वही जीवन का लक्ष्य है, एक सीमित और एकांगी दृष्टिकोण है। जीवन केवल नौकरी और प्रमोशन से नहीं चलता, वह रिश्तों की गर्माहट, समझदारी और त्याग की नींव पर खड़ा होता है।

आज हम देख रहे हैं कि:

- **विवाह में अनावश्यक देरी हो रही है**
- **लड़कियाँ विवाह के लिए अव्यावहारिक शर्तें रख रही हैं**
- **वैवाहिक जीवन में सामंजस्य की कमी, अलगाव और यहां तक कि विवाहेतर संबंधों तक की स्थितियाँ बन रही हैं**

यह स्थिति तब बनती है जब बचपन से ही बेटियों को यह सिखाया जाता है कि पढ़ाई ज़रूरी है, करियर ज़रूरी है, नौकरी और प्रमोशन पहले हैं-और विवाह, परिवार और संबंध बाद में। नतीजा यह होता है कि बेटियाँ तो सफल हो जाती हैं, लेकिन संवेदना, सामंजस्य और पारिवारिक समर्पण के भाव उनसे दूर हो जाते हैं। कई माता-पिता दुखी होकर कहते हैं -"अब हमारी बेटी हमारी नहीं रही।" लेकिन कहीं न कहीं इसमें माता-पिता की भी भूमिका है। जब बेटियों के मन में ममता, त्याग, सहनशीलता और स्नेह के बीज बोने का समय था, तब हमने केवल महत्वाकांक्षा के बीज बोए। परिणामस्वरूप, आज की बेटियाँ तो उड़ना जानती हैं, लेकिन लौटकर आना नहीं। यह आलेख किसी भी तरह से बेटियों की शिक्षा या उनके सशक्तिकरण के खिलाफ नहीं है। यह केवल एक संतुलित दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है - जहां आत्मनिर्भरता के साथ-साथ "स्त्रीत्व" को भी महत्व दिया जाए। इसलिए ज़रूरी है कि बेटियों को पढ़ाएं, आत्मनिर्भर बनाएं, पर साथ ही उनके भीतर संवेदना, अपनापन, और परिवार के लिए समर्पण जैसे गुणों का भी विकास करें। वरना एक दिन वह बेटी, न आपकी रहेगी, न खुद की। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

रूस यूक्रेन युद्ध, भारत की हनक और मिस्टर प्रेसिडेंट की कुंठा का ट्रंप कार्ड

देश की बात

केदारनाथ दास

ट्रंप अब उन देशों पर टैरिफ लगाने जा रहे हैं जो रूस से तेल खरीदते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के करीबी लिंडसे ग्राहम के एक साक्षात्कार की मानें तो रूस से तेल खरीदने वाले देश यूक्रेन के खिलाफ जंग के लिए पैसे जुटाने में मास्को की मदद कर रहे सभी देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी की जा रही है। भारत, ब्राजील और चीन का नाम लेकर उन्होंने यह दावा किया कि अगर ये देश सस्ता रूसी तेल खरीदते रहे तो पुतीन को ब्लड मनी मुहैया कराने के लिए उन्हें पूरी तरह से तहस नहस व तबाह कर दिया जाएगा। लिंडसे के इस वक्तव्य पर अभी उस भारत की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है जो न केवल रुस का पारंपरिक दोस्त है बल्कि जिसके प्रधानमंत्री ने कभी अमेरिकी राष्ट्रपति को "मिस्टर प्रेसिडेंट" कहने के बजाय "नाम" के साथ संबोधित करने का "साहस" कर दिखाया है। बताते चलें कि भारत का यह साहस तत्कालीन राष्ट्रपति ओबामा को कुछ ऐसा चुभा कि "भारत एक महाशक्ति बन सकता है अगर भारत विखंडित नहीं होता, जातिगत रेखाओं पर नहीं टूटता, धार्मिक रेखाओं पर नहीं टूटता, क्षेत्रीय रेखाओं पर नहीं टूटता और किसी भी रेखा पर नहीं टूटता है" जैसा बयान देते नजर आने लगे।ओबामा ने यह बयान हल्के फुल्के अंदाज में या भारत के प्रति किसी चिंता में नहीं बल्कि एक तरह से धमकी भरे अंदाज में दिया था। इस धमकी की पृष्ठभूमि देखिए कि पश्चिमी दुनिया को संपेरों के देश भारत में अब जाति व्यवस्था, धार्मिक भेदभाव व क्षेत्रीय असहिष्णुता नजर आने लगी और इनमें एक आसान सा फॉल्टलाइन भी नजर आने लगा। दुर्भाग्यवश इस धमकी भरे बयान का असर भी दिखने लगा और अब चुनावों में अल्पसंख्यकों के शोषण, क्षेत्रीय अस्मिता व जाति गणना जैसे मुद्दों को भरपूर हवा देने की कोशिश की जाने लगी। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति से जुड़े इस प्रसंग के बाद विपक्षी दलों विशेषकर राहुल गांधी का व्यवहार देखें तो लगता है उन्हें वही सब बातें पसंद हैं जिनके रहते अमेरिका जैसे किसी पूंजीवादी देश को भारतीय हनक का कोई राग पसंद नहीं है। ऐसा भी तब है जबकि एक संप्रभु व प्रगतिशील राष्ट्र होने के कारण भारत को भी अमेरिका के समकक्ष खड़ा होने का पूरा पूरा अधिकार है। इसके बावजूद खुद को विश्व का स्वयंभू सरदार मानने वाले अमेरिका को जब यह सबकुछ नामंजूर है तो उसने एक संकेत दे दिया कि किस तरह से भारत को तोड़ा जा सकता है और हमने भी इस टूलकीट को लपकने में कोई देर नहीं लगाई! आज नतीजा सामने है जबकि ओबामा से एक कदम आगे बढ़ते हुए ट्रंप ने भारत को आंखें तरेरने की कोशिश शुरू कर दी है। अब टूलकीट पर टूर्नामेंट खेलने वाले तत्वों से कौन पूछे कि न बराक अंतिम थे, न ट्रंप अंतिम हैं और न ग्राहम लिंडसे का तथाकथित साक्षात्कार ही अंतिम है। ऐसा इसलिए कि चुनाव जीतने की कुंठा में हम तथाकथित फॉल्टलाईनों के भरोसे भारत के टुकड़े टुकड़े करने की अपनी ही करतूतों से अमेरिकी थिंक टैंक का मनोबल बढ़ाने में लगे हुए हैं। ऐसे कई सवाल हैं जबकि जिहादी टेकओवर या लेफ्टिस्ट अपराइजिंग की वक्र दृष्टि के सवाल हम पहले से कायम हैं फिर भी विरोध के नाम पर हम आत्मघाती करतूतों, क्षेत्रीय अस्मिता, भाषा, दलित व पिछड़ी जातियों की भावनाओं के बेजा इस्तेमाल और सेक्युलरिज्म के नाम पर देश को कटघरे में खड़ा करने वाले टूर्नामेंटखेलने में मशगूल हैं। बहरहाल मजबूत भारत को आज अमेरिका के दंडात्मक शुल्क की कोई चिंता नहीं करनी है, न अमेरिकी थिंक टैंक से परेशानी है और न बयानवीर ट्रंप के बेतरतीब बयानों को लेकर परेशान होने की कोई जरूरत है। परेशानी सिर्फ इतनी सी है कि विपक्ष के कुछ नेताओं व तथाकथित टूलकीट के बावजूद आज का भारत मजबूर नहीं बल्कि एक मजबूत भारत है और चुनौती इसे ऐसा ही बनाए रखने को लेकर है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

पास आ रहा, हर घड़ी, हहराता तूफान।
वक्त हाथ से, रेत सा, फिसल रहा कप्तान।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए
आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

डिग्री का धोखा : जागो समय रहते

आपकी बात

डॉ कुमार संजय

क्या आपने कभी सोचा है कि तीन साल की डिग्री के बाद भी लाखों युवा बेरोज़गार क्यों घूमते हैं? क्या वजह है कि पढ़ाई पूरी होते ही बहुत से लोग सरकारी नौकरी या प्रतियोगिता की भीड़ में खो जाते हैं? शायद वजह आपकी डिग्री नहीं, आपकी दिशा है।

बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी - ये शब्द अब करियर नहीं, 'बेरोज़गारी' की गारंटी बनते जा रहे हैं। हर 10 में से 8 ग्रेजुएट बेरोज़गार हैं।

क्या है 'परंपरागत ग्रेजुएशन'?

परंपरागत ग्रेजुएशन यानी वे कोर्स जो वर्षों से विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जा रहे हैं—बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी. आदि। ये डिग्रियाँ सामान्य ज्ञान प्रदान करती हैं, लेकिन कोई विशेष कौशल नहीं। आज के प्रतिस्पर्धी युग में यह एक अधूरी तैयारी है।

क्यों न करें ऐसी डिग्री कोर्स?

ये कोर्स न तो आपको किसी विशेष नौकरी के लिए तैयार करते हैं, न ही उद्योग जगत की मांगों से परिचित कराते हैं।
नतीजा—डिग्री के बाद भी वही पुराना सवालः अब क्या करें?

डिग्री के नुकसान

बेरोज़गारी : हर साल लाखों छात्र पास होते हैं, लेकिन नौकरियाँ गिनती की ही होती हैं। सरकारी नौकरी की तैयारी में समय, ऊर्जा और उम्र—तीनों निकल जाते हैं।
आत्मविश्वास की कमी : जब आपके पास कोई विशेष कौशल नहीं होता, तो इंटरव्यू में आप खुद को कमतर महसूस करते हैं। बाज़ी वही मार ले जाता है, जिसके पास कुछ अतिरिक्त स्किल्स होते हैं।
समय और पैसे की बर्बादी : तीन साल, लाखों रुपये और बदले में न नौकरी, न आत्मविश्वास, न कोई आमदनी।
भविष्य की उलझन : बिना योजना के ली गई डिग्री अक्सर करियर को भटका देती है। जिस क्षेत्र में छात्र अच्छा कर सकते थे, वह भी करने से चूक जाते हैं।
पारिवारिक दबाव और सामाजिक तुलना : जब रिश्तेदार पूछते हैं "क्या कर रहे हो?" और आपके पास कोई ठोस जवाब नहीं होता, तो मानसिक तनाव बढ़ता है। आपका घिसा-पिटा जवाब कि "सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा हूं"—आपको खुद में ही छोटा महसूस कराता है।
फिर क्या करें?

डिग्री नहीं, दक्षता चुनें। आज का समय मांग करता है कि आपकी पढ़ाई आपको काम के लायक बनाए, न कि सिर्फ एक प्रमाणपत्र थमाए।

आज आपके सामने सैकड़ों विकल्प हैं

स्किल-बेस्ड कोर्सेजः डिजिटल मार्केटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग, डेटा एनालिसिस, वीडियो एडिटिंग, वेब डेवलपमेंट आदि।
प्रोफेशनल डिप्लोमा : होटल मैनेजमेंट, पैरामेडिकल, फैशन डिज़ाइन, फूड टेक्नोलॉजी, इवेंट मैनेजमेंट।
वोकेशनल ट्रेनिंग : जैसे मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, फोटोग्राफी, सीएनसी ऑपरेटर आदि।
लैंग्वेज और सॉफ्ट स्किल्स : अंग्रेजी संचार, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार कौशल—ये अब हर सेक्टर की आवश्यकता बन चुके हैं। **एआई और फ्यूचर टेक कोर्सेज :** जैसे जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, चैटबॉट डिज़ाइन, और व्यवसाय के लिए एआई उपकरण।
एआई पर फोकस करें-यह आने वाले वर्षों तक का सबसे प्रभावशाली क्षेत्र है, और यही भविष्य है।

अब भी वक्त है

आज भी आप परंपरागत ग्रेजुएशन को आंख बंद करके कर रहे हैं, तो आप सचमुच अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं।
अब समय है जागने का, सोच बदलने का और अपने करियर को नई दिशा देने का। सिर्फ डिग्री लेने के लिए ग्रेजुएशन करना अब समझदारी नहीं है। आज का युग हुनर और विज़न का है, न कि केवल डिग्री का। डिग्री वही सार्थक है, जो आपको दिशा दे, आत्मनिर्भर बनाए—वरना वह केवल काग़ज़ का एक टुकड़ा भर है।
अब समय है कौशल-आधारित, मांग-संचालित और भविष्य सोच अपनाने का।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से गूंजेगी जनता की आवाज़!

पीएम मोदी स्वतंत्रता दिवस पर, 12वीं बार करेंगे संबोधन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश भर के नागरिकों से इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस संबोधन के लिए अपने विचार और सुझाव साझा करने का आह्वान किया। X पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से MyGov.in और NaMo ऐप पर खुले मंचों के माध्यम से अपने विचार साझा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने लिखा, "जैसे-जैसे हम इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस के करीब पहुँच रहे हैं, मैं अपने साथी भारतीयों से सुनने के लिए उत्सुक हूँ! आप इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस भाषण में किन विषयों या विचारों को प्रतिबिंबित होते देखना चाहेंगे? MyGov और NaMo ऐप पर खुले मंचों पर अपने विचार साझा करें।"परंपरा के अनुसार, भारत के प्रधानमंत्री हर साल 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। पिछले साल, भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर, प्रधानमंत्री मोदी का भाषण 'विकसित भारत @2047' विषय पर केंद्रित था, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत, जीवन को आसान बनाने, वायु सेना में महिलाओं की भूमिका, राजनीति में भाई-भतीजावाद से निपटने, बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा, समान नागरिक संहिता के विचार और 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की आकांक्षाओं सहित कई प्रमुख मुद्दों पर भी बात की। औपचारिक परंपराओं को जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद 'राष्ट्रीय सलामी' प्राप्त की।

- **नागरिक MyGov.in और NaMo ऐप के ओपन फोरम पर अपने विचार साझा कर सकते हैं।**
- **हर वर्ष की तरह, 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री का संबोधन होगा।**

महिलाओं की भागीदारी और आत्मनिर्भर भारत पर जोर

परंपरा के अनुसार, भारत के प्रधानमंत्री हर साल 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं और राष्ट्र को संबोधित करते हैं। पिछले साल, भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस पर, प्रधानमंत्री मोदी का भाषण 'विकसित भारत @2047' विषय पर केंद्रित था, जो 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के सरकार के दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत, जीवन को आसान बनाने, वायु सेना में महिलाओं की भूमिका, राजनीति में भाई-भतीजावाद से निपटने, बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा, समान नागरिक संहिता के विचार और 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की भारत की आकांक्षाओं सहित कई प्रमुख मुद्दों पर भी बात की।

पीएम मोदी के वाराणसी दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एजेंसी। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर वाराणसी में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। वाराणसी के डीसीपी आकाश पटेल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री की जनसभा और दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद है। सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पुलिस बल की तैनाती है। डीसीपी आकाश पटेल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर सभी सेक्टर और जोन को अलग-अलग अधिकारियों के जिम्मे सौंपा गया है। शिवपुरी ब्लॉक में आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर पुलिस बल की अग्रिम तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों की रिहर्सल की गई है, जिसमें आईजी, पुलिस कमिश्नर और जिलाधिकारी समेत तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उन्होंने यह भी बताया कि 12 जिलों से फोर्स बुलाई गई है और सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। कार्यक्रम के सफल संचालन और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अगस्त को सुबह लगभग 11 बजे अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे। वह उत्तर प्रदेश में लगभग 2,200 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, वे बुनियादी ढांचा, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरी विकास और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ी हुई हैं।

15 हजार मासिक वेतन वाला पूर्व क्लर्क निकला करोड़पति

एजेंसी। कोप्पल

कर्नाटक ग्रामीण अवसंरचना विकास लिमिटेड (केआरआईडीएल) के एक पूर्व क्लर्क के पास लोकायुक्त की छापेमारी में करीब 30 करोड़ रुपए की संपत्ति मिलने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई कोप्पल जिले के कलाकप्पा निदागुंडी स्थित उसके निवास और अन्य ठिकानों पर की गई। छापेमारी के दौरान लोकायुक्त अधिकारियों को पता चला कि मात्र 15 हजार रुपए मासिक वेतन पाने वाले इस पूर्व क्लर्क ने 24 मकान, 4 प्लॉट, और 40 एकड़ कृषि भूमि जमा कर रखी थी। ये संपत्तियां न सिर्फ उसके नाम पर, बल्कि उसकी पत्नी और भाई के नाम पर भी पंजीकृत थीं। इसके अलावा, लोकायुक्त की टीम ने छापेमारी के बाद आरोपी पूर्व क्लर्क के घर से 350 ग्राम सोना, डेढ़ किलो चांदी के आभूषण, दो कारें और दो दोपहिया वाहन भी जब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व क्लर्क निदागुंडी और केआरआईडीएल के एक पूर्व इंजीनियर जेड. एम. चिंचोलकर पर 96 सरकारी परियोजनाओं में फर्जी बिल और दस्तावेज तैयार कर 72 करोड़ रुपए से अधिक की हेराफेरी का आरोप है। इन परियोजनाओं को कभी पूरा ही नहीं किया गया। लोकायुक्त को मिली शिकायत के आधार पर अदालत से आदेश प्राप्त कर छापेमारी की गई, जिसके बाद यह मामला उजागर हुआ। कोप्पल विधायक के. राघवेंद्र हितनाल ने कहा कि सरकार मामले को गंभीरता से ले रही है और उचित कार्रवाई के लिए गहन जांच कराएगी।

राहुल गांधी का बड़ा दावा

हमारे पास एटम बम है, फटेगा तो चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है और मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बोल रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास एटम बम है और ये फटेगा तो हिंदुस्तान में चुनाव आयोग कहीं नहीं दिखेगा। उन्होंने ये भी कहा कि अधिकारी रिटायर भी हो जाएंगे तो छोड़ेंगे नहीं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे पास सबूत है कि चुनाव आयोग वोट चोरी करवा रहा है, और मैं ये हल्के में नहीं बोल रहा हूं। मैं 100 प्रतिशत सबूतों के साथ ये बात कह रहा हूं। हम जैसे ही ये सबूत सबके सामने रखेंगे, पूरे देश को पता चल जाएगा कि चुनाव आयोग वोट चोरी करा रहा है। किसके लिए करा रहा है—भाजपा के लिए करा रहा है। ये ओपन एंड शट है; इस पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।

- **चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप:** राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर वोट चोरी कराने का आरोप लगाया।
- **चुनाव आयोग से असहयोग:** राहुल ने कहा कि चुनाव आयोग ने उनकी कोई मदद नहीं की, इसलिए कांग्रेस ने अपनी जांच करवाई।
- **राज्यों में संदेह:** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और लोकसभा चुनावों में धांधली की आशंका जताई।

उन्होंने कहा कि हमें मध्य प्रदेश में संदेह था, लोकसभा चुनाव में संदेह था, और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संदेह था। हमें स्टेट लेवल पर लगा कि चोरी हुई है। एक करोड़ वोटर ऐड हुए थे, फिर हम थोड़ा डिटेल में गए। चुनाव आयोग हमारी मदद नहीं कर रहा था, इसलिए हमने अपनी तरफ से जांच करवाई। इस जांच में 6 महीने लगे और जो हमें मिला है, वो एटम बॉम्ब है, और ये फटेगा तो आप हिंदुस्तान में इलेक्शन कमीशन कहीं नहीं देखेंगे। राहुल गांधी ने आगे कहा कि मैं सिरियसली बोल रहा हूं, चुनाव आयोग में जो भी वोट चुराने का काम कर रहे हैं, उन्हें हम छोड़ेंगे नहीं।

संवैधानिक संस्थाओं को धमका रहे राहुल, रिजिजू बोले- लोकतंत्र को कमज़ोर करने की बड़ी साज़िश

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला और उन पर भारत विरोधी भाषा का इस्तेमाल करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमज़ोर करने का आरोप लगाया। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष के सदस्य भी गांधी की टिप्पणी की आलोचना कर रहे हैं, खासकर भारत को "बर्बाद अर्थव्यवस्था" बताने की उनकी टिप्पणी की। रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी की भारत विरोधी भाषा का विपक्ष के कई प्रमुख लोग भी विरोध कर रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि आप भारत को बर्बाद अर्थव्यवस्था नहीं कह सकते। रिजिजू ने गांधी से अपनी भूमिका के अनुरूप ज़िम्मेदारी से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को पता होना चाहिए कि वह कोई छोटे बच्चे नहीं हैं। उन्हें विपक्ष के नेता की तरह व्यवहार करना चाहिए। रिजिजू ने विपक्ष पर जानबूझकर संसदीय कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाते हुए तर्क दिया कि इसका नुकसान अंततः विपक्षी सांसदों को ही हो रहा है। उन्होंने कहा, "विपक्ष सदन को चलने नहीं दे रहा है। सबसे ज़्यादा नुकसान विपक्षी सांसदों को हो रहा है, जो जनता के मुद्दे नहीं उठा पा रहे हैं।" उन्होंने आगे कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के उपसभापति, दोनों ने स्पष्ट कर दिया है कि चर्चा संसदीय नियमों के दायरे में ही होनी चाहिए। मंत्री ने आरोप लगाया कि यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को धमका रहे हैं। यह लोकतंत्र को कमज़ोर करने की एक बड़ी साज़िश है। यह बेहद ख़तरनाक व्यवहार और रवैया है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कुत्सित योजना चला रहा है।

वह भाजपा विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं : हिमंत बिस्वा

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बर्बाद अर्थव्यवस्था' वाले बयान से सहमति जताने पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तगड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 7 दिनों ने राहुल गांधी को बुरी तरह बेनकाब कर दिया है। लोग अब समझ गए हैं कि वह भाजपा विरोधी नहीं, बल्कि भारत विरोधी हैं। उन्होंने दावा किया कि जब प्रधानमंत्री मोदी हर काम शालीनता से कर रहे हैं, विभिन्न देशों से बात कर रहे हैं, तो राहुल गांधी देश को बदनाम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान को सही ठहराते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सिवाय सब जानते हैं कि भारत एक 'डेड इकोनॉमी' (बर्बाद अर्थव्यवस्था) है तथा प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था को खत्म कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता डोनाल्ड ट्रंप की शर्तों पर होगा और प्रधानमंत्री मोदी वही करेंगे, जो अमेरिकी राष्ट्रपति कहेंगे। ट्रंप ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत और रूस अपनी "बर्बाद अर्थव्यवस्थाओं" को एक साथ गर्त में ले जा सकते हैं और उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, "वह सही हैं। प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के सिवाय हर कोई जानता है कि भारत की अर्थव्यवस्था 'बर्बाद अर्थव्यवस्था' है। मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने तथ्य सामने रखा है।

जनता ने इतना बड़ा अवसर दिया है, नारेबाजी और तख्तियों से मत गंवाओ : ओम बिरला

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से ही बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में हंगामा कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों को नसीहत देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को कहा कि जनता ने आपको इतना बड़ा अवसर दिया है, इसे नारेबाजी करके और तख्तियां दिखाकर मत गंवाइए।मानसून सत्र की शुरुआत 21 जुलाई को हुई थी और आज सदन की कार्यवाही का 10वां दिन है। सदन में इस दौरान केवल दो दिन, मंगलवार और बुधवार को प्रश्नकाल निर्बाध तरीके से पूरा चला। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा और मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने संबंधी सांविधिक संकल्प को मंजूरी के अलावा अन्य कोई महत्वपूर्ण विधायी कामकाज नहीं हो सका। शुक्रवार को भी कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसद एसआईआर के मुद्दे पर नारेबाजी करने लगे। वे सदन में इस विषय पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। उनके हंगामे के कारण बैठक कुछ ही मिनट में दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई और प्रश्नकाल नहीं चल सका। बैठक स्थगित करने की घोषणा से पहले अध्यक्ष बिरला ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से आग्रह किया, ''सदन की गरिमा को बनाकर रखिए।

नोएडा में ऑपरेशन तलाश शुरू फर्जी सिम कार्ड और साइबर अपराधों पर लगेगी लगाम

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा साइबर और आर्थिक अपराधों की रोकथाम के उद्देश्य से "ऑपरेशन तलाश" नामक एक विशेष अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान 25 अगस्त तक चलेगा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन तथा अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव नारायण मिश्र के पर्यवेक्षण में यह अभियान जिले भर में सघन रूप से संचालित किया जा रहा है। इस विशेष ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य फर्जी व प्री-एक्टिवेटेड सिम कार्डों के जरिये होने वाले अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। सिम कार्ड वितरकों, विक्रेताओं, दुकानों और ग्राहकों के प्वाइंट ऑफ सेल का व्यापक भौतिक सत्यापन कर ऐसे तत्वों की पहचान की जा रही है जो फर्जीवाड़े और अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। पुलिस द्वारा इस दौरान भारत सरकार और दूरसंचार विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, जिनमें ई-केवाईसी की अनिवार्यता, एक व्यक्ति के लिए सीमित सिम कार्ड, सिम ट्रांसफर प्रक्रिया और पुराने सिम कार्डों का दोबारा सत्यापन प्रमुख हैं। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी दुकान, विक्रेता या व्यक्ति को अनधिकृत रूप से कार्यरत या फर्जी गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको बिजनेस में बढ़िया धन लाभ होगा, सुख - सुविधा में बढ़ोतरी होगी। आज आप परिवार के साथ धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज आपको किसी काम को पूरा करने में भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृष : आज का दिन आपके लिये ठीक - ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यवसाय में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं, जिससे आपको बड़ा लाभ होगा। आज आप परिवार के साथ बैठकर जरूरी विषय पर चर्चा करेंगे। किसी एंट्रेस एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्र आज अपने सीनियर से मदद ले सकते हैं।

मिथुन : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका काम के प्रति डेडिकेशन होने से आप जल्द ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके किसी महत्वपूर्ण कार्य का पूरा होना संभव है।

कर्क : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का अच्छा परिणाम मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे पूरा दिन आपको अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियां आएंगी।

सिंह : आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे वह पूरे मन से करेंगे, जिसके आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे। आज आपको मानसिक उलझन से राहत मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपका सामाजिक दायरा और सम्मान दोनों बढ़ेंगे।

कन्या : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जिनका लाभ उठाकर आप जीवन में आगे बढ़ेंगे। आज समाज सेवा से जुड़े व्यक्तियों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और सहयोग मिलेगा। आज के दिन आप अपनी वाणी पर संयम बना के रखें और व्यर्थ के मामलों से दूर रहें।

तुला : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप नयी जमीन से संबंधित लेन-देन करने जा रहे हैं तो पहले उसकी अच्छे से जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा, आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आज आपके द्वारा लिए गए निर्णय सकारात्मक और फायदेमंद रहेंगे।

वृश्चिक : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। युवाओं को आज अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। आज आप बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताये। आज आप पेपर वर्क करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु : आज का दिन आपके लिए मिला - जुला रहेगा। आज प्राइवेट नौकरी में कार्यरत व्यक्तियों की आय में वृद्धि होगी और बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या का समाधान मिलेगा, जिससे आपको संतुष्टि मिलेगी। आज जीवनसाथी के साथ रिश्ते में ताल - मेल बना रहेगा।

मकर : आज का दिन आपके लिए ठीक - ठाक रहेगा। आज आपके व्यवहार में विनम्रता बनी रहेगी, जिससे कर्मचारी आपसे प्रसन्न होंगे। आज आपको नौकरी में ट्रान्सफर से जुड़ी खबर मिल सकती है। आज आप महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं।

कुंभ : प आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आप अपने व्यापार में विस्तार को लेकर चर्चा कर सकते हैं। आज आप कुछ समय प्रैक्टिकल और प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ व्यतीत करे, जिससे आपके स्वभाव में भी पॉजिटिव परिवर्तन देखने को मिलेगा।

मीन : अ आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत को लेकर जीवनसाथी से बातचीत कर सकते हैं। आज आप कुछ समय एकांत या फिर आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करें, जिससे आपके मन को शांति मिले। आज टूर एंड ट्रेवल्स के बिजनेस में सुधार आएगा।

राज्यसभा में वेल में सीआईएसएफ तैनाती पर विपक्ष का विरोध

खड़गे ने डिप्टी चेयरमैन को पत्र लिख जताई हैरानी सरकार का भी आया बयान

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को सदन के वेल में सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी पर कड़ी आपत्ति जताई और आरोप लगाया कि विपक्षी सांसदों को मुद्दे उठाने से रोका जा रहा है। इसको लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे ने सदन के उपसभापति को पत्र लिखकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के दौरान सदन के अंदर सीआईएसएफ कर्मियों की मौजूदगी पर चिंता जताई है। सभी विपक्षी दलों की ओर से लिखते हुए, खड़गे ने कहा, "हम इस बात से हैरान और स्तब्ध हैं कि जिस तरह से सीआईएसएफ कर्मियों को सदन के वेल में दौड़ाया जा रहा है, जबकि सदस्य विरोध के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं।" खड़गे ने आगे कहा कि हमने इसे कल और आज भी देखा। क्या हमारी संसद इस स्तर तक गिर गई है? यह बेहद आपत्तिजनक है और हम इसकी स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। खड़गे ने आगे मांग की कि उपसभापति यह सुनिश्चित करें कि जब भी सदस्य जनहित के मुद्दे उठाएँ, सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में न आएँ। वहीं, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राज्यसभा के सभापति के अचानक और अभूतपूर्व इस्तीफे के बाद, अब हम राज्य सभा के सदन पर सीआईएसएफ के जवानों का कब्ज़ा देख रहे हैं। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इस चौंकाने वाले घटनाक्रम पर राज्यसभा के उपसभापति को पत्र लिखा है। वहीं, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि संसद सदस्यों की मांग थी कि सुरक्षा बढ़ाई जाए, इसलिए सीआईएसएफ को तैनात किया गया। सदन के अंदर, सदस्यों ने कभी-कभी सत्ता पक्ष की मेज के ऊपर और वेल के पास शारीरिक रूप से खड़े होकर प्रदर्शन किया। उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए सुरक्षा तैनात की गई है। किसी भी सांसद को बोलने से नहीं रोका जाएगा। सदन के अंदर मार्शल और सुरक्षाकर्मी तब तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे जब तक सांसद कोई दुर्भावनापूर्ण कार्य नहीं करते।

बिहार सरकार का बड़ा फैसला: शिक्षा विभाग के रसोइयों और स्कूल गार्ड की सैलरी दोगुनी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को एक और बड़ा ऐलान किया। दावा किया कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए बड़ा फैसला लिया गया है। इस फैसले के तहत शिक्षा विभाग के अंतर्गत मध्याह्न भोजन में कार्यरत रसोइयों के मानदेय में दोगुनी वृद्धि करते हुए 1650 रूपए से 3300 रूपए करने का निर्णय लिया गया है। सीएम नीतीश ने एक्स पोस्ट में कहा, "नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही हमलोग शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वर्ष 2005 में शिक्षा का कुल बजट 4,366 करोड़ रुपए था जो अब बढ़कर 7,7690 करोड़ रुपए हो गया है। बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति, नए विद्यालय भवनों के निर्माण एवं आधारभूत संरचनाओं के विकास से शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने शुरू की 'दिल्ली को कूड़े से आजादी' अभियान

हाथ में ली झाड़ू और कर डाला सरकारी दफ्तर को साफ

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज 'दिल्ली को कूड़े से आज़ादी' अभियान की शुरुआत करते हुए, दिल्ली के आईएसबीटी कश्मीरी गेट स्थित महिला एवं बाल विकास (डब्ल्यूसीडी) कार्यालय में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया और कचरे के ढेर साफ़ किए। पत्रकारों से बात करते हुए, दिल्ली की मुख्यमंत्री ने दिल्ली में व्यवस्था सुधारने का दावा करने, लेकिन ऐसा न करने पर पिछली आप सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुझे इतना दर्द हो रहा है कि मैं आपको बता नहीं सकती। ये वो कार्यालय हैं जो दिल्ली की व्यवस्था सुधारने का दावा करते हैं। पिछली सरकारों की हालत देखते हुए, इन परिस्थितियों में, हमारे अधिकारी किसी का भला कैसे कर सकते हैं... पानी टपक रहा है।

रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि इस इमारत में 2021 में आग लग गई, जबकि इस इमारत की न तो मरम्मत हुई थी और न ही इसकी सफाई। क्या इन अधिकारियों को यहाँ अपनी जान गँवाने के लिए रखा गया है? महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय का अपना पहला दौरा बताते हुए उन्होंने कहा, "मैं पहली बार यहाँ आई हूँ, लेकिन ऐसी महत्वपूर्ण समितियों/विभागों की दयनीय स्थिति देखकर बहुत दुःख हुआ, जहाँ कागज़ात रखने के लिए न अलमारी है, न कुर्सी, और पता नहीं कब पंखा ऊपर से गिर जाए। सफ़ाई के आदेश एक ऐसी चीज़ है जो हम कर सकते हैं। अगर सब लोग इसमें शामिल हों तो ये पूरे हो जाएँगे। हालाँकि, अपने अधिकारियों को ऐसी ख़राब परिस्थितियों में काम करते देखना मेरे लिए वाकई बहुत दुखद है।"

राजनिति विज्ञापन मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को दिया निर्देष

किसी नेता के नाम से न चलाई जाएं सरकारी योजनाएं

- **अदालत ने पार्टी प्रतीकों/झंडों के इस्तेमाल पर भी अस्थायी रोक लगाई**

एजेंसी। मद्रास

मद्रास उच्च न्यायालय ने एक अंतरिम निर्देश जारी कर तमिलनाडु सरकार को कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित विज्ञापनों में किसी भी जीवित राजनीतिक व्यक्तित्व, पूर्व मुख्यमंत्रियों, वैचारिक नेताओं या पार्टी प्रतीकों का नाम या तस्वीर शामिल करने पर रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की प्रथम पीठ ने गुरुवार को अन्नाद्रमुक सांसद सीवी षणमुगम और अधिवक्ता इनियान द्वारा दायर एक याचिका पर अंतरिम आदेश पारित किया। याचिका में कल्याणकारी योजनाओं की राजनीतिक रंगत के साथ पुनः ब्रांडिंग को चुनौती दी गई है और सरकारी प्रचार में राजनीतिक तटस्थता सुनिश्चित करने की मांग की गई है। अदालत ने कहा कि इसलिए, हम इस आशय का अंतरिम आदेश पारित करने के लिए इच्छुक हैं कि विभिन्न विज्ञापनों के माध्यम से सरकारी कल्याणकारी योजनाओं को शुरू करने और संचालित करने के दौरान किसी भी जीवित व्यक्तित्व का नाम, किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री/वैचारिक नेता की तस्वीर या प्रतिवादी संख्या 4 का पार्टी चिन्ह/प्रतीक/झंडा शामिल नहीं किया जाएगा। शनमुगम की याचिका में अदालत से राज्य को किसी भी कल्याणकारी योजना का नाम किसी जीवित व्यक्ति के नाम पर रखने से रोकने का अनुरोध किया गया था खासकर 19 जून, 2025 के जी.ओ. (एमएस) संख्या 390 के तहत शुरू की गई योजनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नाम के इस्तेमाल पर निशाना साधा गया था। याचिकाकर्ता ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) और सरकारी विज्ञापन में सामग्री विनियमन समिति से चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के पैराग्राफ 16ए के तहत कार्रवाई करने का भी आग्रह किया था।

कल्याण योजनाओं में राजनीतिक प्रतीकों पर अदालत की रोक

अंतरिम आदेश जारी करते हुए, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी कल्याणकारी योजना के शुभारंभ, कार्यान्वयन या संचालन पर रोक नहीं लगा रहा है। हालाँकि, उसने यह भी माना कि जीवित राजनीतिक हस्तियों के नाम पर योजनाओं का नामकरण करना या पार्टी के चिन्ह, झंडे या प्रतीक चिन्ह का उपयोग करना सर्वोच्च न्यायालय के स्थापित निर्देशों और चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। पीठ ने कहा कि हालाँकि कर्नाटक बनाम कॉमन कॉज मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने विज्ञापनों में किसी मौजूदा मुख्यमंत्री की तस्वीर की अनुमति दी थी।

इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टेस्ट में नहीं खेल रहे स्टार गेंदबाज बुमराह

कोच डोशेट ने बताई वजह

लंदन (आईएएनएस)

भारत के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने बुमराह के पांच दिवसीय टेस्ट मैच से बाहर होने की वजह बताई है। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन ने बुमराह की इच्छा का सम्मान किया। प्रबंधन ने माना कि बुमराह को सिर्फ तीन मैच खेलने का मौका देना सही था क्योंकि इस खिलाड़ी का भविष्य एक टेस्ट मैच से कहीं ज्यादा अहम है। जसप्रीत बुमराह ने मैनचेस्टर टेस्ट में अपनी तीन मैचों की निर्धारित भागीदारी पूरी की। भारतीय टीम प्रबंधन ने पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में इस स्टार तेज गेंदबाज के साथ कोई जोखिम न लेने का फैसला किया। रयान टेन डोशेट ने पांचवें टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद पत्रकारों से कहा कि जसप्रीत बुमराह का मामला जटिल है। उन्होंने बताया कि टीम उन्हें शामिल करना चाहती थी, लेकिन उनके स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए, प्रबंधन ने उन्हें अंतिम टेस्ट में न खिलाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह ने तीन टेस्ट में काफी ओवर गेंदबाजी की, भले ही मैनचेस्टर में उन्होंने केवल एक पारी में गेंद फेंकी। उन्होंने बताया कि बुमराह ने दौरे से पहले तीन मैचों की उपलब्धता की बात कही थी, और टीम ने उनके फैसले का सम्मान करते हुए उनके वर्कलोड को ध्यान में रखकर पांचवें टेस्ट में उन्हें शामिल न करने का निर्णय लिया।

पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में जसप्रीत बुमराह को किन मैचों में आराम देना है, इसका फैसला लेते समय कोई सटीक वैज्ञानिक आधार नहीं अपनाया गया। उन्होंने कहा कि जब जसप्रीत बुमराह को 5वें टेस्ट में न खिलाने का फैसला खिलाड़ियों के लिए आश्चर्यजनक था। उन्होंने बताया कि ओवल में उछाल होने के बावजूद यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट माना जाता है। टीम ने जोखिम लेने का निर्णय लिया और सोचा कि अगर टॉस जीता तो पहले गेंदबाजी की जाएगी।

बुमराह को न खिलाने का फैसला खिलाड़ियों के लिए चौंकाने वाला था

- 5वें टेस्ट में उनके बाहर रहने से टीम हैरान हुई।

ओवल की पिच में उछाल के बावजूद बल्लेबाजी के लिए उपयुक्त थी

- बल्लेबाजों के लिए अच्छी स्थिति मानी गई।

टीम ने जोखिम लेने का निर्णय लिया

- चयन और रणनीति में साहसिक रुख अपनाया।

टॉस जीतने पर पहले गेंदबाजी की योजना थी।

- हालात के अनुसार गेंदबाजी को प्राथमिकता दी जाती।

वोक्स की चोट के बाद पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने की इंजरी रिप्लेसमेंट नियम की वकालत...

नई दिल्ली (आईएएनएस)। इंग्लैंड टेस्ट टीम के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की कंधे की चोट ने टेस्ट क्रिकेट में इंजरी रिप्लेसमेंट्स नियमों पर बहस को फिर से हवा दी है। पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने रिप्लेसमेंट नियम की वकालत की है। पूर्व खिलाड़ी ने सुझाव दिया है कि इससे क्रिकेट की गुणवत्ता में सुधार होगा। ओवल में भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग करते हुए वोक्स चोटिल हो गए थे। इससे पहले भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे। पंत दूसरे दिन साहस दिखाते हुए मैदान पर लौटे। हालांकि, उन्होंने सिर्फ बल्लेबाजी की। विकेटकीपर के तौर पर भारत ने पंत की जगह ध्रुव जुरेल को विकेट के पीछे उतारा, लेकिन आईसीसी के नियमों के कारण पंत दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे। स्टुअर्ट ब्रॉड ने स्काई स्पोर्ट्स पर क्रिकेट में 11-11 खिलाड़ियों के अनुपात को बनाए रखने के पक्ष में तर्क दिया, खासकर जब चोटें असामान्य हों। उनका कहना है कि इससे मैच की गुणवत्ता और स्तर में सुधार होगा।

'कश्मीर सुपर लीग-2025' देखने पहुंचे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा

श्रीनगर (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा श्रीनगर में चल रही कश्मीर सुपर लीग-2025 के क्वालीफायर 2 मैच देखने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों और अधिकारियों से बातचीत की और जम्मू-कश्मीर खेल परिषद और कश्मीर सुपर लीग के प्रायोजकों को बधाई दी। मनोज सिन्हा ने कहा, "कश्मीर सुपर लीग को जम्मू-कश्मीर के फुटबॉल इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाएगा। मुझे उम्मीद है कि कश्मीर सुपर लीग की सफलता कश्मीर के फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक आधारशिला का काम करेगी। कश्मीर सुपर लीग का क्वालीफायर 2 मैच एक्वा कश्मीर एवेंजर्स एफसी और आर्को यूनाइटेड एफसी के बीच खेला गया। कश्मीर सुपर लीग 2025 का उद्देश्य युवाओं को प्रेरित करना, स्थानीय क्षमता का निर्माण करना, दीर्घकालिक खेल करियर के रास्ते बनाना, स्थानीय फुटबॉल प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने के लिए एक पेशेवर मंच प्रदान करना और उभरते और पेशेवर फुटबॉलरों के लिए एक प्रतिस्पर्धी मंच सुनिश्चित करना है।

इस लीग में विभिन्न क्लबों और कॉर्पोरेट फुटबॉल टीमों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों की उत्साहजनक भागीदारी देखी जा रही है, और यह खेलों में युवा प्रतिभाओं की पहचान और पोषण के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। इस लीग में सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम भी शामिल हैं, जैसे स्कूल दौरे, फुटबॉल क्लीनिक और प्रशंसक जुड़ाव गतिविधियां। सरमद हफीज, आयुक्त सचिव समाज कल्याण, अक्षय लाबरू, उपायुक्त श्रीनगर, नुजहत गुल, सचिव, जम्मू-कश्मीर खेल परिषद; नागरिक और पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, प्रमुख खेल हस्तियां, युवा और बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रेमी उपस्थित थे। उपराज्यपाल ने इस ऐतिहासिक फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी छह टीमों के मालिकों को सम्मानित किया।

दलीप ट्रॉफी : पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करेंगे शार्दुल ठाकुर

मुंबई (आईएएनएस)

ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी में पश्चिम क्षेत्र की कप्तानी करते नजर आएंगे। शुक्रवार को

बीकेसी स्थित एमसीए शरद पवार इंडोर क्रिकेट अकादमी एवं मनोरंजन केंद्र में हुई बैठक में क्षेत्रीय चयन समिति द्वारा चुनी गई टीम में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और रुतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। शार्दुल ठाकुर, तनुश कोटियन और शम्स मुलानी के साथ घरेलू क्रिकेट में मुंबई के लिए एक महत्वपूर्ण ऑलराउंडर खिलाड़ी रहे हैं। तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे को भी दलीप ट्रॉफी के लिए टीम में जगह मिली है। अय्यर वर्तमान में भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हैं। उन्होंने भारत के लिए 14 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 2024 की घरेलू सीरीज के दूसरे टेस्ट के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। दूसरी ओर, सरफराज इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पूरे दौरे में बेंच पर बैठे रहे और उन्हें इंग्लैंड के मौजूदा टेस्ट दौरे के लिए जगह नहीं मिल।

डब्ल्यूसीएल 2025

पाकिस्तान के चैंपियंस बनने में मुश्किल पैदा करेगा द. अफ्रीका

मुंबई (आईएएनएस)

बर्मिंघम, 1 अगस्त (आईएएनएस)। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) अपने अंतिम मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार है। एबी डिविलियर्स की अगुवाई में साउथ अफ्रीका चैंपियंस शनिवार को ग्रैंड फिनाले में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ आमने-सामने होगी। डब्ल्यूसीएल में इस साल एबी डिविलियर्स फाइनल का ताज पहनने और साउथ अफ्रीका के लिए खिताब पक्का करने को तैयार हैं। हाशिम अमला, इमरान ताहिर, वेन पार्नेल और क्रिस मॉरिस जैसे शानदार खिलाड़ियों की बदौलत, साउथ अफ्रीका चैंपियंस टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम पर शानदार जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई। वहीं, पाकिस्तान चैंपियंस टीम पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही है। मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, शरजील खान, और सईद अजमल जैसे खिलाड़ियों के दम पर टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। फाइनल में भी टीम अच्छा प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी।

चहल बोले-धनश्री से तलाक के समय सुसाइड का ख्याल आया

सिर्फ 2 ही घंटे सोता था, मैदान पर मेरा दिमाग पूरी तरह से काम नहीं कर रहा था

नई दिल्ली । एजेंसी

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने हाल ही में राज शमानी के पॉडकास्ट में अपनी पूर्व पत्नी, कोरियोग्राफर और इन्फ्लुएंसर धनश्री वर्मा से तलाक के बाद के मानसिक तनाव का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि तलाक की प्रक्रिया के दौरान वह एक महीने तक केवल दो घंटे ही सो पाए और उनके मन में आत्महत्या के विचार आए। चहल ने कहा, 'मैंने अपने दोस्तों से यह बात साझा की। मुझे क्रिकेट से ब्रेक चाहिए था। मैदान पर भी मेरा दिमाग काम नहीं कर रहा था। चहल और धनश्री के तलाक को 20 मार्च 2025 को मुंबई

की फैमिली कोर्ट ने मंजूरी दी थी। दोनों ने 11 दिसंबर 2020 को शादी की थी। वहीं, चहल ने बताया कि उनका तलाक अचानक नहीं हुआ, बल्कि यह एक लंबी और निजी प्रक्रिया थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानियों को छिपाकर सामान्य जोड़े की तरह दिखने की कोशिश की।

चहल ने कहा, 'हमने फैसला किया था कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, हम कुछ नहीं कहेंगे। सोशल मीडिया पर हम सामान्य जोड़े की तरह दिखते थे, लेकिन मैं दिखावा कर रहा था।

महत्वाकांक्षी जिंदगियों में तालमेल की कमी : चहल ने बताया कि उनकी और धनश्री की महत्वाकांक्षी जिंदगियों के कारण उनके बीच तालमेल नहीं बैठ पाया। उन्होंने कहा, 'रिश्ते में समझौता जरूरी है। अगर एक गुस्से में हो, तो दूसरे को सुनना पड़ता है।

एमवी श्रीधर : शानदार बल्लेबाज, जिन्हें भारतीय क्रिकेट टीम में कभी नहीं मिल पाई जगह

नई दिल्ली (आईएएनएस)

क्रिकेट में करियर देख रहे हर युवा का सपना होता है कि एक न एक दिन वह भी अपने देश का प्रतिनिधित्व करेगा। कुछ को सफलता मिलती है तो कुछ को निराशा। कुछ अपने राज्य के रणजी स्तर तक पहुंचते हैं, लेकिन इसके बाद राष्ट्रीय टीम तक का सफर काफी कठिन होता है। प्रथम श्रेणी खेलने वाले कई क्रिकेटर ऐसे हैं, जिन्हें कभी राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं चुना गया। एम.वी. श्रीधर भी एक ऐसे ही क्रिकेटर थे। एक सफल दाएं हाथ के बल्लेबाज, श्रीधर ने 1988-89 और 1999-2000 के बीच अपने करियर में 21 प्रथम श्रेणी शतक लगाए। श्रीधर हैदराबाद के उन तीन बल्लेबाजों में से एक थे जिन्होंने प्रथम श्रेणी में तिहरा शतक लगाया था, वीवीएस लक्ष्मण और अब्दुल अजीम भी ऐसे ही बल्लेबाज थे। 1994 में आंध्र प्रदेश के खिलाफ उनकी 366 रनों की पारी, रणजी ट्रॉफी में तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है, जो भाऊसाहेब निंबालकर के नाबाद 443 और संजय मांजरेकर के 377 रनों के बाद दूसरे स्थान पर है।

एशिया कप से पहले टी20 त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा यूएई...

दुबई (आईएएनएस)

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) 29 अगस्त से ऐतिहासिक शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में सात मैचों की टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला में पाकिस्तान और अफगानिस्तान की मेजबानी करेगा। ग्रुप चरण में प्रत्येक टीम दो-दो बार एक-दूसरे से खेलेगी, जिसके बाद शीर्ष दो टीमें 7 सितंबर को फाइनल में जगह बनाएंगी। अफगानिस्तान 29 अगस्त को टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान से भिड़ेगा। मेजबान यूएई अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। इसके बाद अफगानिस्तान का मुकाबला 1 सितंबर को यूएई से और दूसरा ग्रुप-स्टेज मैच 2 सितंबर को पाकिस्तान से होगा। पाकिस्तान और यूएई का दूसरा ग्रुप-स्टेज

मैच 4 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद अफगानिस्तान-यूएई मैच 5 सितंबर को होगा। यह टूर्नामेंट तीनों टीमों को 9 सितंबर से यूएई में खेले जाने वाले आठ टीमों के एशिया कप 2025 से पहले तैयारी करने के लिए एक सटीक अवसर प्रदान करेगा। आईसीसी के फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के अनुसार, पाकिस्तान को शुरू में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए अफगानिस्तान की मेजबानी करनी थी। त्रिकोणीय सीरीज में भाग लेने वाली तीन टीमों में, पाकिस्तान आईसीसी टी-20 रैंकिंग में आठवें स्थान पर है, उसके बाद अफगानिस्तान नौवें और संयुक्त अरब अमीरात 14वें स्थान पर है। पाकिस्तान वर्तमान में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज खेल रहा है। पाकिस्तान ने अपना पहला मैच जीत लिया है। उनका एशिया कप अभियान 12 सितंबर को ओमान के खिलाफ शुरू होगा। अफगानिस्तान ने आखिरी बार पिछले साल के अंत में जिम्बाब्वे में टी-20 श्रृंखला खेली थी।

एईएसएल ने स्कॉलरशिप और एडमिशन के लिए 'आकाश इनविक्टस ऐस टेस्ट' लॉन्च किया है

नवीन मेल संवाददाता

रांची । छात्रों के सपनों को कामयाबी में बदलते हुए 16 सफल साल पूरे करने पर, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (AESL) – जो टेस्ट प्रिपरेशन में देश की अग्रणी संस्था है – ने अपने प्रमुख इनिशिएटिव एंथे 2025 (आकाश नेशनल टैलेंट हंट एग्ज़ाम) की शुरुआत का ऐलान किया है। भारत के एकेडमिक कैलेंडर में हर साल का सबसे बहुप्रतीक्षित इवेंट माने जाने वाले एंथे 2025 का मकसद, कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्रों को चुनौतियों से लड़ने और असली प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाना है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सभी तक पहुँचाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए, एंथे 2025 में स्टूडेंट्स को 250 करोड़ तक की स्कॉलरशिप (100% तक) दी जा रही है, जो क्लासरूम, आकाश डिजिटल और इन्विक्टस कोर्सेस पर लागू होगी। इसके साथ ही 2.5 करोड़ तक के कैश अवॉर्ड्स भी दिए जा रहे हैं, जो मेडिकल या इंजीनियरिंग में सक्सेसफुल करियर का सपना देखने वाले स्टूडेंट्स के लिए मददगार साबित होंगे। यह एग्जाम स्टूडेंट्स के लिए NEET, JEE, State CETs, NTSE और Olympiads जैसे कॉम्पिटिटिव एग्जाम्स की बेस्ट कोचिंग पाने का रास्ता खोलता है, जो आकाश के एक्सपर्ट फैकल्टी द्वारा दी जाती है। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के सीईओ और एमडी, श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, "एंथे अब देशभर के छात्रों के लिए एक उम्मीद की पहचान बन चुका है। पिछले 16 वर्षों में हमने मेधावी छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने का मौका दिया है, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति या लोकेशन कुछ भी हो। आकाश में हमारा मानना है कि हर छात्र में क्रिटिकल थिंकिंग, समस्याएं हल करने और बदलाव लाने की क्षमता होती है। एंथे 2025 इस सोच को आगे बढ़ाते हुए छात्रों को सही संसाधन, सहयोग और मोटिवेशन देगा ताकि वे आगे बढ़ें और चमकें। हमारी वाइड नेटवर्क और हाइब्रिड लर्निंग मॉडल से हम क्वालिटी एजुकेशन को हर छात्र के लिए सुलभ और परिणाम केंद्रित बना रहे हैं।

- **एंथे परीक्षा इस साल 4 से 12 अक्टूबर 2025 के बीच ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित होगी**

भारत का कपड़ा निर्यात 2024-25 में 37.75 अरब डॉलर के पार : पबित्रा मार्गेरिटा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत का कपड़ा और परिधान का कुल निर्यात 2024-25 में बढ़कर

37.75 अरब डॉलर के पार हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष के 35.87 अरब डॉलर के इसी आंकड़े से 5 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी शुक्रवार को संसद को दी गई। कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि सरकार कपड़ा क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। सरकार ने पीएम मित्र पार्क स्थापित करने के लिए सात स्थलों को मंजूरी दी है, जिनमें गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में एक-एक पार्क शामिल हैं। राज्य मंत्री ने बताया कि पार्क के गेट तक एक्सटर्नल इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध करवाने के लिए विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा 1,197.33 करोड़ रुपए के इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य शुरू किए गए हैं।

भारत-अमेरिका साझेदारी चुनौतियों के बाद और मजबूत : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है, जो साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क आधारित रिश्तों पर आधारित है। यह साझेदारी समय-समय पर हुए अनेक बदलावों और चुनौतियों का सामना करते हुए भी मजबूत बनी रही है, ऐसा बयान विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, "भारत और अमेरिका के बीच साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और मजबूत जनसंपर्क पर आधारित एक व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। यह साझेदारी कई बदलावों और चुनौतियों से गुजर चुकी है। दोनों देश अपने ठोस एजेंडे पर केंद्रित हैं और हमें विश्वास है कि यह संबंध आगे भी प्रगति करेगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने भारत पर नए शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा की है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि भारत से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत का 'पारस्परिक शुल्क' लगाया जाएगा और रूस से ऊर्जा खरीद को लेकर एक अलग दंडात्मक शुल्क भी लगाया जाएगा, जो 1 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, "भारत 1 अगस्त से 25 प्रतिशत शुल्क देगा।" साथ ही उन्होंने यह कहा कि भारत को रूस से ऊर्जा खरीदने पर अतिरिक्त दंड भी भुगतना होगा।

ट्रंप ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध में जब तक रूस युद्धविराम नहीं करता, तब तक जो देश रूस से ऊर्जा खरीदते रहेंगे, उन पर अमेरिका की ओर से 100 प्रतिशत तक का 'सेकेंडरी टैरिफ' लगाया जाएगा। ट्रंप के इस कदम को विशेषज्ञों ने एक रणनीतिक दबाव के रूप में देखा है ताकि भारत को किसी समझौते के लिए प्रेरित किया जा सके, खासकर तब जब अमेरिका के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक जैसे अधिकारी यह संकेत दे चुके हैं कि भारत जल्द ही कोई व्यापारिक समझौता कर सकता है।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, "याद रखिए, भारत हमारा मित्र है, लेकिन हमने वर्षों से उनके साथ अपेक्षाकृत बहुत कम व्यापार किया है, क्योंकि उनके टैरिफ विश्व में सबसे अधिक हैं। उन्होंने कहा, "भारत ने हमेशा अपनी अधिकांश सैन्य खरीद रूस से की है और वह रूस से ऊर्जा खरीदने वाला सबसे बड़ा खरीदार है। वह भी ऐसे समय में जब पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में नरसंहार बंद करे।

ट्रंप का बयान: भारत मित्र है, लेकिन व्यापार असंतुलित रहा है

- भारत के ऊंचे टैरिफ को मुख्य कारण बताया

भारत की सैन्य खरीद में रूस की अहम भूमिका रही है

- भारत रूस से सबसे ज्यादा ऊर्जा भी खरीदता है

ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की स्थिति को भी इंगित किया

- पूरी दुनिया रूस पर दबाव बना रही, भारत फिर भी खरीद जारी रखे हुए है

सेंसेक्स 585 अंक फिसलकर बंद, फार्मा इंडेक्स 3 प्रतिशत से अधिक गिरा

मुंबई (आईएएनएस)

अमेरिकी ट्रेड टैरिफ के कारण भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी

सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 585.67 अंक या 0.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,599.91 और निफ्टी 203 अंक या 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,565.35 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बड़ी गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 763.40 अंक या 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,637.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 298.65 अंक या 1.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,668.20 पर था। बाजार में गिरावट के नेतृत्व फार्मा शेयरों ने किया। निफ्टी फार्मा इंडेक्स 3.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। आईटी, पीएसयू बैंक, मेटल, इन्फ्रा और कमोडिटी इंडेक्स 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। केवल एफएमसीजी इंडेक्स ही 0.69 प्रतिशत की तेजी के बंद हुआ।

यात्री बस के धक्के से पांच वर्षीय बच्चे की हुई मौत

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ(लातेहार)। शुक्रवार की सुबह एक यात्री बस सिंह वाहिनी की चपेट में आने से एक पांच वर्षीय मासूम बालक की मौत हो गयी है। यह हृदयविदारक घटना बालूमाथ थाना क्षेत्र के रांची-चतरा मुख्य मार्ग पर मकईयाटांड़ ग्राम स्थित आलम मियां के किराना दुकान के पास घटी है।

बच्चे की पहचान मो. माजिद के पांच वर्षीय पुत्र मो अर्श के रूप में हुई है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शिव वाहिनी बस बालूमाथ से रांची की ओर तेज रफ्तार में जा रही थी कि इसी दौरान माकिया ताड़ स्थित दुकान के पास बच्चे को अपने चपेट में ले लिया जिससे बच्चा मूर्छित होकर वहीं गिर गया बेहोशी अवस्था में ग्रामीण एवं परिजनों ने बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जहां डॉक्टर अलीशा टोप्पो ने गहन जांच उपरांत बालक को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की सूचना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई. वहीं दुर्घटना के बाद तेजी से भाग रहे बस को आक्रोशित ग्रामीणों ने चितरपुर के समीप ओवरटेक कर रोका व चालक की जमकर पिटाई कर दी एवं बस को भी क्षति पहुंचाई. दुर्घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे मकईयाटांड़ पिकेट प्रभारी रामजी ठाकुर ने तत्परता दिखाते हुए चालक को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकाला और स्थिति को नियंत्रित किया. घायल बस चालक को बालूमाथ सीएचसी लाया गया।

यात्री बसों के अनियंत्रित परिचालक से होती है दुर्घटना

यात्री बसों को निर्धारित समय पर ही यात्री को उनके गंतव्य तक पहुंचाना होता है। बस संचालक बस स्टैंड के अलावे बीच रास्ते में भी गाड़ी को रोक कर पैसेंजर को उठा लेते हैं. जिसके चलते निर्धारित समय पर यात्री बस को समय पर पहुंचने के लिए बस ड्राइवर वाहन को और तेज गति से चलता है चाहे वह घनी आबादी वाला क्षेत्र ही क्यों ना हो. विभिन्न गाड़ियों को ओवरटेक कर आगे निकलता है जो परिवहन नियम का विरुद्ध है. कई बार यात्री बसों का तेज रफ्तार से परिचालन से सड़कों पर चलने वाली अन्य गाड़ियों को भी असुविधा देखी जाती है जरूरी है परिवहन विभाग द्वारा इन यात्री बसों को निर्धारित जगह पर समय अनुसार बस को खड़ा करने एवं निर्धारित स्पीड पर परिचालन करवाने की। तभी इस तरह की सड़क हादसा से बची जा सकती है।

आरबीआई ने किया वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। भारतीय रिज़र्व बैंक, रांची के तत्वावधान में एक अगस्त को जिले के महुआडांड़ में क्षेत्र स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारतीय रिज़र्व बैंक, झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह मौजूद थे.श्रीर सिंह ने वित्तीय समावेशन, वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग ओम्बड्समैन योजना तथा आम लोगों के व्यापक वित्तीय हित से जुड़ी अन्य कई योजनाओं की जानकारी दी। उन्होने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, स्टैंड-अप इंडिया योजना की जानकारी दी और डिजिटल बैंकिंग से लोगों को अवगत कराया. उन्होने कहा कि वित्तीय साक्षरता एक ऐसा विषय है जो हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित करता है। हमारे समाज के समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है. वित्तीय साक्षारता का अर्थ है अपने धन के बारे में समझदारी से सोचना और उसका कुशलतापूर्वक प्रबंधन करना तथा अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना है। यह केवल धन अर्जित करने के बारे में नहीं है बल्कि उसका सही तरह से उपयोग करने, बचाने, निवेश करने और जोखिमों से बचने के बारे मे आवश्यक ज्ञान एवं सजगता है. इस अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा महुआडांड़ के कई बैंकों के शाखा प्रमुख मौजूद थे।

हस्तनिर्मित राखियों के जरिए दीदियों ने दिखाई सशक्तता व पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता

राखी बिक्री केंद्र का शुभारंभ पर्यावरण संरक्षण का भी दिया संदेश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के चियांकी स्थित सीएमटीसी परिसर में शुक्रवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने जेएसएलपीएस अंतर्गत संचालित सखी मंडल द्वारा निर्मित हस्तनिर्मित राखियों के बिक्री केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पखवाड़े की भी शुरुआत करते हुए पौधरोपण किया और उपस्थित सभी को प्रकृति रक्षा का संकल्प दिलाया।

उपायुक्त ने दीदियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जब किसी कार्य को सामूहिक रूप से किया जाता है, तो उसका परिणाम और गुणवत्ता दोनों बेहतर होती हैं। उन्होंने कहा कि राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि हमारे पारंपरिक मूल्यों और रिश्तों का प्रतीक है, और यदि इसे स्थानीय स्तर पर बनाकर विक्रय किया जाए, तो यह आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण का अद्भुत उदाहरण बनता है।

20 हजार से अधिक राखियों का निर्माण, पर्यावरण आधारित राखियां बनीं विशेष आकर्षण : कार्यक्रम में बताया गया कि लेस्लीगंज, पड़वा, नवा बाजार और छतरपुर प्रखंडों की सखी मंडल की दीदियों ने रेशम, मोती, जरी, गोटी, रुद्राक्ष आदि से आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल राखियां तैयार की हैं। अब तक लगभग 20,000 राखियां बन चुकी हैं, जिन्हें जिले के सभी प्रखंडों में स्थित पलाश मार्ट व सखी मंडल की दुकानों में बिक्री के लिए भेजा जा रहा है।

सखी मंडलों को मिला आर्थिक सहयोग : कार्यक्रम के दौरान आईडीबीआई बैंक द्वारा पार्वती, गुलाब, शिव, सरस्वती, मौसम और जय मां संतोषी सखी मंडल को तृतीय लिंकेज के रूप में छह लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया गया, जो इनके कार्यों को और आगे बढ़ाने में सहायक होगा।

उपायुक्त ने जताया गर्व : उपायुक्त समीरा एस ने कहा कि दीदियों के हाथों में हुनर है, और यह पलामू जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आने वाले वर्षों में इस तरह के प्रयासों को और अधिक व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया जाएगा।

कार्यक्रम में रही सक्रिय भागीदारी : इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, सदर बीडीओ, बैंक के महाप्रबंधक ऋषि गुप्ता, उप प्रबंधक अनुज कुमार, जेएसएलपीएस डीपीएम अनीता सी केरकेट्टा, अख्तर अंसारी, सुनील कुमार, प्रभात पांडे सहित बड़ी संख्या में सखी मंडल की दीदियां उपस्थित रहीं।

गांधी उद्यान से सटे अवैध दुकानों पर नगर निगम की सख्त चेतावनी

- दुकानदारों को 15 दिन की मोहलत, तय समय के बाद हटाई जाएंगी सभी दुकानें

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। रेलवे स्टेशन से बेलवाटिका चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित गांधी उद्यान के समीप वर्षों से संचालित दर्जनों अस्थायी दुकानों के खिलाफ नगर निगम अब सख्ती से कार्रवाई की तैयारी में है। निगम द्वारा इन दुकानदारों को नोटिस जारी करते हुए 15 दिनों के भीतर निगम से दुकान का विधिवत एग्रीमेंट कराने का निर्देश दिया गया है।

नगर निगम सूत्रों के अनुसार इस मार्ग पर बड़ी संख्या में अवैध रूप से दुकानें लगाई गई हैं, जिससे न केवल आम लोगों को पार्किंग में परेशानी होती है, बल्कि निगम को राजस्व का नुकसान भी होता है। पूर्व में कई बार इन दुकानों को हटाया गया, लेकिन कुछ समय बाद दुकानदार पुनः उसी स्थान पर दुकानें लगा लेते हैं। नगर आयुक्त कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पहले भी इन दुकानदारों को निगम से समझौता करने और निर्धारित शुल्क जमा कर वैध संचालन की अनुमति लेने का निर्देश दिया गया था। अप्रैल माह में तत्कालीन नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने इन्हें स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया था कि शुल्क भरकर निगम से एग्रीमेंट कराएं, अन्यथा दुकान हटाने की कार्रवाई की जाएगी। लेकिन कई महीनों के बाद भी न तो एग्रीमेंट कराया गया और न ही दुकानें हटाई गईं।

नगर निगम की सिटी मैनेजर शमिता भगत ने बताया कि अवैध दुकानों की वजह से गांधी उद्यान के सामने पार्किंग व्यवस्था प्रभावित होती है और निगम को राजस्व की क्षति हो रही है। इस संबंध में सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने कहा कि नगर निगम अब गंभीर रुख अपनाते हुए 15 दिनों की अंतिम समयावधि दे रहा है। तो दुकानों को जबरन हटाया जाएगा और भविष्य में पुनः अतिक्रमण करने पर दंडात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है।

मॉडल डिग्री महिला कॉलेज में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

- यूजी सेमेस्टर-1 परीक्षा के सुचारु संचालन से छात्राओं व अभिभावकों में खुशी की लहर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले के मॉडल डिग्री महिला कॉलेज में आयोजित यूजी सेमेस्टर 1 (2024-28) की परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। परीक्षा 18 जुलाई से शुरू हुई थी और इसे दो पालियों में संपन्न कराया गया।

कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मनोरमा सिंह ने बताया कि परीक्षा कदाचार मुक्त और शांतिपूर्ण रही, जिसमें प्रशासन एवं वीक्षकों का योगदान सराहनीय रहा। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में कॉलेज को और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। इस सफलता से छात्राओं और उनके अभिभावकों में आशा और गर्व की भावना देखी जा रही है।

बैंककर्मी के घर 8 लाख की चोरी, सोते रहे परिजन, दूसरे घर में भी सेंधमारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के टीओपी टू क्षेत्र अंतर्गत कांदू मोहल्ले में एक बार फिर चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। चोरों ने शुक्रवार की देर रात दो घरों को निशाना बनाया, जिसमें एक घर से लगभग 8 लाख रुपए मूल्य के गहने व नकदी की चोरी कर ली गई, जबकि दूसरे घर से सिर्फ 3000 रुपए ले जा सके। जानकारी के अनुसार, चोरों ने बैंककर्मी एकलव्य कुमार के घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के वक्त घर के ऊपरी तल्ले पर एकलव्य के छोटे भाई शाश्वत कुमार और पास के कमरे में उनकी मां सो रही थीं, लेकिन किसी को चोरी की भनक तक नहीं लगी। आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने उनकी मां को बेहोश करने के लिए कोई पदार्थ छिड़का होगा। चोरी को अंजाम देने के लिए चोर ग्रिल का ताला तोड़कर घर में घुसे और दीवार में ड्रिल कर मुख्य दरवाजा खोला। फिर अलमारी से लाकर की चाबी निकाल कर तीन अलमारियों से सोने-चांदी के गहने और नगदी समेत करीब 8 लाख की संपत्ति चुरा ली।

टाउन हॉल में मो. रफी की पुण्यतिथि पर संगीत संध्या कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय पं. दीनदयाल उपाध्याय टाउन हॉल में गुरुवार की रात गुलशन परिवार म्यूजिकल ग्रुप द्वारा दिवंगत महान पार्श्व गायक मो. रफी की पुण्यतिथि के अवसर पर एक शानदार संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पलामू रेंज के डीआईजी नौशाद आलम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्गा प्रसाद जौहरी ने की, जबकि संचालन शालिनी सिन्हा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई, जिसमें उपस्थित सभी अतिथियों ने भाग लिया। इसके बाद कार्यक्रम में मो. रफी के अनेक प्रतिष्ठित गीतों की प्रस्तुति की गई। गायकों ने एकल और युगल गीतों की पेशकश की, जिनमें "बेखुदी में सनम उठ गए", "जो कदम दिल बेकरार सा है", "हमको खुमार सा है", "क्या हुआ तेरा वादा" जैसे प्रसिद्ध गीतों ने दर्शकों की वाहवाही बटोरी।

पेज एक के शेष

शाहरुख व विक्रांत...

खास बात ये है कि बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान को 33 साल के करियर में पहली बार बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला है। वर्ष 2023 में आई फिल्म 'जवान' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिला है। इसके अलावा विक्रांत मैसी को भी बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया है। फिल्म '12वीं फेल' के लिए उन्हें यह सम्मान मिला है। वहीं, रानी मुखर्जी को फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड हासिल किया है।

अवॉर्ड में किसे क्या-क्या मिला :

- बेस्ट फीचर फिल्म : 12वीं फेल
- बेस्ट हिंदी फिल्म : कटहल
- बेस्ट डायरेक्टर : सुदीप्तो सेन (द केरला स्टोरी)
- बेस्ट सिनेमेटोग्राफी : प्रशांतनु मोहपात्रा (द केरला स्टोरी)
- बेस्ट फीमेल सिंगर : शिल्पा राव (जवान)
- बेस्ट फीमेल सिंगर : पीवीएन एस. रोहित (बेबी)
- बेस्ट चिल्ड्रेन फिल्म : मराठी फिल्म 'नाल 2'
- बेस्ट एक्शन डायरेक्शन (स्टंट कोरियोग्राफी कैटेगरी): नंदू एंड पृथ्वी (हनु-मैन)
- बेस्ट कोरियोग्राफी : वैभवी मर्चेंट, ढिंढोरा बाजे रे (रॉकी और रानी की प्रेम कहानी)
- बेस्ट लिरिक्स : कासरला श्याम (तेलुगू फिल्म बलगम)
- बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन : वी प्रकाश (तमिल फिल्म वाथी) और हर्षवर्धन रामेश्वर (एनिमल)
- बेस्ट मेकअप आर्टिस्ट : श्रीकांत देसाई (सैम बहादुर)
- बेस्ट कॉस्ट्यूम डिजाइनर : सचिन लावेलकर, दिव्या गंभीर, निधि गंभीर को फिल्म (सैम बहादुर)
- बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन : मोहनदास (2018-एवरीवन इज हीरो)
- बेस्ट एडिटिंग : मिधुन मुरली (मलयालम फिल्म पोक्कालम)
- बेस्ट साउंड डिजाइन : सचिन सुधाकरन, हरिहरनन मुरलीधरन (एनिमल)
- बेस्ट स्क्रीनप्ले : साईं राजेश नीलम (तेलुगू फिल्म बेबी)
- बेस्ट डायलॉग : दीपक किंगरानी (सिर्फ एक बंदा काफी है)
- बेस्ट एक्ट्रेस इन सपोर्टिंग रोल : उर्वशी (मलयालम फिल्म उल्लोजुकु)
- बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर : विजयराघवन (मलयालम फिल्म पोक्कालम)
- बेस्ट फिल्म एनीमेशन कैटेगरी : हनु-मैन
- बेस्ट पॉपुलर फिल्म : रॉकी और रानी की प्रेम कहानी
- बेस्ट फिल्म प्रमोटिंग सोशल एंड नेशनल वैल्यू : सैम बहादुर

सदन को स्वस्थ...

का समर्पण के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि संवाद, सहमति और सहभागिता से ही सदन जनता की अपेक्षाओं का प्रतीक बनता है। स्पीकर महतो ने कहा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं है, बल्कि अल्पमत का सम्मान भी जरूरी है। सदन को स्वस्थ बहस, रचनात्मक आलोचना और विचार-विमर्श का मंच बनना चाहिए। मानसून सत्र के पहले दिन स्पीकर ने भाजपा के विधायक नवीन जायसवाल को पार्टी के मुख्य सचेतक तथा राज सिंहा और नागेंद्र महतो को सचेतक के रूप में मान्यता प्रदान की। सत्र के पहले दिन देश-राज्य की कई विभूतियों, पूर्व सांसदों और विधायकों के निधन पर शोक प्रस्ताव लाया गया। सदन ने धनबाद के पूर्व सांसद चंद्रशेखर सिंह, कोडरमा के पूर्व सांसद तिलकधारी सिंह, पूर्व विधायक ओमीलाल आजाद, ज्योतिंद्र प्रसाद, युगल किशोर पांडेय, इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ के. कस्तूरीरंगन, चिकित्सक डॉ शोभा चक्रवर्ती और हॉकी कोच प्रतिमा बरवा सहित अन्य दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। अहमदाबाद विमान हादसे में यात्रियों और पहलगाम में आतंकी हमले में पर्यटकों के निधन पर भी शोक व्यक्त किया गया। सदन में दो मिनट का मौन रखकर सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई। सदन के नेता हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी एवं अन्य ने इन विभूतियों के योगदान की चर्चा की। इसके बाद सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11:00 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

4 अगस्त को...

6 अगस्त को प्रश्नकाल और राजकीय विधेयकों पर विचार किया जाएगा। 7 अगस्त को प्रश्नकाल के बाद राजकीय विधेयक और गैर सरकारी संकल्पों पर चर्चा होगी।

2047 के विकसित...

शिक्षा में मानवीय मूल्यों के महत्व को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, आप भविष्य में जो कुछ भी करें, उसमें बुद्धिमत्ता के साथ नैतिकता और करुणा भी होनी चाहिए। आपका ज्ञान केवल व्यक्तिगत उन्नति का साधन न बने, बल्कि वह समाज और राष्ट्र के निर्माण का माध्यम हो। यही शिक्षा का सार है। अपने ज्ञान से जटिल समस्याओं का रचनात्मक समाधान निकालें और ग्रीन इंडिया और न्यायपूर्ण भारत के निर्माण में योगदान दें। राष्ट्रपति ने संस्थान द्वारा तैयार किए गए शैक्षणिक और नवाचार इको-सिस्टम की सराहना की, जिसका उद्देश्य लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं से शिक्षा को जोड़ना है। उन्होंने कहा कि 100 वर्षों के गौरवशाली इतिहास के साथ यह संस्थान आज शिक्षा और अनुसंधान का अग्रणी केंद्र बन चुका है। जनजातीय समाज के लिए यहां संचालित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कि यह केंद्र कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से न केवल जनजातीय युवाओं को, बल्कि वंचित महिलाओं को भी सशक्त बना रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास सामाजिक समावेशिता और समग्र विकास की दिशा में सराहनीय हैं। इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और राज्य के नगर विकास एवं उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित थे। संस्थान के चेयरमैन प्रेम बराट ने वर्ष 1926 लेकर अब तक संस्थान की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। आईआईटी आईएसएम के निदेशक प्रो सुकुमार मिश्रा ने दीक्षांत समारोह में संस्थान का रिपोर्ट कार्ड पेश किया।

राष्ट्रपति की उपस्थिति...

राज्यपाल गंगवार ने झारखंड की खनिज संपदा का उल्लेख करते हुए कहा कि आईआईटी आईएसएम, धनबाद जैसे संस्थान राज्य के सतत एवं समावेशी विकास में अनुसंधान व नवाचार के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने सभी उपाधिधारकों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रॉयल्टी बकाया मामले...

वारंट और कुर्की का आदेश पहले ही जारी कर दिया है, लेकिन इसपर कार्रवाई नहीं हो रही है। ज्ञात हो कि झारखंड सरकार ने दुमका और पाकुड़ जिलों में कोयला खनन के लिए पैनम माइंस कंपनी को लीज पर जमीन दी थी। आरोप है कि कंपनी ने लीज की शर्तों का उल्लंघन करते हुए तय सीमा से अधिक मात्रा में कोयला खनन किया, जिससे राज्य सरकार को 100 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व नुकसान हुआ। स्थानीय ग्रामीणों और कई संस्थाओं ने जब यह मामला उठाया, तो इसकी जांच कराई गई थी। जांच में कंपनी द्वारा अवैध खनन के कारण सरकार को राजस्व हानि की पुष्टि हुई। फिर भी सरकार ने अब तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की है। इस मामले में जनहित याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता राम सुभग सिंह ने कोर्ट को बताया कि पैनम माइंस के प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को न तो पुनर्वास की सुविधा मिली और न ही अन्य मौलिक सहूलियतें। इसके चलते स्थानीय लोगों में असंतोष है और पर्यावरणीय नुकसान भी सामने आए हैं।

मोहन भागवत को....

उन्होंने इस निर्देश का पालन करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्हें झूठे मामले में फंसाकर गिरफ्तार कर लिया गया। पूर्व एटीएस अधिकारी महबूब मुजावर ने कहा, मुझे फरार आरोपियों संदीप डांगे और रामजी कलसांगरा को पकड़ने की जिम्मेदारी दी गई थी। लेकिन इसके साथ ही, मुझे मोहन भागवत को भी गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। यह निर्देश सीधे परमबीर सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारियों से आया था। मुजावर ने कहा कि उन्हें इस काम के लिए आधिकारिक तौर पर तैयार किया गया था। उनके पास 10 लोगों की टीम, पर्याप्त फंडिंग और एटीएस द्वारा एक सर्विस रिवॉल्वर भी उपलब्ध कराया गया था। लेकिन, मैंने ऐसा करने से इनकार कर दिया, क्योंकि ऐसा करने के लिए कोई ठोस सबूत नहीं था। उन्होंने कहा, यही वह समय था जब 'भगवा आतंकवाद' शब्द ने जोर पकड़ना शुरू किया। मुझे मोहन भागवत को गिरफ्तार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन मैं ऐसा झूठ नहीं गढ़ सकता था। मैं निर्देशानुसार नागपुर में रहा, लेकिन मैंने गिरफ्तारी नहीं की, क्योंकि यह नैतिक और कानूनी रूप से गलत होता। अगर मैंने ऐसा किया होता, तो कौन जानता है कि मेरे साथ क्या होता? मुजावर के अनुसार, उनके इनकार के कारण व्यवस्था के भीतर से प्रतिशोध शुरू हो गया। मुजावर का यह बयान विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत द्वारा 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों को बरी करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित भी शामिल हैं। समाचार एजेंसी से बातचीत में महाराष्ट्र एटीएस के पूर्व अधिकारी महबूब मुजावर ने कहा कि मैंने भागवत को गिरफ्तार नहीं किया, इसलिए मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए गए। मुझे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया और मेरे खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई। बाद में मैंने कोर्ट में सभी दस्तावेज पेश किए, जो साबित करते थे कि आरएसएस प्रमुख के खिलाफ कोई सबूत नहीं था। आखिरकार, मुझे बरी कर दिया गया। अब दस साल से ज्यादा हो चुके हैं। ये दस्तावेज एनआईए को भी दिए गए और अंतिम फैसले के दौरान पेश किए गए। कोर्ट ने पर्याप्त सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), शस्त्र अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत सभी आरोप खारिज कर दिए। मालेगांव ब्लास्ट 29 सितंबर, 2008 को नासिक जिले के मालेगांव में भिक्कू चौक मस्जिद के पास हुआ था, जब रमजान के पवित्र महीने और नवरात्रि से कुछ दिन पहले एक मोटरसाइकिल पर फिक्स किए गए बम का धमाका हुआ था। सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस इलाके में छह लोग मारे गए थे और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। लगभग 17 साल की कानूनी लड़ाई के बाद, गुरुवार को अदालत के निर्देशानुसार, सभी आरोपियों की उपस्थिति में खचाखच भरे अदालत कक्ष में फैसला सुनाया गया। अदालत ने मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और प्रत्येक घायल को 50-50 हजार रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया।

मातृत्व को सशक्त...

बल्कि मां और शिशु के बीच जीवनदायी संबंध को सशक्त बनाने का संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी पहल मातृत्व को सुरक्षा, सम्मान और शक्ति प्रदान कर रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा बहनों के सतत प्रयासों के साथ-साथ पोषण ट्रैकर जैसे डिजिटल टूल्स माताओं को अधिक जागरूक, समर्थ और स्वास्थ्य-साक्षर बना रहे हैं। अन्नपूर्णा देवी ने कहा, स्तनपान को बढ़ावा देना समाज के लिए एक सामूहिक जिम्मेदारी है, जो मां और शिशु दोनों के लिए जीवन रक्षक है। इस अभियान का लक्ष्य समाज, कार्यस्थलों और सरकारी नीतियों में ऐसी व्यवस्थाएं बनाना है, जो माताओं को स्तनपान के लिए प्रोत्साहित करे। अन्नपूर्णा देवी ने वीडियो में अपील की कि गर्भवती महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही मातृ वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसी योजनाओं की सराहना की, जो माताओं को सुरक्षा और समर्थन प्रदान करती हैं। आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के साथ 'पोषण ट्रैकर' जैसे डिजिटल उपकरण माताओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बना रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के अनुसार, स्तनपान शिशुओं को कुपोषण, दस्त और निमोनिया जैसी बीमारियों से बचाता है, साथ ही माताओं में स्तन कैंसर, डिंबग्रंथि कैंसर और टाइप-2 मधुमेह का खतरा कम करता है। स्तन के दूध में मौजूद एंटीबॉडी शिशुओं को बीमारियों से सुरक्षा देते हैं। आंकड़े बताते हैं कि स्तनपान दरों में सुधार से हर साल 8,20,000 बच्चों की जान बचाई जा सकती है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर केवल 48 प्रतिशत शिशुओं को ही छह महीने तक पूर्ण स्तनपान कराया जाता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' से...

यह हमला कश्मीर क्षेत्र में एक अज्ञात आतंकवादी समूह 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' द्वारा किया गया था। इस जघन्य अपराध की अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने निंदा की और संयुक्त राष्ट्र ने निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की जरूरत को स्वीकार किया। दो सप्ताह बाद भारत ने एक सैन्य अभियान के अंतर्गत जवाबी हमला किया, जिसमें हमारे मिसाइल्स का हमला इतना सटीक और जोरदार था कि पाकिस्तान आश्चर्य के साथ थर्रा गया। यह क्रिया भारत की प्रतिरक्षा और आगे आतंकवाद का मुकाबला करने के भारत के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा। जिहादियों द्वारा नियंत्रण रेखा पार कर मानवाधिकारों का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। हमारे देश भारत का दावा है कि टीआरएफ पाकिस्तान से कश्मीर में लड़ाकों की भर्ती और हथियारों की तस्करी में शामिल था। प्रधानमंत्री मोदी से जिहादियों को सबक सिखाने का जनता का आग्रह था, जो विशेष रूप से हिंदू पर्यटकों को निशाना बना रहे थे। हमले के जवाब में भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया, जो भारत और पाकिस्तान के बीच पानी का वितरण करती आ रही है। भारत ने सीमा पार उन जगहों पर हवाई हमले किए, जिनका इस्तेमाल लश्कर, जैश और हिजबुल मुजाहिद्दीन करते रहे हैं, जिसमें सौ आतंकवादी मारे गए। भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंतरराष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों द्वारा निर्णायक सैन्य विजय के रूप में सराहा गया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की परिकल्पना नियंत्रण रेखा के पार और पाकिस्तान के अंदर तक आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए एक दंडात्मक और लक्षित अभियान के रूप में की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की कि भविष्य में किसी भी साधारण आतंकवादी हमले का भी इसी प्रकार कड़ा जवाब दिया जाएगा और आगे भी सैन्य हमले होंगे, देश ने केवल अपनी सैन्य कार्रवाई को रोका भर है। हमारा इस शौर्य भरे, सुंदर और सटीक भारतीय प्रहार को नमन तथा अपने काबिल एवं उपयुक्त राष्ट्रभक्त सैनिकों की कार्यकुशलता की प्रशंसा करते हैं। भविष्य के लिए भी इनके शौर्य पर श्रद्धापूर्ण आशा, भरोसा और दृढ़ विस्वास व्यक्त करते हैं। जय हिंद!

मारपीट के मामले...

संहिता की धारा 326 के तहत 05 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने 50,000 रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड नहीं देने की स्थिति में एक वर्ष के अतिरिक्त कारावास की सजा सुनाई गई है। बताया गया कि वादिनी के लिखित आवेदन पर 04 जुलाई 2015 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना उस समय की है, जब वादिनी अपने जमीन पर मकान निर्माण करवा रही थी। उसी दौरान अभियुक्त द्वारा निर्माण कार्य में बाधा डालते हुए लाठी-डंडा एवं लोहे के रॉड से हमला कर वादिनी को गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

गाजा में राहत सामग्री पहुंची वितरण में अब भी मुश्किलें: यूएन

संयुक्त राष्ट्र (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा है कि गाजा में भुखमरी की स्थिति बिगड़ने के साथ ही सहायता सामग्री के त्वरित वितरण के प्रयासों में देरी हो रही है। इसका कारण लूटपाट और सैन्य अभियानों की वजह से होनी वाली बाधा बताया गया है। वो भी तब जब सहायता सामग्री का इजरायली चौकियों से प्रवेश जारी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) के हवाले से कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में, इजरायली सेना द्वारा सीमा पार से गाजा में प्रवेश और वितरण स्थलों तक सुरक्षित मार्ग निर्धारित करने के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगियों की ओर से संचालित सहायता ट्रकों को काफी इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे ड्राइवरों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है।

सितंबर 2023 तक 12 लाख अफगान पाकिस्तान से लौटे

काबुल (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) की रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2023 से अब तक करीब 12 लाख अफगान नागरिक पाकिस्तान से लौट चुके हैं। रिपोर्ट में यूएनएचसीआर ने कहा कि वापस लौटे कई अफगान नागरिक गंभीर परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं और बिगड़ते मानवीय संकट को रोकने के लिए तत्काल सहायता की मांग की गई है। अब तक लौटे हुए करीब 1.56 लाख लोगों को ही मानवीय सहायता मिल पाई है, जिनमें 98,000 ऐसे लोग हैं जिनके पास पाकिस्तान में पंजीकृत शरणार्थी कार्ड थे। रिपोर्ट के अनुसार, इन सहायता प्राप्त करने वालों में लगभग आधे महिलाएं और लड़कियां हैं। सिर्फ 2025 में ही अब तक 3.15 लाख से अधिक अफगान नागरिक वापस लौटे हैं।

उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को होगा चुनाव

7 अगस्त को नोटिफिकेशन और 21 अगस्त तक होगा नामांकन

ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति के चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 21 अगस्त तक उपराष्ट्रपति के पद के लिए नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे जबकि 9 सितंबर को वोट डाले जाएंगे। मालूम हो कि जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने की वजह से उपराष्ट्रपति का पद खाली हो गया है और अब इसे लेकर फिर से चुनाव कराया जाना जरूरी है।

धनखड़ भारत के 14वें उपराष्ट्रपति रहे और उनका कार्यकाल 10 अगस्त 2027 को समाप्त होना था। 2022 में हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी और विपक्ष की उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया था।उपराष्ट्रपति के कार्यालय की वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक, उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है। यह चुनाव सिंगल ट्रांसफरेबल वोट के मार्फत प्रोपोर्शनल रिप्रेजेन्टेशन के माध्यम से होता है।

उपराष्ट्रपति बनने के लिए क्या योग्यता होनी चाहिए?

1. वह भारत का नागरिक होना चाहिए।
2. उसकी आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
3. वह राज्यसभा का सदस्य चुने जाने के योग्य होना चाहिए।

लाभ के पद पर बैठे व्यक्ति को नहीं मिल सकता उपराष्ट्रपति बनने का मौका!

यदि कोई व्यक्ति केंद्र या राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकरण में लाभ के किसी पद पर हो तो वह उपराष्ट्रपति पद पर नहीं चुना जा सकता। संख्या बल के लिहाज से उपराष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा व उसके सहयोगी दलों के पास विपक्ष से काफी ज्यादा सांसद हैं। अभी यह भी तय नहीं है कि विपक्ष उपराष्ट्रपति के चुनाव में उतरेगा या नहीं हालांकि उसने 2017 व 2022 के चुनाव में पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा था। उपराष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में केवल लोकसभा व राज्यसभा के सांसद होते हैं। भाजपा के लोकसभा में 240 व राज्यसभा में 99 सदस्य हैं। संसद के दोनों सदनों में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार के पास 457 से ज़्यादा सदस्य हैं। कांग्रेस के लोकसभा में 99 व राज्यसभा में 27 सदस्य हैं। इंडिया ब्लॉक व इससे जुड़ी पार्टियों के दोनों सदनों में मिलाकर 300 से ज्यादा सदस्य हैं।

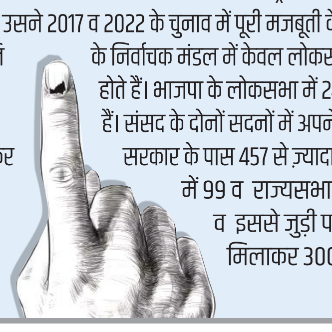

बांग्लादेश में सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन जारी, 'जुलाई चार्टर' की मांग

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के शाहबाग इलाके में शुक्रवार को भी धरना प्रदर्शन जारी रहा, जिससे यातायात बुरी तरह बाधित हुआ और आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह धरना गुरुवार सुबह से शुरू हुआ था और प्रदर्शनकारी लगातार "जुलाई लेकर टालमटोल नहीं चलेगा" और "जुलाई चार्टर देना होगा" जैसे नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि 'जुलाई चार्टर' को तुरंत लागू किया जाए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, "जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, हम सड़कों से नहीं हटेंगे। शाहबाग चौराहे पर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के जमा होने के कारण यातायात पूरी तरह ठप हो गया। एक स्थानीय यात्री ने बताया, "मैं सुबह आधिकारिक काम से जत्राबाड़ी गया था। फिर सोशल मीडिया से शाहबाग ब्लॉकेड की जानकारी मिली, तो मैं बस से बासाबो, कमलापुर और मालिबाग के रास्ते जाने लगा, लेकिन सड़कों पर हर जगह जाम था। करवान बाजार पहुंचने में ढाई घंटे लग गए, जो सामान्यतः सवा घंटे का सफर होता है।

'राज्यसभा वेल में सीआईएसएफ जवानों का आना बेहद आपत्तिजनक'

नेता विपक्ष खड़गे ने उपसभापति हरिवंश को लिखा पत्र

ब्यूरो

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस सांसद व राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपसभापति हरिवंश को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने सदन के वेल में सीआईएसएफ जवानों के आने की घटना को 'बेहद आपत्तिजनक' बताया है और कहा है कि संसद में ऐसी घटना हैरान करने वाली है। खड़गे ने उपसभापति को लिखे पत्र में कहा, भविष्य में, जब राज्यसभा सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे, उन्हें ऐसी उम्मीद है।' मालूम हो कि संसदीय नियमावली के तहत सदन की कार्यवाही चलते समय सदन के वेल में सांसदों का आना प्रतिबंधित होता है। इसे सदन में अव्यवस्था के साथ-साथ सभापति के आसन पर दबाव बनाने के प्रयास की तरह देखा जाता है। सदन के वेल में घुसने को लेकर सभापति सांसदों को आगाह करते हैं। पीठासीन सभापति के निर्देशों और अपील का उल्लंघन करने पर सांसदों को निलंबित भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस समय राज्यसभा सदस्य जब अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर रहे हैं... उस समय सुरक्षाकर्मियों का सदन के वेल में आना बेहद आपत्तिजनक है और वे इसकी कड़ी निंदा करते हैं। खरगे ने लिखा, 'हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में, जब सदस्य जनहित के महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे होंगे, तो सीआईएसएफ कर्मी सदन के वेल में नहीं आएंगे।' मालूम हो कि संसद की कार्यवाही संचालन के समय सभापति के आसन के ठीक सामने राज्यसभा महासचिव बैठते हैं। उनके अलावा सदन की कार्यवाही चलाने में मदद करने वाले कई अन्य पदाधिकारी भी होते हैं। सांसदों के बैठने की जगह और सभापति के आसन के बीच अर्धचंद्राकार या यू शेप वाले हिस्से को सदन का वेल कहा जाता है। इस जगह पर बिना अनुमति के आना नियमों का उल्लंघन और अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है।

टैरिफ पर भारत का जवाब

अमेरिकी एफ-35 खरीदने से इनकार के बाद पीएम मोदी का अगला कदम क्या?

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका को उसी की भाषा में जवाब दे दिया है। एक ऐसा जवाब जो सिर्फ कूटनीतिक ही नहीं रणनीतिक भी है। एक ऐसा झटका जिससे वाशिंगटन की इंडो पैसेफिक रणनीति की जड़े हिल गई। अब भारत ने एफ 35 स्टील्थ फाइटर जेट की डील को आधिकारिक तौर पर ठुकरा दिया है। ब्लूमबर्ग ने इसका दावा भी किया है। ये वही डील थी जो अमेरिका की तरफ से कई सालों से भारत को लुभाने के लिए इस्तेमाल की जा रही थी। भारत ने साफ कर दिया कि हम अपनी सुरक्षा अमेरिका की मर्जी से तय नहीं करेंगे। ट्रंप सरकार की टैरिफ फाइट के बीच अब दिल्ली वाशिंगटन डिप्लोमेसी में नई टकराहट सामने आई है। 31 जुलाई को डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए 25 प्रतिशत तक के टैरिफ की घोषणा कर दी। ट्रंप प्रशासन के इस फैसले से भारत हैरान रह गया। फिलहाल भारत तुरंत किसी जवाबी कार्यवाही के मूड में तो नहीं है। लेकिन अमेरिकी दवाब से निपटने के लिए भारतीय अथॉरिटी ने कुछ विकल्पों पर गौर करना शुरू कर दिया है। इसमें एनर्जी यानी ऊर्जा और कम्युनिकेशन से जुड़े सेक्टर्स में इंपोर्ट बढ़ाने का प्लान शामिल है। लेकिन डिफेंस की खरीद नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप ने जैसे ही 25 प्रतिशत की टैरिफ के साथ पैनल्टी लगाने का ऐलान किया तो नई दिल्ली के पॉलिसी मेकर्स को बड़ा झटका लगा था। लेकिन फिर भी आनन फानन में कोई भी कदम उठाने से अथॉरिटी ने खुद को रोके रखा।

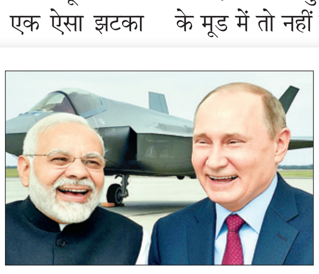

व्यापार वार्ता में रक्षा सौदे पर कोई चर्चा नहीं : हालांकि भारत सरकार ने तत्काल जवाबी कार्रवाई से इनकार किया है, वह अमेरिका के साथ अपने व्यापार अधिशेष को कम करने के उपायों पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है। जिन विकल्पों पर विचार किया जा रहा है उनमें अमेरिकी प्राकृतिक गैस, सोना और संचार उपकरणों का आयात बढ़ाना शामिल है।

संस्कृत को बातचीत का माध्यम बनाने की जरूरत : मोहन भागवत

ब्यूरो

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कालीदास संस्कृत विश्वविद्यालय , नागपुर में एक भवन के उद्घाटन समारोह में कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है और इसे संचार का माध्यम बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत को समझने और उसमें संवाद करने की क्षमता रखने में अंतर होता है।यह भी कहा कि संस्कृत विश्वविद्यालय को सरकारी संरक्षण मिलेगा, लेकिन जनता का संरक्षण मिलना भी जरूरी है। संघ प्रमुख ने कहा, 'मैंने यह भाषा सीखी है, लेकिन मैं इसे धाराप्रवाह नहीं बोल पाता हूं। संस्कृत को हर घर तक पहुंचाने की जरूरत है और इस भाषा में संवाद जरूरी है।' भागवत ने कहा कि 'आत्मनिर्भर' बनने की आवश्यकता पर सभी एकमत हैं, जिसके लिए हमें अपनी बुद्धि व ज्ञान का विकास करना होगा। उन्होंने कहा, 'भाषा एक भाव है। स्वत्व कोई भौतिक चीज नहीं, बल्कि व्यक्तिगत है और यह भाषा के माध्यम से अभिव्यक्त होती है। संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की उत्पत्ति का स्त्रोत है।' संस्कृत को जानना, देश को समझने के समान है।उन्होंने विश्वविद्यालय में अभिनव भारती अंतरराष्ट्रीय अकादमिक भवन का उद्घाटन किया।

दिल के रोग, स्ट्रोक, मोटापा व मधुमेह होने में तनाव की है प्रमुख भूमिका

नजरअंदाज करने से बिगड़ सकता है मानसिक स्वास्थ्य

ब्यूरो

नई दिल्ली। तनाव हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गया है। इन दिनों हालत यह हो गई है कि जीवन के संघर्ष में , जीने के लिए लोग घर से लेकर कार्यालय तक हर ठिकाने पर तनाव में चल रहे हैं। जैसे कि तनाव उनकी परछाई की तरह साथ-साथ चल रहा है।ऐसे में यह जानना ज़रूरी है कि तनाव के लक्षण आपके शरीर, विचारों-भावनाओं व व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं।तनाव एक सामान्य मानसिक व शारीरिक प्रतिक्रिया है जो तब होती है जब व्यक्ति पर कोई दबाव या चुनौती होती है। कभी-कभी तनाव होना परेशानी का सबब नहीं है, लेकिन हमेशा तनाव होना और ये परेशानी लम्बे समय तक बनी रहना आपकी शारीरिक व मानसिक सेहत को बिगाड़ सकती है। तनाव को लम्बे समय तक कंट्रोल नहीं किया जाए तो ये परेशानी गंभीर क्रॉनिक बीमारियों का कारण बन सकती है। लम्बे समय तक तनाव में रहने से हाई ब्लड प्रेशर, दिल के रोग, स्ट्रोक, मोटापा व डायबिटीज का खतरा बढ़ सकता है। ये सभी क्रॉनिक बीमारियां होने में तनाव की मुख्य भूमिका होती है।

चिकित्सकों के अनुसार शरीर में तनाव बढ़ने पर जो लक्षण दिखते हैं इसमें सिर दर्द,नींद में परेशानी, अच्छा महसूस नहीं करना, काम में ध्यान नहीं लगाना जैसे लक्षण महसूस करते हैं, लेकिन आप जानते हैं कि तनाव बढ़ने पर आपका व्यवहार भी बदल जाता है। तनाव के लक्षण आपके शरीर, विचारों-भावनाओं व व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। इन लक्षणों को पहचान कर आप तनाव को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकते हैं। तनाव के कौन से लक्षण शरीर में दिखते हैं जिन्हें पहचानना जरूरी है।

1. **घबराहट :** आप तनाव में हैं तो आप हमेशा घबराहट में रहेंगे। तनाव में इंसान हर काम जल्दी-जल्दी करेगा। जब आप तनाव में रहते हैं तब हमेशा बेचैनी या घबराहट बनी रहती है। छोटी-छोटी बातों पर बेचैन होना, जल्दी-जल्दी काम करना और खुद को शांत न रख पाना तनाव के लक्षण हैं। तनाव में रहने से धड़कन तेज हो जाती है, सांस तेज चलता है, ध्यान केंद्रित करना मुश्किल होता है।

2. **तुरंत गुस्सा आना :** किसी भी बात पर तुरंत रिएक्ट करते हैं तो आप तनाव में हैं। यदि आप छोटी छोटी बात पर बड़ा रिएक्ट करते है और एग्रेसिव हो जाते हैं तो आप तनाव में हैं। जब आप तनाव में होते हैं तो हर छोटी बात पर आपको गुस्सा आ जाता है। ऐसी परिस्थितियों में आपकी सोच स्पष्ट नहीं रहती और निर्णय-शक्ति प्रभावित होती है। ये संकेत दर्शाते हैं कि आपकी बॉडी की फाइट ऑफ फ़्लाइट प्रतिक्रिया सक्रिय है, जिसे कंट्रोल करना जरूरी है।

3. **हर छोटी बात बुरा लगना :** यदि आपको किसी की भी छोटी सी भी बात बुरी लगती है तो समझ जाएं कि आप तनाव में है। ऐसे लोग तुरंत रिएक्ट करते हैं। ऐसी स्थिति में तनावग्रस्त इंसान या तो रोएगा या फिर गुस्सा करेगा।

गलत परिणाम आने का डर होना

यदि आप भी कोई काम करते हैं और उसके पॉजिटिव परिणाम के बजाय उसके निगेटिव परिणाम दिमाग में ज्यादा दौड़ते हैं तो आप तनाव में हैं। तनाव में इंसान आज में नहीं बल्कि कल क्या होगा, यदि बुरा हुआ तो क्या होगा, इस तरह की सोच दिमाग में चलती रहती है। ये सभी लक्षण लम्बे समय तक बने रहें, तो आपकी शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को बिगाड़ सकते हैं।

मेरे खिलाफ दी गई थी सुपारी : मंत्री एके शर्मा

- योगी ने विभाग के अधिकारियों को लगाई थी फटकार
- आगरा में बिजली वितरण का काम टोरेंट को

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बीते कुछ दिनों से बिजली कटौती से लेकर लापरवाह अधिकारियों से बातचीत की कॉल रिकॉर्डिंग को लेकर चर्चा में हैं। अब अरविंद कुमार शर्मा खुद को शक्तिहीन महसूस कर रहे हैं। उन्होंने दो महीने पहले अधिकारियों पर अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया था। वे लगातार ये आरोप लगा रहे थे और इन विवादों के बीच ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले हफ्ते विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली थी। योगी आदित्यनाथ ने बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में बिजली कटौती को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई थी। उन्होंने कहा था कि वे विभाग में कमियों को दुरुस्त करके प्रदेश में बिजली आपूर्ति को सहज बनाएं। इन सबके बीच ही अब अरविंद कुमार शर्मा ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट किया है और अपनी जान को खतरा बताया है।राज्य में भाजपा के मंत्रियों-विधायकों व अधिकारियों के बीच टकराव की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। हालांकि, एके शर्मा व उनके अधिकारियों के बीच टकराव चौंकाने वाला है, क्योंकि उनके विभाग का कर्मचारी संघ उन्हें ऊर्जा मंत्री के पद से हटाने की मांग कर रहा है।मालूम हो कि 1998 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी एके शर्मा (उप्र के मऊ जिले के हैं)को नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वासी नौकरशाहों में से एक माना जाता है। एके शर्मा नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद संयुक्त सचिव के रूप में प्रधानमंत्री कार्यालय में शामिल हुए। वे 2020 तक प्रधानमंत्री कार्यालय में रहे फिर उन्होंने वीआरएस ले लिया। जनवरी 2021 में, वे भाजपा में शामिल हो गए और जल्द ही एमएलसी चुने गए व उप्र भाजपा के उपाध्यक्ष बनाए गए। उप्र में 2022 के विधानसभा चुनावों में भाजपा के सत्ता में लौटने के बाद एके शर्मा को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई और उन्हें ऊर्जा व शहरी विकास जैसे दो महत्वपूर्ण विभाग दिए गए। सोमवार को मंत्री के तौर पर अरविंद कुमार शर्मा के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में राज्य के कई बिजली कर्मचारियों को असल में असामाजिक तत्व बताया गया, जिन्होंने उनके खिलाफ सुपारी ले रखी है। मंत्री के पोस्ट म कहा गया कि जिन लोगों ने ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा की सुपारी ली है, वे परेशान हैं , क्योंकि ऊर्जा मंत्री उनके आगे झुकते नहीं हैं। बिजली विभाग के कर्मचारी आगरा की तर्ज पर पूरे राज्य में बिजली आपूर्ति वितरण के निजीकरण की योजना का विरोध कर रहे हैं। इस निर्णय की घोषणा कुछ महीने पहले की गई थी, जिसके लिए मुख्य सचिव के नेतृत्व में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था। निजीकरण की स्थिति में नौकरियां जाने के डर से कर्मचारियों ने इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया और कई हड़ताल कीं, लेकिन इस दिशा में कोई प्रगति नहीं हुई। हाल के दिनों में, राज्य भर से बिजली कटौती, ट्रिपिंग व ट्रांसफॉर्मरों के खराब होने की खबरों ने शर्मा की परेशानी और बढ़ा दी है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार, खासकर शर्मा की आलोचना कर रहा है। 25 जुलाई को विधानसभा सत्र के करीब आने पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की थी। इस मीटिंग में मंत्री एके शर्मा भी वर्चुअली शामिल हुए। इस दौरान अधिकारियों को बार-बार" बिजली ट्रिपिंग, अधिक बिलिंग व अनिर्धारित कटौती के बारे में चेतावनी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण को मजबूत करने के लिए रिकॉर्ड तोड़ बजट आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर स्तर पर जवाबदेही तय होनी चाहिए। दूसरी ओर मंत्री शर्मा के आधिकारिक अकाउंट पर सोमवार को किए गए पोस्ट में निजीकरण की योजना को लेकर उनके खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाया गया है। इसमें बताया गया है कि यह निर्णय मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स द्वारा और उच्च स्तरीय सरकारी मंजूरी के बाद लिया गया था। पोस्ट में कहा गया है कि कर्मचारी अच्छी तरह जानते हैं कि निजीकरण का इतना बड़ा फैसला अकेले नहीं लिया जा सकता। जब ऊर्जा मंत्री एक जेई का भी तबादला नहीं कर सकते, जब यूपीपीसीएल (उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड) का कामकाज स्वतंत्र है, तो ऊर्जा मंत्री इतना बड़ा फैसला कैसे ले सकते हैं? लगता है कि एके शर्मा से जलने वाले सभी लोग एक साथ आ गए हैं लेकिन, ईश्वर और जनता एके शर्मा के साथ हैं।लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों की ओर इशारा करते हुए पोस्ट में कहा गया है कि एके शर्मा के तीन साल के कार्यकाल में बिजली कर्मचारी चार बार हड़ताल पर जा चुके हैं, बाकी विभागों में हड़ताल क्यों नहीं होती? क्या वहां कोई यूनियन नहीं है? या फिर कोई समस्या ही नहीं है? पोस्ट में शर्मा के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों पर अभद्र कृत्य करने और मंत्री एवं उनके परिवार के खिलाफ असभ्य भाषा का प्रयोग करने का भी आरोप लगाया गया।मंत्री के एक्स पोस्ट में आरोप लगाया गया कि मायावती सरकार के तहत आगरा के निजीकरण के कदम का कोई विरोध नहीं हुआ जबकि यूनियन के सदस्य वही थे, क्योंकि कुछ बड़े कर्मचारी यूनियन नेता विदेश पर्यटन पर चले गए थे। ऊर्जा विभाग कर्मचारी संघ के वरिष्ठ नेता शैलेंद्र दुबे का कहना है कि मंत्री इन दिनों जो कुछ भी बोल रहे हैं, उससे उनकी हताशा झलकती है क्योंकि वह निजीकरण कार्यक्रम को लागू नहीं कर पा रहे हैं, जिसके लिए उन्हें उत्तर प्रदेश भेजा गया था। 2010 में उनके द्वारा किए गए एक विदेश दौरे के आरोपों पर दुबे ने कहा कि गिरीश पांडे, ओन प्रकाश पांडे और मैं मॉरीशस के तत्कालीन प्रधानमंत्री से मिलने गए थे। भोजपुरी समाज ने इस यात्रा का आयोजन किया था, जिसका खर्च हमने उठाया था। उन्होंने शर्मा के इस दावे को भी चुनौती दी कि उन्होंने आगरा में बिजली वितरण का काम टोरेंट (गुजरात की कंपनी)द्वारा अपने हाथ में लेने पर कोई आपत्ति नहीं जताई थी। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ उनका विरोध तभी से जारी है।दो महीने पहले मई में अपने गृह नगर मऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए एके शर्मा ने पहली बार अपने विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आवाज़ उठाई थी और कहा था कि जो लोग उनके निर्देशों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद बिजली संबंधी समस्याओं को लेकर सोशल मीडिया पर उन पर हमले शुरू हो गए, और कुछ जिलों में प्रदर्शनकारियों ने उनका विरोध भी किया।